@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 24 अगस्त 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 284 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मुझे तूफानों से लड़ने की आदत है, जनता की ताकत मेरे साथ है: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 23 अगस्त। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि अपने ऊपर हुए हमले के बावजूद उनकी हिम्मत और संकल्प पहले से और मजबूत हुआ है। उनका यह भी कहना है कि मुझे तूफान से लड़ने की आदत है और वह आसुरी शक्ति से डरने वाली नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने अपने ये मजबूती व संकल्प से भरे विचार आज दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध कॉलेज श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में व्यक्त किए। वार्षिक समारोह में कॉलेज के शिक्षकों, विद्यार्थियों और पूर्व छात्रों के साथ उन्होंने अपने कॉलेज के दिन भी याद किए और कहा कि कि देश की राजधानी दिल्ली को विश्वस्तरीय शैक्षणिक हब बनाना उनकी प्राथमिकता में शामिल है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एसआरसीसी कॉलेज परिसर में अपने कॉलेज के दिनों को याद करते हुए उसे आज की घटनाओं से जोड़ा और कहा कि कॉलेज के दिनों में डूसू की अध्यक्ष के दौरान एक प्रदर्शन में उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। उस समय भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और आज भी वही जज़्बा उनके साथ है। मैं अब और भी दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रही हूं। मुख्यमंत्री ने अपने इरादों को जाहिर करते हुए कहा कि मैं किसी आसुरी शक्ति से डरने वाली नहीं हूं। मुझे तूफानों से लड़ने की आदत है और दिल्ली की जनता मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

आज मेरे पास दिल्ली की जनता का स्नेह और आशीर्वाद है। मैं और भी दृढ़ संकल्प के साथ काम कर रही हूं। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी ताकत से डरकर रुकने वाली नहीं हूं। जब तक दिल्ली को उसके अधिकार नहीं मिल जाते, मैं लगातार संघर्ष करती रहूंगी। न डरूंगी, न थकूंगी और न ही हार मानूंगी। उन्होंने यह भी कहा कि अपने ऊपर हुए हमले के बावजूद उनकी हिम्मत और संकल्प पहले से और मजबूत हुआ है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपनी प्राथमिकताओं और विकसित दिल्ली के संकल्प को भी दोहराया और कहा कि दिल्ली को विश्वस्तरीय शैक्षणिक हब बनाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हमारे पास इतने अच्छे कॉलेज और यूनिवर्सिटीज़ हैं। अब ज़रूरत है कि हम बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक सुविधाएं और विश्वस्तरीय फैकल्टी उपलब्ध कराएं, ताकि छात्र विदेश जाने के बजाय यहीं रहकर अपने करियर और देश का भविष्य संवारें। उन्होंने दिल्ली सरकार की उस दृष्टि को सामने रखा जिसमें शिक्षा, नवाचार और युवाओं की ताकत के माध्यम से दिल्ली को विश्व पटल पर अग्रणी बनाने का संकल्प है।

शेष पृष्ठ 3 पर

'भारत अपना स्पेस स्टेशन भी बनाएगा'

- राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर अपने संबोधन में बोले पीएम मोदी
- 'अंतरिक्ष क्षेत्र में एक के बाद एक नई उपलब्धि हासिल कर रहा भारत'

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में भारत मंडपम में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भारतीय अंतरिक्षयात्री शुभांशु शुक्ला के साथ गगनयान मिशन पर जाने वाले अन्य अंतरिक्षयात्री भी मौजूद रहे। साथ ही केंद्रीय विज्ञान और तकनीक मंत्री जितेंद्र सिंह और इसरो के चेयरमैन वी नारायणन भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअली संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने देशवासियों को दूसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'इस बार के अंतरिक्ष दिवस की थीम आर्यभट्ट से गगनयान तक है। इसमें अतीत का आत्मविश्वास भी है और भविष्य का संकल्प भी। आज हम देख रहे हैं कि इतने कम समय में ही राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस हमारे युवाओं के बीच उत्साह और आकर्षण का विषय बन गया है।

यह देश के लिए गौरव की बात है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'अंतरिक्ष क्षेत्र में एक के बाद एक नई उपलब्धि हासिल करना, ये भारत और भारत के वैज्ञानिकों का स्वभाव बन गया है। दो साल पहले ही भारत ऐसा पहला देश बना था जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने का इतिहास रचा। हम उन देशों में भी शामिल हो गए हैं, जिन्होंने अंतरिक्ष में डॉकिंग और अनडॉकिंग की क्षमता हासिल कर ली है।' उन्होंने कहा कि 'शुभांशु शुक्ला ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर तिरंगा फहराकर हर भारतीय को गर्व से भर दिया। जब वो तिरंगा मुझे दिखा रहे थे, जो वो पल और अनुभूति थी। वो शब्दों से परे हैं। आज भारत सेमी क्रायोजेनिक इंजन और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन जैसी अहम तकनीक व दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है जल्द ही अपने वैज्ञानिकों की मेहनत से गगनयान भी सफलता की उड़ान भरेगा और आने वाले समय में भारत अपना स्पेस स्टेशन भी बनाएगा।'

> **प्रधानमंत्री ने कहा कि 'मैंने लाल किले से कहा था कि हमारा रास्ता रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म का रास्ता है। इसलिए बीते 11 वर्षों में देश ने स्पेस सेक्टर एक के बाद एक लगातार बड़े सुधार किए हैं। आज अंतरिक्ष तकनीक भारत में प्रशासन का हिस्सा भी बन रही है।**

राजनीति में वैचारिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा लेकिन अभद्र टिप्पणियां अस्वीकार्य - संजय निरुपम

एजेंसी
मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ दर्ज एफआईआर ने देश में सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। इस मुद्दे पर शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने बड़ा बयान दिया है। शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने तेजस्वी यादव की टिप्पणी को अनुचित ठहराते हुए कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन मर्यादा तोड़कर अभद्र टिप्पणियां करना अस्वीकार्य हैं।

उन्होंने कहा, 'विरोध करना हर नेता का अधिकार है, लेकिन किसी पर व्यक्तिगत लांछन लगाना गलत है। तेजस्वी यादव की टिप्पणी सभ्य समाज के लिए शोभनीय नहीं है। नेताओं को संयमित भाषा का प्रयोग करना चाहिए और इस प्रकार की टिप्पणी से बचना चाहिए।' संजय निरुपम ने सभी नेताओं से संयमित भाषा का उपयोग करने और ऐसी टिप्पणियों से बचने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजनीति में मर्यादा और शालीनता बरकरार रखना आवश्यक है, ताकि जनता के बीच सही संदेश जाए। वहीं, कर्नाटक में एक अलग घटनाक्रम ने सियासी हलचल मचा दी है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रार्थना गाकर सभी को हैरान कर दिया। इस घटना ने राजनीतिक गलियारों में तमाम तरह की चर्चाओं को जन्म दे दिया हैं।

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में केसी वीरेंद्र गिरफ्तार

- 12 करोड़ की नकदी और 6 करोड़ के गहने-गाड़ी जब्त

एजेंसी
बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए चित्रदुर्ग के विधायक केसी वीरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। पिछले 24 घंटे में ईडी ने देशभर में लगभग 31 ठिकानों पर छापे मारे। इस दौरान, करीब 12 करोड़ रुपए की नकदी, 6 करोड़ रुपए के गहने और गाड़ियां जब्त की गईं। ईडी ने ऑनलाइन और ऑफलाइन जुआ के मामले में चित्रदुर्ग के विधायक केसी वीरेंद्र और अन्य के खिलाफ छापेमार कार्रवाई शुरू की थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 22 अगस्त और 23 अगस्त को गंगटोक, चित्रदुर्ग जिला, बेंगलुरु शहर, हुबली, जोधपुर, मुंबई और गोवा समेत देशभर में 31 स्थानों पर एक तलाशी अभियान चलाया गया। जांच में सामने आया है कि आरोपी किंग-567 और राजा567 जैसी कई ऑनलाइन जुआ वेबसाइट चला रहे थे। इसके अलावा, आरोपी का भाई केसी थिप्पेस्वामी दुबई से 3 केसी वीरेंद्र की कॉल सेंटर सेवाओं और गेमिंग व्यवसाय से संबंधित हैं। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ईडी ने

> ● ईडी को केसी वीरेंद्र के भाई केसी नागराज और उनके बेटे पृथ्वी एन राज के परिसर से कई संपत्ति से संबंधित दस्तावेज भी मिले, जिन्हें कब्जे में ले लिया।

व्यावसायिक संस्थाओं का संचालन कर रहा है, जिनका नाम डायमंड सॉफ्टेक, टीआरएस टेक्नोलॉजीज और प्राइम9 टेक्नोलॉजीज है, जो पीएमएलए-2002 के तहत छापेमारी के दौरान लगभग 12 करोड़ रुपए की नकदी बरामद की, जिसमें लगभग 1 करोड़ की विदेशी मुद्रा शामिल है।

ललन सिंह ने राहुल और तेजस्वी को भ्रष्टाचार पर घेरा, कहा- बौखलाना वाजिब, प्रधान कोतवाल डंडा लेकर खड़ा है

एजेंसी
पटना। केंद्रीय मंत्री और जदयू के नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव का बिना नाम लिए भ्रष्टाचार को लेकर जोरदार ढंग से घेरा है।

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने जहां वोट चोरी के आरोपों को लेकर भी पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारियों का बौखलाना वाजिब है क्योंकि 'प्रधान कोतवाल' डंडा लेकर खड़ा है। केंद्रीय मंत्री ने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लालू यादव परिवार को निशाने पर लेते हुए लिखा, 'पूरा परिवार भ्रष्टाचार में लिप्त... पिता का भ्रष्टाचार में जेल जाना और आना, जमानत होने पर हाथी पर चढ़कर निकलना। चारा खाने वाला भी स्वतंत्रता सेनानी हो गया।' इसके बाद उन्होंने तेजस्वी यादव को घेरते हुए लिखा, 'पुत्र होश संभालते ही नौकरी के बदले जमीन लिखवाकर गरीबों का खून चूसकर

आनंद ले रहा है। मोदी सरकार ने पकड़ लिया। वाह रे, बिहार में शासन करने वालों का सपना, भ्रष्टाचारियों का बौखलाना वाजिब है- प्रधान कोतवाल डंडा लेकर जो खड़ा है। एक अन्य पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए लिखा, 'देश में इमरजेंसी लगाकर लोकतंत्र के हत्यारे परिवार के युवराज बिहार में भ्रष्टाचारियों के साथ गले से गले मिलकर घूम रहे हैं। घुसपैठियों के बहाने फर्जी मतदाता के दम पर लोकतंत्र स्थापित करना चाहते हैं। कर्नाटक, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में जीत पर क्यों नहीं बोलते हैं?'

सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात पर बोले अमित शाह, उनके अनुभव से देश को होगा लाभ

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को उपराष्ट्रपति पद के एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। गृह मंत्री शाह ने उन्हें अनुभवी एवं दूरदर्शी नेता बताते हुए उनके उज्ज्वल योगदान देने पर विश्वास जताया। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस मुलाकात की जानकारी दी। सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की तस्वीरें पोस्ट करते हुए अमित शाह ने 'एक्स' पर लिखा, 'उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। वे एक अनुभवी नेता हैं, जिनके पास व्यापक संगठनात्मक और प्रशासनिक अनुभव है। मुझे विश्वास है कि वे अपने व्यापक अनुभव के साथ भारत के राष्ट्रीय विमर्श में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।' वहीं, सीपी राधाकृष्णन ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'आज नई दिल्ली में

हमारे गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर और उनकी शुभकामनाएं पाकर बहुत खुशी हुई।' इससे पहले, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी शनिवार को सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राधाकृष्णन को उनकी उम्मीदवारी के लिए बधाई दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सीपी राधाकृष्णन के साथ मुलाकात की तस्वीरें भी शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'थिरु सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुझे विश्वास है कि थिरु राधाकृष्णन एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति साबित होंगे और भारत के लोगों की एक सशक्त आवाज बनेंगे।' एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया।

मानेसर से भारतीय रेल ने रवाना की 100वीं ऑटोमोबाइल रेक

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय रेल के दिल्ली मंडल ने हरियाणा स्थित मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के मानेसर परिसर से 100वीं रेक रवाना कर ग्रीन लॉजिस्टिक्स की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। देश की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल इन-प्लांट रेलवे गति शक्ति टर्मिनल (जीसीटी) का उद्घाटन गत 17 जुलाई को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया था। 46 एकड़ में फैले इस परिसर में 8.2 किलोमीटर लंबे विद्युतीकृत कॉरिडोर पर 4 फुल-लेंथ रेक हैंडलिंग लाइनें और एक इंजन एस्केप लाइन की सुविधा विकसित की गई है। जीसीटी से पहली रेक 17 जुलाई को नागपुर के लिए रवाना की गई थी।

पटना में ट्रक-ऑटो में टक्कर, 9 की मौत

● अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री की गाड़ी ने उड़ाया

एजेंसी
बेंगलुरु। बिहार की राजधानी पटना में शनिवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। शाहजहांपुर थाना क्षेत्र के अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री के पास एक तेज रफ्तार टैंकर और टेम्पू की जबरदस्त टक्कर में आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भयानक था कि टेम्पू के परखच्चे उड़ गए और शव सड़क पर बिखर गए।

● गंगा स्नान से लौट रहे थे सभी यात्री

जानकारी के अनुसार, मृतक और घायल सभी नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र के मलावा गांव के निवासी थे। वे गंगा नदी में भादो की अमावस्या के मौके पर स्नान करने गए थे और लौटते वक्त यह दर्दनाक हादसा हुआ। स्थानीय लोग घटना के बाद चीख-पुकार करते रहे और

सड़क पर सन्नाटा छा गया।

● तेज रफ्तार टैंकर ने लिया सब कुछ निगल

स्थानीय सूत्रों ने बताया कि तेज रफ्तार से आ रहे टैंकर के ड्राइवर ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिससे टेम्पू से टकराकर यह भीषण दुर्घटना हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेम्पू के परखच्चे उड़ गए और कई लोगों की मौके पर ही जान चली गई।

मध्य प्रदेश में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर हुई 14 हजार कैदियों की सजा कम : मुख्यमंत्री मोहन यादव

एजेंसी
भोपाल। श्री कृष्ण जन्माष्टमी भोपाल के जिलों में बंद 14 हजार कैदियों के लिए उपहार लेकर आई क्योंकि मध्य प्रदेश की सरकार ने इन कैदियों की सजा में 60 दिन कम किए हैं। यह सभी सामान्य अपराधों के आरोपी हैं। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया है कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर

इस वर्ष भी प्रदेश की जेलों के दंडित बंदियों को सजा में करीब 60 दिन की छूट हेतु जेल विभाग को निर्देश दिए हैं। आतंकवादी गतिविधि, लैंगिक अपराध, और हत्या के गंभीर आरोपी इसमें शामिल नहीं हैं। इससे 21 हजार बंदियों में से लगभग 14 हजार लाभान्वित होंगे।

वोटर अधिकार यात्रा

राहुल गांधी मखाना किसानों के साथ तालाब में उतरे, जानी समस्याएं

एजेंसी
कटिहार। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को अपनी वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कटिहार में मखाना किसानों से मिले और उनकी समस्याओं को जाना। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की आज

की यात्रा भागलपुर के नवगछिया से शुरू हुई। यात्रा जब कटिहार के कोढ़ा विधानसभा क्षेत्र में पहुंची, तब वे स्थानीय मखाना किसानों से मिले। इस दौरान वे किसानों के साथ तालाब में भी उतरे और मखाना निकाला। इस क्रम में उन्होंने किसानों से मखाना के तैयार होने की पूरी प्रक्रिया की भी जानकारी ली। राहुल ने किसानों की समस्याओं को भी जाना। इस क्रम में उनके साथ बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम भी थे। राहुल गांधी यात्रा के दौरान लगातार लोगों से मिल रहे हैं। बता दें कि राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा 17 अगस्त को बिहार के सासाराम से शुरू हुई है। इस यात्रा में इंडिया ब्लॉक में शामिल राजद के नेता तेजस्वी यादव सहित घटक दलों के सभी नेता भी शामिल हैं। 16 दिन की यह यात्रा लगभग 20 जिलों से होकर गुजरेगी और 1,300 किलोमीटर का सफर पूरा करेगी। एक सितंबर को पटना में बड़ी रैली के साथ यात्रा का समापन होगा।

नितिन गडकरी की जबलपुर को बड़ी सौगात

9 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

एजेंसी
जबलपुर। बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से जबलपुर की प्रगति को नई गति देते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को मध्य प्रदेश के महानद्दा, जबलपुर में 4,250 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश वाली और 174 किमी लंबाई की 9 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, राज्य के लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह, मंत्री संपतिया उइके, सांसद विष्णु दत्त शर्मा, जबलपुर के सांसद आशीष दुबे, रीवा के सांसद जनार्दन मिश्रा, सांसद सुमित्रा बाल्मीक, जबलपुर के महापौर तथा सांसद-विधायक, अधिकारी और गणमान्य उपस्थित रहे। लोकार्पित हुई परियोजनाओं में सीआरआईएफ के अंतर्गत जबलपुर शहर में दमोह नाका से मेडिकल रोड तक 7 किमी लंबा एलिवेटेड फ्लाईओवर, हिरन-सिंदूर खंड में नौरादेही वन्यजीव अभ्यारण्य भाग का 4-

लेन चौड़ीकरण और कटनी बाईपास का चौड़ीकरण शामिल है। इसके साथ ही अन्य 6 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है। इन परियोजनाओं से प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी होगी, जिससे निवेश में वृद्धि होगी, क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बल मिलेगा और रोजगार सृजन के नए अवसर निर्माण होंगे। जबलपुर फ्लाईओवर से शहर में ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी, जिससे समय एवं ईंधन की बचत होगी और प्रदूषण में कमी आएगी। जबलपुर रिंग रोड के पूर्ण होने से शहर में भारी वाहनों के दबाव में कमी आएगी एवं सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा। रीवा एवं कटनी बाईपास के चौड़ीकरण से वाराणसी से नागपुर के संपूर्ण खंड पर 4-लेन कनेक्टिविटी होगी। नौरादेही वन क्षेत्रों में न्यूनतम हस्तक्षेप आधारित विकास कार्यों से वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों को मजबूती मिलेगी। डिंडोरी, मंडला और बालाघाट जैसे आदिवासी क्षेत्रों का सड़क संपर्क और मजबूत होगा। बाईपास चौड़ीकरण कार्य पूर्ण होने से रीवा-जबलपुर और भोपाल-जबलपुर में 20 मिनट की बचत होगी। कान्हा एवं बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यानों तक पहुंच आसान होगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

कोल्हापुर में दो गुटों के टकराव में 10 लोग घायल

कोल्हापुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में दो गुटों के टकराव में 10 लोग घायल हुए है। यह घटना सिद्धार्थनगर इलाके में हुई।इस घटना में कई लोग घायल हो गए। यह घटना तब हुई जब राजेबगस्वर फुटबॉल क्लब की 31वीं सालगिरह मनाने के लिए आयोजन हुआ था। इसके लिए बैनर, पोस्टर्स और साउंड सिस्टम लगाए गए थे। इन चीजों ने स्थानीय लोगों में गुस्सा भर दिया। लोगों का आरोप था कि इन चीजों से परेशानी हो रही है। जब स्थानीय लोगों ने आयोजन का विरोध किया, तब झगड़ा बढ़ गया। रात 10 बजे तक, दोनों तरफ से भारी संख्या में पथराव हुआ। दो कारों को आग लगा दी गई, जबकि ऑटो और खड़ी कारों सहित लगभग आठ से नौ वाहनों में तोड़फोड़ की गई। घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि पत्थरों से गाड़ियों के शीशे टूट गए थे और मलबा अंदर बिखरा हुआ था। हंगामे के दौरान सड़क किनारे का पार्किंग क्षेत्र पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 200 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया। अधिकारियों ने बताया कि यह झड़प दोनों समूहों के बीच एक गलतफहमी का परिणाम थी। एसपी कोल्हापुर ने लोगों से शांत रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि अफवाहों पर ध्यान न दें। हालात ठीक हैं। यह घटना अचानक हुई। उन्होंने दोनों समूहों के नेताओं ने भी अनुरोध किया है कि ऐसा कोई संदेश न फैलाया जाए। मैं उन सभी से अनुरोध करता हूं कि वे अफवाहों से प्रभावित न हों। फिलहाल मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने जमात-ए-इस्लामी से जुड़े 215 स्कूलों का प्रबंधन अपने हाथों में लिया

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी से जुड़े 215 स्कूलों का प्रबंधन अपने हाथों में लिया है। उमर अब्बदुला सरकार ने कहा कि यह निर्णय हज़ारों छात्रों की शिक्षा की सुरक्षा के लिए लिया है, क्योंकि 2019 में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जमात पर प्रतिबंध लगाने के बाद स्कूल प्रबंधन समितियों के अभाव में इन स्कूलों का पंजीकरण रद्द हो रहा था। उमर सरकार द्वारा जारी एक आदेश में ज़िला मजिस्ट्रेटों को इन स्कूलों का प्रबंधन अपने हाथ में लेने के लिए अधिकृत किया गया है। कश्मीर की शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने कहा कि हज़ारों छात्रों की शिक्षा की सुरक्षा के लिए ऐसा किया है। मैंने इन स्कूलों का प्रबंधन करीबी सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा करने की मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने बताया कि जमात पर प्रतिबंध के बाद करीब 300 स्कूल जाँच के दायरे में हैं। खुफिया एजेंसियों की जाँच के आधार पर, 50 स्कूलों को क्लीन चिट दे दी गई है। हालाँकि, 215 स्कूलों की प्रबंधन समितियों के खिलाफ प्रतिकूल रिपोर्ट मिली हैं।

लॉरेंस के करीबी गैंगस्टर मयंक को अजरबैजान से प्रत्यर्पित कर देश लाई पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का गैंगस्टर मयंक सिंह, जिस पर 50 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं, अजरबैजान से भारत प्रत्यर्पित किया गया है। झारखंड पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने गैंगस्टर मयंक को अजरबैजान के बाकू से वापस लाया है। मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा पर झारखंड, राजस्थान, पंजाब और अन्य राज्यों में 50 से ज़्यादा मामले दर्ज हैं। एटीएस एसपी ऋषव कुमार झा के अनुसार, यह झारखंड पुलिस के इतिहास में पहला सफल प्रत्यर्पण है। आपराधिक गतिविधियों के कारण मयंक भारत से भाग गया था, लेकिन वह व्यापारियों को धमकाने और जबरन वसूली का धंधा चलाता रहा। इसकारण हमारी जांच एजेंसियों के एक्शन के बाद इंटरपोल की रेड कॉर्नर नोटिस सूची में डाल दिया गया था और अक्टूबर 2024 में मंयक को अजरबैजान में गिरफ्तार किया गया। पुलिस का मानना है कि मयंक के गैंगस्टर अमन साहू से करीबी संबंध हैं और वह लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के साथ भी जुड़ा रहा है। इन संबंधों की वजह से गिरोहों को अलग-अलग राज्यों में अपने अभियानों को चलाने में मदद मिलती थी। पुलिस ने 2024 में अमन साहू गिरोह के चार शूटरों को भी गिरफ्तार किया था। ऐसा माना जाता है कि ये शूटर मयंक सिंह के इशारे पर बिश्नोई और साहू गिरोहों के लिए काम करते थे और अपनी पहचान छुपाने के लिए कोडनेम का इस्तेमाल करते थे।

देश के हर 10 में 4 सीएम के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज, शीर्ष पर रेवंत रेड्डी, दूसरे नंबर पर स्टालिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के हर 10 में 4 मुख्यमंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश के 40 फीसदी मुख्यमंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण में राज्य विधानसभाओं और केंद्र शासित प्रदेशों के सभी 30 वर्तमान मुख्यमंत्रियों के स्व-शपथ पत्रों पर गहन अध्ययन किया है। इसमें पाया गया कि 12 मुख्यमंत्रियों (40 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट के अनुसार देश में 10 मुख्यमंत्रियों के खिलाफ (33 प्रतिशत) हत्या के प्रयास, अपहरण, रिश्वतखोरी और आपराधिक धमकी जैसे गंभीर अपराधों का आरोप है। इसमें कांग्रेस शासित तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 89 मामलों के साथ सबसे ऊपर हैं। दूसरे नंबर पर तमिलनाडु के एम के स्टालिन हैं जिनके खिलाफ 47 मामले दर्ज हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ 19 मामले, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ 13 मामले और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ 5 मामले दर्ज हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू ने चार-चार मामले घोषित हैं। वहीं, केरल के पिनाराई विजयन ने दो और पंजाब के भगवंत मान ने एक मामले की घोषणा की है। यह निष्कर्ष तब सामने आया है, जब राजनीतिक रूप से काफी गरमागरम माहौल है। मोदी सरकार ने हाल ही में संसद में तीन विधेयक पेश किए हैं। इसमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को स्वत: पद से हटाने की बात कही गई है। इसके बाद यदि वे कम से कम पांच साल की जेल की सजा वाले आरोपों में 30 दिन या उससे अधिक समय तक हिरासत में रहते हैं, तब उन्हें पद से हटाया जा सकेगा।

एक राष्ट्र, एक चुनाव को देश की प्रगति और विकास के लिए जरुरी, अब हर देशवासी ये मान रहा: चौहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक राष्ट्र, एक चुनाव को देश की प्रगति और विकास के लिए जरुरी बताकर इसका समर्थन किया है। उनका कहना है कि बार-बार होने वाले चुनाव देश के संसाधनों, समय और ऊर्जा की बर्बादी करते हैं, जिससे देश में चल रहे विकास कार्य बाधित होते हैं।

उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव की परिस्थिति को देश के विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने कहा कि आज एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए सभी वर्ग सामने आ रहे हैं। सभी का मानना है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव से देश का विकास तेज गति से होगा। बार-बार चुनाव को लेकर जो झगड़े होते हैं, वे समाप्त हो जाएंगे और विकास के कामों को गति मिलेगी। उन्होंने दावा किया कि एक राष्ट्र, एक चुनाव राष्ट्रहित में है और इस भारत के करोड़ देशवासी भी मान रहे हैं।

एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा कि चुनावों के दौरान कलेक्टर सभी को ड्यूटी देते हैं, सब चुनाव आयोग के अधीन आते हैं, शिक्षक, इंस्पेक्टर, सब मतदाता सूची तैयार करने में व्यस्त होते हैं। जब हर 5 साल में एक बार चुनाव होने पर, तब मतदाता सूची एक ही बार बनेगी, जिससे मतदाता सूची पर विवाद खत्म हो जाएगा। हर 4 महीने में चुनाव होने के कारण, अनुमान है कि 5 साल में इन चुनावों पर 4.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च हुए हैं और यह लगातार बढ़ रहा है। यह 7 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि यह करदाताओं का पैसा है। इसीलिए, एक राष्ट्र, एक चुनाव देशहित में है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट के लिए दर्ज एफआईआर पर जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी देशवासियों के दिलों में बसते हैं और लोग उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। उन्होंने तेजस्वी के बयान को निंदनीय करार देकर कहा कि ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणियां उचित नहीं है।

27 अगस्त तक महाराष्ट्र समेत देश भर में भारी बारिश की चेतावनी

मुंबई (एजेंसी)। सप्ताह की शुरुआत में मुंबई समेत राज्य के कई जिलों में भारी बारिश हुई थी। उसके बाद, मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि गणेशोत्सव के दौरान कुछ दिन के लिए रुकी बारिश फिर से सक्रिय हो जाएगी। अगले 7 दिनों तक कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में भारी बारिश जारी रहने की संभावना है, जबकि 25 और 26 अगस्त को कोंकण में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, अगले 5 दिनों तक गुजरात तट पर तेज़ हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, 25 अगस्त के आसपास बंगाल की खाड़ी के साथ-साथ उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के पास एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। 24 अगस्त से पूर्वी भारत और आसपास के इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही, अगले 7 दिनों में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। 26 और 27 अगस्त को विदर्भ में, 22 और 26 अगस्त के बीच ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल में, 22 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल में, 22 और 23 अगस्त को झारखंड, बिहार में, 25 और 26 अगस्त को ओडिशा में और 25 और 27 अगस्त के बीच छत्तीसगढ़ में भारी वर्षा होने की संभावना है। 26 और 27 अगस्त को तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, 25 और 26 अगस्त को तटीय केरल और तटीय आंध्र प्रदेश में भारी वर्षा होने की संभावना है। अगले 5 दिनों में तटीय तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कुछ स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पाकिस्तान से क्रिकेट मैंच... सैनिकों के साथ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का अपमान

-संजय राउत ने पीएम मोदी को खत लिखकर इसका विरोध किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का हवाला देकर भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप क्रिकेट मैच पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मुद्दे पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। राउत ने लिखा कि आंतकी हमले में मारे गए भारतीयों का खून अभी सूखा नहीं है और उनके परिवारों के आंसू अभी थमे नहीं हैं, इसके बाद भी पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलना अमानवीय और असंवेदनशील कदम होगा।

राउत ने पत्र में कहा कि केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मैचों को हरी झंडी देने की खबर भारतवासियों के लिए बेहद दुखद है। जाहिर है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्रालय की मंजूरी के बिना यह संभव नहीं होता। मैं आपके समक्ष देशभक्त नागरिकों की भावनाएं व्यक्त कर रहा हूं।

राउत ने कहा कि आप कहते हैं कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान के खिलाफ संघर्ष जारी है, तब हम क्रिकेट कैसे खेल सकते हैं?

क्या राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर हम पाकिस्तान के साथ क्रिकेट नहीं खेलते हैं तब कारोबार बंद कर दिया जाएगा। आपने कहा था कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते। अब, क्या खून और क्रिकेट साथ-साथ बहेंगे? पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में बड़े पैमाने पर सट्टेबाजी और ऑनलाइन जुआ खेला जाता है, जिसमें कथित तौर पर कई भाजपा सदस्य शामिल हैं। गुजरात के एक प्रमुख व्यक्ति, जय शाह, वर्तमान में क्रिकेट मामलों की कमान संभाल रहे हैं। क्या इसमें भाजपा को कोई खास वित्तीय लाभ होता है? उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना न केवल हमारे सैनिकों के शौर्य का अपमान है, बल्कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी सहित कश्मीर के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले प्रत्येक शहीद का भी अपमान है।

तीन राज्यों में घटनाएं अलग-अलग लेकिन खौफ एक जैसा कुत्तों का आतंक

-यूपी में युवती का चेहरा नोंच, मप्र में बच्ची पर हमला, महाराष्ट्र में युवक घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क पर निकलो तो आवारा कुत्तों का खौफ आपका पीछा करता है। देश के कई शहरों में आवारा कुत्तों का आतंक जारी है। तीन अलग-अलग राज्यों मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और यूपी से सामने आए खौफनाक वीडियो से लोगों की रूह कंपा गई। कानपुर में एक बीबीए छात्रा के चेहरे पर 17 टांके लगाने पड़े हैं, मध्यप्रदेश के खरगोन में 10 साल की मासूम पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया और पुणे में एक युवक पर कुत्तों ने अटैक कर दिया। इन हमलों से लोगों में डर है।

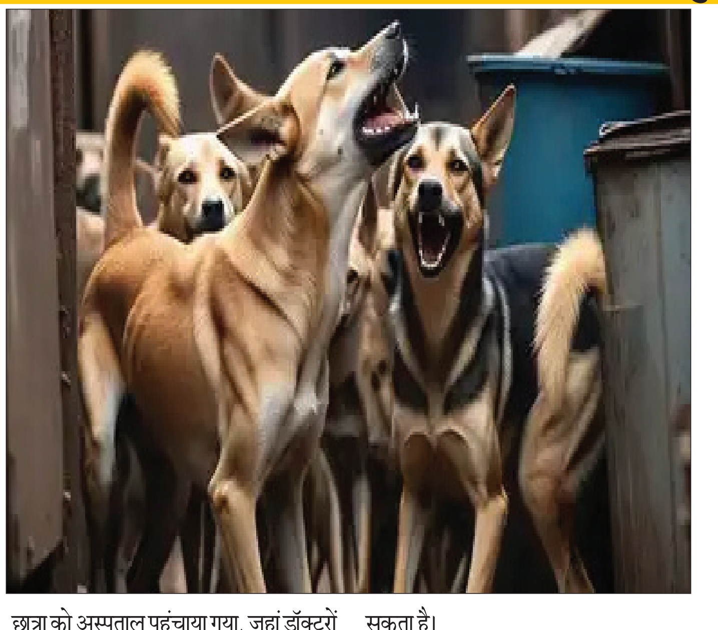

कानपुर में लड़की का चेहरा बिगड़ा, खरगोन में बच्ची की जान जाते-जाते बची और पुणे में युवक लहूलुहान हो गया। सवाल यह है कि इसका ठोस समाधान क्या है? 20 अगस्त की दोपहर...कानपुर की 21 साल की वैष्णवी साहू, बीबीए फाइनल ईयर की छात्रा, रोज की तरह कॉलेज से घर जा रही थी। घर से कुछ ही कदम दूर पार्क के पास अचानक तीन आवारा कुत्ते उस पर झपटे। कुछ ही सेकंड में कुत्तों ने उसे सड़क पर गिरा दिया। उसके गाल का मांस नोचकर दो हिस्सों में कर दिया। नाक पर गहरी चोट और पूरे शरीर पर काटने के निशान...लड़की की चीखें सुनकर आसपास के लोग दौड़े और किसी तरह कुत्तों को भगाकर छात्रा को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों को उसके चेहरे पर 17 टांके लगाए। अब वैष्णवी न तो ठीक से खा पा रही है और न बोल पा रही है। उसका परिवार आज भी दहशत में है और प्रशासन से गुहार लगा रहा है कि कुछ कीजिए, वरना कल किसी और के साथ ऐसा हो सकता है।

वहीं मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के करही नगर परिषद का इलाका में शाम करीब 4:30 बजे 10 साल की मासूम बच्ची कुछ सामान लेकर लौट रही थी। तभी एक कुत्ता उसके पीछे लपका। डर के मारे बच्ची दौड़ी, लेकिन पैर फिसल गया और वह पानी से भरे गड्ढे में जा गिरी। एक के बाद एक कई कुत्ते उस पर टूट पड़े। बच्ची चीखती रही, हाथ-पांव मारती रही, तभी पास से गुजर रहे दो राहगीरों ने पत्थर मारकर कुत्तों को खदेड़ा। उनकी हिम्मत न होती तो शायद जिंदगी खतरे में पड़ जाती। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई और सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। गांव वालों का गुस्सा अब सातवें आसमान पर है। उनका कहना है कि हर हफ्ते कोई न कोई बच्चा इन कुत्तों का शिकार हो रहा है, आखिर प्रशासन कब जागेगा?

वहीं महाराष्ट्र के पिंपरी-चिंचवड़, पुणे में सुबह करीब 5 बजे एक युवक काम पर जा रहा था कि तभी सात कुत्तों के झुंड ने उसे घेर लिया। कुत्तों ने उसके हाथ काट लिए और घसीटकर ले जाने की कोशिश की। युवक ने बचने के लिए फ्लेक्स बोर्ड और सड़क के किनारे खड़ी बाइक का सहारा लिया, लेकिन झुंड लगातार आक्रामक होता गया। सीसीटीवी कैमरे में कैद यह वीडियो इतना डरावना है कि देखने वालों की रूह कांप जाए। युवक तो किसी तरह बच गया, लेकिन इलाके के लोग अब सुबह घर से निकलने में भी डर रहे हैं। बुजुर्ग और बच्चे घर से बाहर निकलने से डर रहे हैं।

केरल इकाई के भाजपा उपाध्यक्ष के बयान से विवाद, जीतने के लिए जम्मू-कश्मीर से भी लोगों को लेकर आएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम,(ईएमएस)। विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग पर उठाए जा रहे सवालों के बीच केरल इकाई के भाजपा उपाध्यक्ष ने नया दावा करके विवाद पैदा कर दिया है। बी.गोपालकृष्णन ने दावा किया कि बीते साल के लोकसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए अन्य राज्यों से मतदाताओं को त्रिशूर में स्थानांतरित किया था। गोपालकृष्णन ने भविष्य के चुनावों के लिए भी इसी नीति को अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा, जिन निर्वाचन क्षेत्रों में हम जीतना चाहते हैं, वहां हम जम्मू-कश्मीर से भी लोगों को लेकर आएंगे। हम उन्हें एक साल के लिए बसाएंगे और यह सुनिश्चित करने वाले हैं, कि वे मतदान प्रक्रिया में भाग लें। इसमें कोई संदेह नहीं है, हम भविष्य में भी ऐसा जरूर करने वाले है। पत्रकारों ने पूछा की बाहर से आने वाले कई लोगों के मकान मालिकों का कहना है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है? इसका जवाब देकर गोपालकृष्णन ने कहा कि यह गलतफहमी केवल इक्का-दुक्का मामलों में सामने आई है। यह गंभीर मुद्दा नहीं है।

इस दौरान भाजपा उपाध्यक्ष ने दावा किया कि त्रिशूर में किसी भी प्रकार का फर्जी मतदान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, फर्जी मतदान का मतलब है, किसी मृत व्यक्ति के नाम पर मतदान करवाना या फिर एक व्यक्ति द्वारा दो बार मतदान करना। इसमें ऐसा कुछ भी नहीं है। उन्होंने विपक्षी पार्टियों द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर तंज कसते हुए कहा कि राज्य में यूडीएफ और एलडीएफ ने भाजपा को हराने के लिए कई क्षेत्रों में सांठगांठ की है। अगर उस व्यवहार में किसी को नैतिकता की चिंता नहीं है, तब हमारे इस दृष्टिकोण में भी हमें नैतिकता की कोई दुविधा नजर नहीं आती है।

गोपालकृष्णन के बयान के बाद जारी विवाद को स्पष्ट कर भाजपा के राज्य सचिव एम टी रमेश ने कहा कि कानून के तहत अगर भारत का कोई भी व्यक्ति किसी स्थान पर 6 महीने से अधिक समय तक रहता है, तब वह वहां की मतदाता सूची में पंजीकरण करा सकता है। उन्होंने कहा, त्रिशूर में केवल त्रिशूर के निवासियों का ही पंजीकरण किया गया है, फर्जी वोट माकपा और कांग्रेस ने डाले हैं।

दोनों नेताओं के बयानों के बाद राज्य में बवाल खड़ा हो गया है। केंद्र में पहले से ही चल रहे वोट चोरी के आरोपों के बीच बयान ने उन आरोपों को नई हवा दे दी है। बता दें त्रिशूर लोकसभा सीट पर 2024 में भाजपा उम्मीदवार सुरेश गोपी जीतकर 74,682 वोटों से जीते थे।

उपराष्ट्रपति का चुनाव कोई लड़ाई नहीं, बल्कि दो विचारधारा का टकराव: सुदर्शन रेड्डी

-एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से कोई मतभेद नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के दावेदार बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि उपराष्ट्रपति का चुनाव कोई लड़ाई नहीं, बल्कि दो विचारधारा का टकराव है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे इस विचारधारा से असहमत हैं, न कि एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से कोई मतभेद है। इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रेड्डी ने कहा कि यह कोई लड़ाई नहीं, बल्कि विचारों का टकराव है...दूसरा पक्ष यह प्रचार कर रहा था कि यहाँ एक व्यक्ति है जो जीवन भर आरएसएस का पूर्ण सदस्य रहा है, इसलिए मैं उस विचारधारा से असहमत हूँ, राधाकृष्णन जी से नहीं।

रेड्डी ने कहा कि एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन से उनका कोई निजी विरोध नहीं है। हम एक-दूसरे से कभी मिले भी नहीं हैं। इसलिए मैं दिल से चाहता था कि यह एक सभ्य मुकाबला हो, व्यक्तियों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग विचारधाराओं के बीच। रेड्डी ने वैचारिक मतभेदों को उजागर कर कहा कि मुझे किसी विचारधारा को पसंद या नापसंद करने का कोई अधिकार नहीं है, लेकिन जिस तरह से यह (आरएसएस) काम करता है, उससे मेरे गंभीर मतभेद हैं, क्योंकि मैं एक उदार संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यक्ति हूँ। मैं धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और बाबासाहेब की बंधुत्व की विचारधारा में विश्वास करता हूँ।

बातें कि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश रेड्डी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल किया। राकांपा (एससीपी) प्रमुख शरद पवार, समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव, द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और गठबंधन के कई अन्य नेता भी मौजूद थे।

मोदी सरकार ने बदली रक्षा रणनीति....नया भारत दुश्मनों को घर में घुसकर मारता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते 11 सालों में मोदी सरकार के कार्यकाल में रक्षा क्षेत्र में भारत का नजरिया काफी बदल चुका है और भारत अब आक्रमक रणनीति अपना रहा हैं। इस बदलाव के पीछे स्पष्ट सोच, मजबूत प्रतिरोध और आत्मनिर्भरता से मिली ताकत है। मोदी सरकार ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं होगा।

इस परिवर्तन ने आंतरिक और बाहरी चुनौतियों से निपटने में ज्यादा आत्मविश्वास के साथ आधुनिक और सक्रिय नजरिया अपनाने का मौका दिया है। इसी कड़ी में भारत ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के लिए लक्ष्मण रेखा खींच दी हैं। अगर अब दुश्मन ने कभी भी उन सीमाओं को लांघने की कोशिश करता हैं, तब दुश्मन को तबाही से कोई नहीं बचा सकेगा। पीएम मोदी ने दो टूक कहा हैं कि अब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की एक भी घटना का निर्णायक जवाब दिया जाएगा। पीएम मोदी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ निलंबित हुआ है। मतलब जब भी जरूरत पड़ेगी, यह हमले फिर से शुरू हो सकते हैं। भारत अब पहलगाम जैसी किसी भी आतंकी घटना का ऑपरेशन सिंदूर से भी बढ़कर निर्णायक जवाब देगा।

पाकिस्तान में सरकार किसी की सरकार रहे, जब भी भारत के साथ विवाद हुआ है परमाणु हमले की धमकी देना पाकिस्तानी नेताओं की आदत रही है। लेकिन, अब भारत तय कर चुका है कि न्यूक्लियर ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। पाकिस्तान की परमाणु हमले की धमकियां आतंकवादी ठिकानों को तबाह करने से नहीं रोक सकेंगी। ऑपरेशन सिंदूर के साथ ही भारत परमाणु हमले वाली चिंता से बाहर निकल चुका है।

भारत अब आतंकवादियों और उन्हें पालने पोसने वाले में कोई फर्क नहीं करता। मतलब, किसी भी आतंकवादी घटना के लिए जितने जिम्मेदार आतंकी संगठन की होगी, उतना ही पाकिस्तान की भी होगी। मतलब, ऑपरेशन सिंदूर में सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन अब भारत उन्हें सक्रिय समर्थन देने वालों से भी भेद नहीं करेगा। पाकिस्तानी सेना के लिए इससे बड़ी चेतावनी नहीं हो सकती।

भारत के लिए अब यह भी न्यू नॉर्मल है कि अगर कभी भी पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत होती है, तब यह पहले सिर्फ आतंकवाद और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के मुद्दे पर ही होगी। मतलब, पाकिस्तान के लिए दरवाजे भारत की ओर से बंद हो चुक हैं। अगर वह कभी भी भविष्य में रिश्ते सुधारना चाहता है, तब आतंकवाद पर लगाम कसनी ही पड़ेगी और उसके लिए भारत के सामने कश्मीर का मुद्दा उठाना नामुमकिन होगा।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर तमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी।

मुझे तूफानों से लड़ने की आदत है, जनता की ताकत मेरे साथ है: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कॉलेज विद्यार्थियों से कहा कि देश की प्रगति में हर व्यक्ति की भूमिका अहम है। यह देश केवल सरकारों के सहारे आगे नहीं बढ़ सकता। हर नागरिक, हर छात्र, हर प्रोफेसर, हर फैकल्टी सदस्य को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। हमें केवल अपने लिए नहीं, बल्कि अपने समाज और अपने राष्ट्र के लिए भी सोचना होगा। एक छोटा-सा काम भी जब देश के नाम किया जाता है, तो उसका असर बहुत बड़ा होता है। मुख्यमंत्री ने एसआरसीसी को केवल दिल्ली विश्वविद्यालय का ही नहीं, बल्कि पूरे एशिया का सर्वश्रेष्ठ कॉमर्स कॉलेज बताते हुए कहा कि इस संस्थान ने अकादमिक्स, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और सामाजिक कार्यों में हमेशा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

गरीब मजदूरों के परिजनों के पास शव गांव ले जाने के भी पैसे नहीं

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली के दरियागंज हादसे में मौत के मुंह में समा गए जुबैर, तौफीक और गुल सागर के परिजनों के पास इतने भी पैसे नहीं हैं कि वह पोस्टमार्टम के बाद शवों को बिहार अपने गांव ले जा सकें। मजदूरी करके उनको 600 या 700 रुपये मिलते थे। हादसा हुआ तो ठेकेदार व मालिक मौके से भाग निकले। मजदूरों के पास खाने के भी पैसे नहीं थे। रोते हुए परिजनों ने ठेकेदार और मालिक से आर्थिक मदद की गुहार लगाई। इसके अलावा परिजन पुलिस व प्रशासन से गुहार लगा रहे थे कि वह शवों को गांव ले जाने का इंतजाम करा दें। हादसे की सूचना मिलने के बाद बुधवार दोपहर दिल्ली में रहने वाले मजदूरों के परिजन एलएनजेपी अस्पताल पहुंच गए। एक परिजन ने बताया कि जुबैर कुछ दिनों पहले ही चाचा तौफीक के पास दिल्ली आया था। तौफीक की मौसी महरुन खातून ने रोते हुए बताया कि एक महीने पहले जुबैर बिहार से दिल्ली घूमने आया था। कुछ दिन वह आनंद विहार उनके घर पर रुका। करीब 10 दिन पहले वह अपने चाचा तौफीक के साथ चिड़ियाघर घूमने गया था। एक अन्य मजदूर इमरान ने बताया कि तीनों ही मजदूर आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से दिल्ली में काम के लिए आए थे। सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक सभी यहां पर काम करते थे। तौफीक के परिवार में पत्नी निशा बेगम के अलावा दो बेटे व दो बेटियां हैं। वह बच्चों को पढ़ाने लिखाने के लिए दिल्ली में काम करने आया था। परिवार में तौफीक ही अकेला कमाने वाला था। गांव में इनकी मौत की सूचना मिलने पर परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। कुछ परिजन इनकी मौत की सूचना मिलने पर बिहार से दिल्ली के लिए रवाना भी हो गए हैं। दिल्ली के दरियागंज इलाके में बुधवार दोपहर जर्जर इमारत का पिछला हिस्सा गिरने के बाद वहां काम करने वाले मजदूरों ने इमारत के मालिक व ठेकेदार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इनका कहना है कि बिना सुरक्षा उपकरण दिए ही उनसे इमारत तोड़ने का काम करवाया जा रहा था। कई बार ठेकेदार व मालिक से सुरक्षा उपकरणों की डिमांड की थी लेकिन उनकी बात को नजरअंदाज कर दिया गया। ऐसे में उनकी लापरवाही के कारण हादसा हो गया। हादसे के बाद पुलिस सभी मजदूरों के बयान दर्ज कर रही है। जांच के लिए क्राइम टीम व एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि तीसरी मंजिल के लिंटर का एक बड़ा हिस्सा दूसरी मंजिल पर आ गिरा था। इस कारण इमारत का पिछला हिस्सा सद्भावना पार्क की दीवार के साथ जमींदोज हो गया।

यदि पूरी इमारत गिरती तो हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ सकती थी। हादसे के समय यहां पर करीब पंद्रह मजदूर काम कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन का कहना है कि ठेकेदार व इमारत मालिकों की तलाश की जा रही है। मजदूर तुरफान ने बताया कि पिछले करीब 17 जुलाई से सभी मजदूर यहां काम कर रहे हैं। ज्यादातर मजदूरों के परिवार के लोग आनंद विहार में रहते हैं। ठेकेदार ने दूर होने की वजह से सभी को कहा था कि वह रात के समय यहीं पर रुक जाया करें। रोजाना की तरह सुबह 8.30 बजे मजदूरों ने काम शुरू किया। तुरफान ने बताया कि वह भूतल पर मौजूद था। जुबैर, गुल सागर और तौफीक दूसरी मंजिल पर मलबा हटा रहे थे। इस बीच करीब 12 बजे तीसरी मंजिल के लिंटर का कुछ हिस्सा दूसरी मंजिल पर गिरा। पार्क की दीवार कमजोर थी। इमारत के साथ दीवार भी गिर गई और हादसा हो गया। इमारत का हिस्सा गिरते ही सभी ने शोर मचा दिया। आसपास भी कई दूसरी इमारतों में काम चल रहा था। वहीं पार्क में भी कई लोग मौजूद थे लेकिन कोई मदद के लिए आगे नहीं आया। तुरफान ने बताया कि उन्होंने अपने साथी इरशाद मकबूल व अन्य लोगों के साथ मलबा हटाना शुरू किया। मलबे से सबसे पहले तौफीक को निकाला गया। इसके बाद जुबैर को बाहर निकाला। इस बीच दमकल व बचाव दल भी मौके पर पहुंच गए। दमकलकर्मियों ने जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर गुल सागर को निकालकर अस्पताल भेजा। ज्यादातर मजदूरों ने मकान मालिक व ठेकेदार के खिलाफ ही बयान दिया है। उसके आधार पर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

कुछ ही मिनटों में ट्रेनों की सीटें फुल, अब स्पेशल का इंतजार

दिल्ली। दीपावली और छठ महापर्व पर घर जाने की तैयारी कर रहे दिल्लीङ्कएनसीआर के यात्रियों के लिए ट्रेन टिकट बुकिंग बड़ी चुनौती बन गई है। 20 अगस्त की सुबह जैसे ही 19 अक्तूबर (छोटी दीपावली) की यात्रा के लिए टिकट बुकिंग शुरू हुई, दिल्ली से पूर्वांचल और बिहार जाने वाली ज्यादातर ट्रेनों में कुछ ही मिनटों में 'बुकिंग क्लोज' और 'रिग्रेट' की स्थिति बन गई। एसी क्लास की सीटें तो पलभर में भर गईं, वहीं स्लीपर क्लास में भी लंबी वेटिंग लिस्ट दर्ज हो गई। ट्रेन में सीटों की भारी मांग का सीधा कारण दीपावली और छठ महापर्व है। इस बार दीपावली 20 अक्तूबर (सोमवार) को है, इससे एक दिन पहले 19 अक्तूबर को छोटी दीपावली व नरक चतुर्दशी मनाई जाएगी। इसी वजह से 19 अक्तूबर की यात्रा के लिए भारी संख्या में लोगों ने टिकट बुक कराने की कोशिश की और

परिणामस्वरूप ट्रेनों की सीटें चंद मिनटों में भर गईं। दिल्लीङ्कएनसीआर में कामकाज करने वाले लाखों लोग दीपावली और छठ पर गांव लौटते हैं। टिकट न मिलने से कई लोग परेशान हैं। बिहार के मुंगेर निवासी दीपक कुमार ने बताया कि परिवार के साथ दीपावली पर घर जाने की योजना बना रहे हैं। लेकिन टिकट बुक नहीं हो पा रही हैं। अब छठ की बुकिंग का इंतजार रहेगा। वहीं दरभंगा निवासी प्रमोद ने बताया कि त्योहार पर टिकट मिलना बेहद मुश्किल हो गया है। सरकार को स्पेशल ट्रेनों का इंतजाम करना होगा। नई दिल्लीङ्कराजेंद्र नगर तेजस राजधानी, डिब्रूगढ़ राजधानी, विक्रमशिला एक्सप्रेस, संपूर्ण क्रांति सुपरफास्ट, पूर्वा एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र मेल, सीमांचल एक्सप्रेस व मगध एक्सप्रेस सभी में बुकिंग क्लोज। नॉर्थ ईस्ट सुपरफास्ट, पूर्वोत्तर संपर्क क्रांति, अमृत भारत एक्सप्रेस इन ट्रेनों में लंबी वेटिंग है। वहीं सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस थर्ड एसी में 140 ज्यादा वेटिंग। श्रमजीवी एक्सप्रेस एसी क्लास बुकिंग क्लोज, स्लीपर में 120 से ज्यादा की वेटिंग, नई दिल्लीङ्कमालदा टाउन एक्सप्रेस थर्ड एसी में 146 वेटिंग, अन्य एसी क्लास क्लोज। वहीं आनंद विहारङ्कपटना स्पेशल और फरक्का एक्सप्रेस में लंबी वेटिंग है। रेलवे के नियमों के अनुसार अब वेटिंग टिकट कुल सीटों के 25 फीसदी तक ही जारी किए जाते हैं। इसी वजह से पहले से भी तेजी से बुकिंग बंद हो रही है। पहले कुल सीट का करीब 50 फीसदी तक वेटिंग टिकट दिए जाते थे, जिससे यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ता था। बहुत कम वेटिंग टिकट कन्फर्म हो पाती थी। इस बदलाव का फायदा यह है कि अब करीब 75 फीसदी वेटिंग टिकट कन्फर्म हो हो जाता है। इससे यात्रियों की कन्फर्म सीट पाने की संभावना पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि दीपावली और छठ पर यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रमुख ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे और जरूरत पड़ने पर ऑन डिमांड ट्रेनें भी चलाई जाएंगी।

10,000 रुपये का भुगतान न करने पर सब इंस्पेक्टर को जेल

दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने सब-इंस्पेक्टर को उसके खिलाफ जारी जमानती वारंट की राशि 10,000 रुपये न चुकाने पर जेल भेज दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रमेश कुमार जांच अधिकारी (आईओ), सब-इंस्पेक्टर संदीप रावल के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) को रद्द करने के लिए एक आवेदन पर सुनवाई कर रहे थे। पॉक्सो मामले में अभियोजन पक्ष के साक्ष्य के चरण में उपस्थित न होने पर आईओ के खिलाफ 10,000 रुपये का जमानती वारंट जारी किया गया था। यह देखते हुए कि वह सुनवाई के दौरान फिर से उपस्थित नहीं हुए, एसआई को गैर-जमानती वारंट जारी किया गया। न्यायाधीश ने कहा कि इस स्तर पर आवेदक रावल का कहना है कि वह एक मामले में पूरक आरोप-पत्र दाखिल करने के लिए साकेत अदालत गए थे। इसलिए, वह गैर-जमानती वारंट रद्द करने का अनुरोध करते हैं। न्यायाधीश ने कहा कि जमानती वारंट जारी होने के बावजूद, रावल दूसरी अदालत गए और उनके आचरण से पता चलता है कि उन्हें अदालती प्रक्रिया का कोई सम्मान नहीं था। इसलिए गैर-जमानती वारंट रद्द करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं थे और इसे केवल जमानती वारंट की राशि 10,000 रुपये के भुगतान पर ही रद्द किया जा सकता था। जांच अधिकारी ने राशि का भुगतान करने पर सहमति जताई और एटीएम से पैसे निकालने के लिए अदालत से चले गए। दोपहर 2.50 बजे जब अदालत की कार्यवाही फिर से शुरू हुई, तो रावल ने कहा कि वह राशि देने को तैयार नहीं हैं। इस पर न्यायाधीश ने कहा कि जमानती वारंट की राशि देने के लिए अदालत से समय लेने के बावजूद आवेदक या जांच अधिकारी ने राशि नहीं दी है। उन्होंने अदालत का कीमती समय बर्बाद किया है। इसलिए, आवेदक को हिरासत में लेकर न्यायिक हिरासत में भेजा जाए। अदालत ने निर्देश दिया कि आदेश की एक प्रति संबंधित पुलिस उपायुक्त को आवश्यक जानकारी के लिए भेजी जाए।

कंपनी के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट हटाने का निर्देश

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने एक व्यक्ति को निजी कंपनी और उसके प्रबंध निदेशक के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट हटाने का निर्देश दिया है। साथ ही, उसे आगे कोई भी मानहानिकारक सामग्री प्रकाशित करने से भी रोका है। अदालत ने कहा है कि ये पोस्ट गंभीर रूप से पूर्वाग्रहपूर्ण हैं। जिला न्यायाधीश सत्यब्रत पांडा वादी फॉक्सहॉग वेंचर्स इंडिया लिमिटेड और उसके प्रबंध निदेशक की तरफ से दायर एक मुकदमे की सुनवाई कर रहे थे। इस मुकदमे में आरोपी संदीप मोहंती के खिलाफ मानहानि का आरोप लगाया गया था और स्थायी निषेधाज्ञा और हर्जाने की मांग की गई थी। आदेश में अदालत ने आरोपों पर ध्यान दिया जिसके अनुसार मोहंती ने लिंक्डइन और यूट्यूब सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से वादी के खिलाफ मानहानिकारक सामग्री प्रकाशित और प्रसारित की।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिल्लू, सुमित उर्फ सिंचू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है। इन आरोपियों में से हिमांशु, किशन और चेतन पर पहले से हत्या का एक मामला दर्ज है। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि चार अगस्त देर रात नंद नगरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि आशीष पर चार से पांच व्यक्तियों ने हमला कर दिया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि चार अगस्त को आशीष अपने दोस्तों के साथ वाल्मीकि मार्ग पर पार्टी करने के लिए गया था। पार्टी के दौरान आशीष और उसके दोस्तों में झगड़ा हो गया, जिसके बाद सभी दोस्तों ने मिलकर आशीष के साथ मारपीट की। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दोस्त उसे वहीं पर छोड़कर भाग गए। सूचना मिलने के बाद जब तक पुलिस घटनास्थल तक पहुंची तब तक आशीष के परिजन उसे जीटीबी अस्पताल ले जा चुके थे।

उपचार के दौरान आठ अगस्त को उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा।

बवाना की सभी जर्जर पाइप लाइन बदली जाएंगी: इंद्राज

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली 23 अगस्त। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने शनिवार को बवाना विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 31 अंतर्गत नांगल ठाकरान स्थित

माजरा डबास एवं बुढनपुर माजरा के लिए नई पानी की पाइपलाइन बिछाने के कार्य का शुभारम्भ किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बवाना क्षेत्र के कई गांवों में पानी की लाइनें 35-40 साल पुरानी हो चुकी हैं, जिनकी वजह से पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ये सभी ज ?र पाइपलाइनें बदली जाएंगी। जिन गांवों और जे जे कॉलोनियों में अब तक लाइनें नहीं बिछाई गई हैं, वहाँ भी अंतिम छोर तक पाइपलाइन पहुंचाकर हर घर को पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश हैं कि दिल्ली के गांवों को निर्बाध बिजली और पानी की आपूर्ति मिले। गांवों और जे जे कॉलोनियों का विकास सरकार की प्राथमिकता हैं। रविन्द्र इंद्राज ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुरानी पाइपलाइनों की जगह उच्च गुणवत्ता वाली डीआई (डक्टाइल आयरन) पाइपलाइन का नेटवर्क तैयार किया जाए और कार्य को तीन माह के भीतर पूरा किया जाए। साथ ही पाइपलाइन बिछाने के साथ निर्बाध जल आपूर्ति शुरू करने और खुदाई से प्रभावित सड़कों की मरम्मत का कार्य भी शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश दिए। इस परियोजना से गांवों की 2500 के करीब आबादी को इसका लाभ मिलेगा। इसके बाद समाज कल्याण मंत्री ने मुंगेशपुर गांव में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नए ट्रांसफार्मर का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इस पहल से ग्रामीणों को ट्रिपिंग फ्री और बेहतर बिजली आपूर्ति मिलेगी।

बच्चे को काटने वाले लावारिस कुत्ते को बचाने के लिए जमकर हंगामा

नोएडा। सेक्टर-110 की लोटस पनाश सोसाइटी में मंगलवार रात लावारिस कुत्ते को पकड़ने पहुंची टीम के विरोध में डॉग लवर्स खड़े हो गए। सोसाइटी के प्रवेश द्वार पर भीड़ जुट गई। रात 10 बजे शुरू हुआ हंगामा दो बजे तक चलता रहा। पुलिस ने दोनों पक्षों से बात की। इसके बाद टीम को अंदर भेजा गया। लावारिस कुत्ते को पकड़ा नहीं जा सका। सोसाइटी में 17 अगस्त को बच्चे को लावारिस कुत्ते ने काट लिया था। निवासियों ने बताया कि सोसाइटी में आए दिन लावारिस कुत्ते लोगों को काट रहे हैं। नोएडा प्राधिकरण से कुत्ते को पकड़ने के लिए शिकायत दी गई थी। इस पर टीम पहुंची थी। टीम जैसे ही पहुंची डॉग लवर्स ने सोशल मीडिया पर सभी कुत्तों को पकड़ने के लिए टीम आने की सूचना प्रसारित कर दी। इससे कुछ ही देर में सैकड़ों डॉग लवर्स सोसाइटी के बाहर और सेक्टर के गेट पर पहुंच गए। इस दौरान खूब हंगामा हुआ। इस दौरान सोसाइटी का प्रवेश द्वार बंद कर दिया गया। पुलिस पहुंची और लोगों से बात की। कुत्ते को पकड़ने पहुंची टीम को सोसाइटी के अंदर भेजा। करीब दो बजे तक अभियान चला लेकिन कुत्ता पकड़ में नहीं जा सका। डॉग लवर्स भी दो बजे तक सोसाइटी के गेट पर डटे रहे। हमारे यहां करीब 35 लावारिस कुत्ते हैं। पिछले दिनों दो-तीन कुत्ते काटने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। कुत्ते को लेने जब टीम पहुंची तो डॉग लवर्स आ गए और अफवाह फैला दी कि सभी कुत्तों को ले जाने के लिए टीम आई है।

पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया दो चरणों में डीयू ने जारी की अधिसूचना

दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पीएचडी दाखिला को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी। यूजीसी की अधिसूचना के आधार पर पीएचडी दाखिले के लिए तीन श्रेणियां बनाई गई हैं। इसमें ब्लॉक ए की पहली

श्रेणी में वह उम्मीदवार दाखिला के योग्य होंगे जिन्होंने जेआरएफ किया और असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के योग्य हैं। ब्लॉक बी की दूसरी श्रेणी में वह उम्मीदवार होंगे जो असिस्टेंट प्रोफेसर के योग्य और पीएचडी में दाखिला ले सकेंगे। जबकि तीसरी श्रेणी में केवल पीएचडी दाखिला के योग्य उम्मीदवार होंगे। दाखिला के अलग-अलग चरण को लेकर विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि ब्लॉक बी के उम्मीदवारों का यूजीसी/सीएसआइआर नेट अंक एक वर्ष तक के लिए मान्य होंगे। पहले चरण के लिए दिसंबर 2024 और जून 2025 में यूजीसी/सीएसआइआर नेट उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवार दाखिला के योग्य होंगे। जबकि दूसरे चरण में वह उम्मीदवार शामिल होंगे जिन्होंने जून 2025 और दिसंबर 2025 में नेट पास किया है। अधिसूचना में सीटों के वितरण को लेकर भी सूचना जारी कर दी गई है। विश्वविद्यालय के नियमानुसार विभागों को वार्षिक आधार पर एडवांस में उपलब्ध सीटों की घोषणा करना जरूरी है। पहले चरण के लिए कुल उपलब्ध सीटों में से 60 फीसदी और दूसरे चरण के लिए 40 फीसदी सीट आवंटित की जाएंगी। दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि अगर पहले चरण में कोई सीट खाली रह जाती है तो उसे दूसरे चरण में भरा जाएगा। विश्वविद्यालय ने मेरिट सूची तैयार करने को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए है। इसके अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली परीक्षा में 70 फीसदी अंकों को और 30 फीसदी वेटेज साक्षात्कार को दिया जाएगा। यह नियम सभी श्रेणी के उम्मीदवारों पर लागू होंगे। इसके अलावा हर चरण में सीट पहले ब्लॉक (श्रेणी ए) के उम्मीदवारों से भरी जाएगी।

मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त चार बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के मादक द्रव्य निरोधक शाखा ने मादक पदार्थों की आपूर्ति में लिप्त चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से ब्यूप्रेनॉर्फिन की दो हजार से अधिक गोलियां और एविल इंजेक्शन की करीब दस हजार शीशियां बरामद की गई है। आरोपियों की पहचान कुलदीप कुमरा, रोहित गोयल, सतीश और सिद्धार्थ बंसवाल के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि 31 जुलाई को पुलिस को मादक पदार्थों के तस्करी करने वाले गिरोह के एक बदमाश के बारे में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने कबीर बस्ती मलका गंज स्थित एक घर में छापा मारा। वहां से कुलदीप कुमार को गिरफ्तार किया। घर की तलाशी के दौरान ब्यूप्रेनॉर्फिन की 133 गोलियां और एविल इंजेक्शन की 420 शीशियां बरामद की गईं। पूछताछ में कुलदीप ने बताया कि उसने बरामद मादक पदार्थ संतनगर निवासी रोहित गोयल से खरीदे थे और उन्हें अवैध रूप से बेचता था। 2 अगस्त को पुलिस ने दबिश देकर रोहित गोयल को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रोहित गोयल ने पदार्थों के तस्करी करने वाले गिरोह के एक बदमाश के बारे में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने कबीर बस्ती मलका गंज स्थित एक घर में छापा मारा। वहां से कुलदीप कुमार को गिरफ्तार किया। घर की तलाशी के दौरान ब्यूप्रेनॉर्फिन की 133 गोलियां और एविल इंजेक्शन की 420 शीशियां बरामद की गईं। पूछताछ में कुलदीप ने बताया कि यह दवा और इंजेक्शन उसने भलस्वा डेयरी निवासी सतीश से खरीदी थी। पुलिस ने उसके निशानदेही पर सतीश को गिरफ्तार कर लिया। उसके घर की तलाशी लेने पर ब्यूप्रेनॉर्फिन की करीब दो हजार गोलियां और एविल इंजेक्शन की 4700 शीशियां बरामद हुईं। आरोपी सतीश कुमार ने पूछताछ में बताया कि उसने एविल इंजेक्शन चावड़ी निवासी सिद्धार्थ बंसवाल और ब्यूप्रेनॉर्फिन गोलियां बुराड़ी निवासी वंश त्यागी से खरीदी थी। 5 अगस्त को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सीता राम बाजार चावड़ी बाजार स्थित सिद्धार्थ बंसवाल के घर पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया। घर की तलाशी के दौरान एविल इंजेक्शन की कुल 4800 शीशियां बरामद हुईं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुलदीप ई-रिक्शा चलाता है और रोहित गोयल फास्ट फूड बेचने का काम करता है। वहीं, सतीश अपने घर के पास एक छोटा सा मेडिकल स्टोर चलाता है। सिद्धार्थ बंसवाल एक मेडिकल स्टोर में काम करता है। चारों जल्दी अमीर बनने के चक्कर में दवाओं की तस्करी करने लगे।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोनू शर्मा, पुत्र:** घनश्याम शर्मा, **पता:** सी-315, गली नं. 11, गंगा विहार, गोकुल पुरी, दिल्ली; दूसरा पता: मकान नं. 421, गली नं. 1 (कविता प्लेस) के पीछे, गंगा एन्क्लेव, पाइप लाइन, लोनी, गाज़ियाबाद, उ.प्र. ने मुकदमा **FIR No. 294/2018 U/s 379/511 IPC, थाना: कृष्णा नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू शर्मा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 294/2018 U/s 379/511 IPC, थाना: कृष्णा नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सोनू शर्मा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.11.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पी. भार्गव राव
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी-05
कमरा नं. 3, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/11067/SHD/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा विधानसभा सत्र के पहले दिन शोक प्रस्ताव पारित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा का सत्र भावुक माहौल में शुरू हुआ। सदन में उन महान विभूतियों, स्वतंत्रता सेनानियों और वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जो पिछले सत्र से लेकर अब तक इस दुनिया से विदा हो गए। सदस्यों ने शोक प्रस्ताव पारित कर दिवंगत आत्माओं को नमन किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। सर्वप्रथम मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शोक प्रस्ताव पढ़ा। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और आदित्य देवीलाल ने अपनी-अपनी पार्टी की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सदन के सभी सदस्य, अधिकारी, मीडियाकर्मी और कर्मचारी खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। सदन ने जम्मू-कश्मीर, मेघालय, गोवा, ओडिशा और बिहार के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक, हरियाणा विधानसभा के पूर्व सदस्य इन्द्र सिंह नैन, हरि राम बाल्मीकि और स्वतंत्रता सेनानी मंगल सिंह को श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 26 निर्दोष लोगों और 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए 260 लोगों, जिनमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल थे, को भी भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। सत्र में हरियाणा के 43 वीर सैनिकों को भी याद किया गया, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। इनमें कर्नल शमशेर सिंह, स्क्वॉड्रन लीडर लोकेन्द्र सिंह सिंधु, लेफ्टिनेंट विनय नरवाल, फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव सहित कई जिलों के जांबाज शामिल रहे। इसके अलावा, विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की चाची गुरबचनी देवी, सांसद किरण चौधरी के चाचा ससुर हरि सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की चाची सुप्रभा देवी और भाभी राजवती देवी सहित कई नेताओं के परिजनों के निधन पर भी गहरा शोक व्यक्त किया गया।

यमुना का जलस्तर हुआ कम, खराब फसलों के मुआवजे की मांग

फरीदाबाद। यमुना का जलस्तर लगातार घट रहा है। जिससे यमुना के निचले क्षेत्रों में हालात समान्य हो रहे हैं। यमुना में पानी जलस्तर घटकर केवल 27480 क्यूसेक रह गया है। हांलाकि गांव बसंतपुर के जिन हिस्सों में पानी भर गया था, वहां पर पानी के निकलने में अभी कुछ दिन का समय लग सकता है। सिंचाई विभाग के एसडीओ अरविन्द शर्मा ने बताया कि यमुना के निचले क्षेत्र के इलाकों में हालात सामान्य हो रहे हैं। यमुना में पानी जलस्तर लगातार कम हो रहा है। यमुना में 31685 क्यूसेक पानी बह रहा था, जो अब केवल 27480 क्यूसेक रह गया है। यमुना के किराने बसे आबादी वाले गांव अब पूरी तरह से सुरक्षित हैं। हांलाकि विभाग के कर्मचारी अभी भी पानी के बहाव पर नजर बनाए हुआ हैं। उन्होंने कहा कि मोहना और मंझावली के इलाके में जिन खेतों में पानी भर गया था। वहां पर फसलों को नुकसान हुआ है, लेकिन फसलों से पानी अब वापस निकल रहा है और फसलें दिखने लगी है। मोहना गांव के किसान कर्मवीर ने बताया कि धान के फसल को पानी में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। पानी के आने से धान की फसल से निकलने वाली पैदावार में भी कमी आएगी। इसलिए वो सरकार से मुआवजे की मांग कर रहे है। गांव बसंतपुर में यमुना का पानी अभी भी रास्तों में भरा हुआ है। हांलाकि यहां पर पानी पहले से काफी कम हुआ है और लोग धीरे-धीरे वापस लौट रहे हैं। दिल्ली ओखला बैराज में भी पानी का जलस्तर कम हो गया है। जिसके बाद अब उम्मीद है की गांव बसंतपुर में निचले हिस्सों में भरा पानी भी जल्द ही निकल जाएगा।

देश की रक्षा करते हुए शहादत देना गर्व की बात : वशिष्ठ

पलवल। अमर शहीद लांस नायक मनमोहन भारद्वाज की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर गांव बहीन में शहीदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जिला उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। भाजपा वरिष्ठ नेता मनोज रावत, उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ और जिला परिषद के सीईओ जितेंद्र कुमार ने शहीद मनमोहन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि हमें शहीदों की बदौलत ही हम सभी लोग खुली हवा में सांस ले रहे है। उन्होंने कहा कि हमें शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। देश की रक्षा करते हुए शहादत देना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरनेवालों का यही बाकी निशा होगा। उपायुक्त ने कहा कि हमें शहीदों को कभी भी नहीं भूलना चाहिए बल्कि उनका शहीदी दिवस धूमधाम से मनाना चाहिए। शहीद मनमोहन भारद्वाज ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। मनोज रावत ने कहा कि शहीद मनमोहन भारद्वाज ने मातृभूमि की रक्षा के लिए जो बलिदान दिया है, वह हमेशा युवाओं को प्रेरित करता रहेगा। उनका नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव बहीन के लोगों को गर्व है कि यहां से देश के लिए इतना बड़ा बलिदान देने वाला वीर सपूत निकला।

नायब सिंह सैनी कमजोर और रिमोट कंट्रोल वाले मुख्यमंत्री : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि भाजपा सरकार प्रजातांत्रिक प्रणाली में देश के चौथे स्तंभ मीडिया को खत्म करने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सारी हदें पार करके आपातकाल से भी बदतर हालात कर दिए है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि बेहतर भविष्य के लिए मीडिया को अब सचेत होकर भाजपा सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ने पड़ेगी। हाल के दिनों पर कुछ पत्रकारों पर दर्ज हुए मामलों के विषय में उन्होंने यह प्रतिक्रिया दी। दिग्विजय चौटाला ने यह भी कहा कि नायब सिंह सैनी कमजोर, डमी और रिमोट कंट्रोल वाले मुख्यमंत्री हैं और ऐसा मुख्यमंत्री हरियाणा को सही दिशा नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि सीएम में फैसले लेने की शक्ति नहीं है, इसलिए आज प्रदेश की कानून व्यवस्था का बुरा हाल हो चुका है। रेवाड़ी में जेजेपी के युवा जोड़ो अभियान के तहत युवाओं से रूबरू होते हुए दिग्विजय चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल है। उन्होंने कहा कि नई पक्की नौकरी देना तो दूर, सरकार अपने किए वादे से भी पीछे हट रही है। दिग्विजय ने कहा कि आज एचकेआरएन के कर्मचारियों को निकाला जा रहा है और विभिन्न विभागों के कर्मचारी रोजाना अपनी मांगों को लेकर हड़ताल व धरना प्रदर्शन करने को मजबूर है।

भाखड़ा नहर के पानी को लेकर सरकार का दावा और धरातल की हकीकत अलग : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि लोकसभा में उनके द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में जल शक्ति मंत्रालय ने दावा किया है कि हरियाणा में किसानों को सिंचाई जल आपूर्ति पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ा और भाखड़ा नहर प्रणाली से रोटेशनल प्रोग्राम के अनुसार पानी की आपूर्ति हो रही है। लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल उलट है। सांसद ने कहा कि किसानों की पीड़ा को गंभीरता से लिया जाए और केंद्र तथा राज्य सरकारें मिलकर पानी वितरण की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित करें। सैलजा ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते स्थिति को नहीं सुधारा तो किसानों का आक्रोश और बढ़ेगा। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा के किसानों को नहरों से प्राप्त होने वाला सिंचाई पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा। सिरसा जिले के डबवाली क्षेत्र में कल ही किसानों ने एक खाली नहर में दौडकर विरोध प्रदर्शन किया, जो इस बात का प्रमाण है कि धरातल पर हालात बेहद खराब है।

हरियाणा में बढ़ी आउटसोर्सिंग पॉलिसी पार्ट-2 के कर्मचारियों की सेवा अवधि : अनुराग रस्तोगी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने विभिन्न विभागों, बोर्डों और निगमों में आउटसोर्सिंग पॉलिसी पार्ट-2 के तहत कार्यरत कर्मचारियों की सेवा अवधि 30 सितम्बर, 2025 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस सम्बन्ध में एक पत्र जारी किया गया है। गौरतलब है कि सरकार द्वारा पहले इन कर्मचारियों की सेवा अवधि 01 जुलाई, 2025 से 31 जुलाई, 2025 तक बढ़ाने के आदेश जारी किए गए थे।

हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र 27 अगस्त तक चलेगा, बीएसी की बैठक में लिया गया निर्णय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र अब 27 अगस्त तक चलेगा। यह निर्णय विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण की अध्यक्षता में हुई कार्य सलाहकार समिति की बैठक में लिया गया। पहले सरकार ने केवल तीन दिन का सत्र चलाने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन बाद में कामकाज को देखते हुए इसे एक दिन और बढ़ाने पर सहमति बनी। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, ऊर्जा मंत्री अनिल विज, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा, सामाजिक कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार सहित विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा और विधायक गीता भुक्कल, सावित्री जिंदल व अर्जुन चौटाला उपस्थित रहे। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले, विधानसभा अध्यक्ष ने सभी दलों के नेताओं के साथ एक बैठक की।

इस बैठक में हाल ही में सदन में आई बाधाओं पर चर्चा की गई और भविष्य में कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने पर सहमति बनी। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, और अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे। विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने पर्यावरण और नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक पहल की है। उन्होंने सभी विधायकों से 26 अगस्त को विधानसभा में साइकिल या ई-रिक्शा से आने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि इस पहल से समाज और सरकार मिलकर इन मुद्दों पर काम कर पाएंगे। विधानसभा सचिवालय विधायकों के आवास और एमएलए हॉस्टल से विधानसभा भवन तक ई-रिक्शा और साइकिल का इंतजाम करेगा।

जींद अदालत परिसर में नए बनने वाले चैंबरों का किया शिलान्यास

एजेंसी

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि न्याय पाना देश के हर नागरिक का कानूनी अधिकार है। वादी को समय पर न्याय दिलाना ही संपूर्ण न्याय प्रणाली का एकमात्र लक्ष्य है। न्याय पाने के अधिकार की सुरक्षा करते हुए देश की न्याय व्यवस्था हर नागरिक को सहज और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

डीसी मोहम्मद इमरान रजा जिला बार एसोसिएशन की तरफ से न्यू लाइब्रेरी हॉल के प्रथम तल पर बनाए जाने वाले केबिन व चैंबरों के निर्माण कार्य का शिलान्यास करने के बाद बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समय पर न्याय दिलाना एक सामाजिक सूत्र है। जिसे हम सभी को अपने-अपने दायरे में पूरी शिद्दत से निभाना चाहिए। इन नए चैंबरों के बनने से अधिवक्ताओं को कार्य करने में सुविधा होगी। उन्होंने बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को कहा कि इस निर्माण कार्य में जिला प्रशासन द्वारा डी प्लान के तहत हर संभव मदद की जाएगी। इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन द्वारा डीसी मोहम्मद इमरान रजा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान विकास लोहान ने बताया कि न्यू हॉल के प्रथम तल पर अधिवक्ताओं के लिए 16 चैंबर व केबिन बनाए जाएंगे। यह चैम्बर अभी निर्माणाधीन है। इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन के उप प्रधान विशाल खटकड़, सचिव संदीप कौशिक, सहसचिव विजय सोलंकी, पूर्व प्रधान रामरूप चहल, अधिवक्ता हेमंत सुखिजा, संजीत मलिक, देवराज मलिक, सुरजीत श्योकंद सहित बार एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस के हंगामे पर हरियाणा विधानसभा की कार्यवाही छह बार स्थगित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन कांग्रेस द्वारा कानून व्यवस्था के मुद्दे पर हंगामा किए जाने के चलते सदन की कार्यवाही को जहां छह बार स्थगित करना पड़ा वहीं सरकार ने कांग्रेस के दबाव में काम रोको प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। अब 26 अगस्त को विधानसभा में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर काम रोको प्रस्ताव पर चर्चा करवाई जाएगी। सत्र की शुरुआत दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि देने से हुई। इसके तुरंत बाद प्रश्नकाल शुरू होते ही कांग्रेस विधायक अपनी सीटें छोड़कर खड़े हो गए। सदन में नारेबाजी शुरू हो गई। कांग्रेस की गीता भुक्कल ने नियम 66 का हवाला देते हुए तत्काल चर्चा की मांग रखी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान भी ऐसी कई बड़ी घटनाएं हुई थीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज कानून-व्यवस्था पर सवाल उठा रही है, जबकि उनके शासनकाल में तो अपराध अपने चरम पर था। हम पारदर्शी तरीके से काम कर रहे हैं और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। सीएम ने 'अपना घर कांड' को उठाते हुए भी विपक्ष को घेरने की कोशिश की। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर प्रश्नकाल में विस्तृत चर्चा हो सकती है, लेकिन विपक्ष हंगामा करके केवल राजनीतिक लाभ लेना चाहता है। पूर्व मुख्यमंत्री और भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में अपराधी बेलगाम हो चुके हैं। महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं, और सरकार पूरी तरह असफल हो चुकी है। भिवानी की मनीषा हत्याकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। कांग्रेस चाहती थी कि इस गंभीर मुद्दे पर तुरंत चर्चा हो, लेकिन सरकार टालमटोल करती रही। मजबूरन हमें सदन में हंगामा करना पड़ा। विधायक हंगामा बढ़ने पर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण को बार-बार कार्यवाही रोकनी पड़ी। कई बार कांग्रेस विधायक स्पीकर की बैल तक पहुंच गए। भाजपा और कांग्रेस विधायकों के बीच तीखी नारेबाजी हुई। स्थिति संभालने के लिए स्पीकर ने सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सैनी, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा, पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा, कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल, इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला और निर्दलीय विधायक सावित्री जिंदल मौजूद रहे। बैठक के दौरान भी विपक्ष ने अपने तेवर ढीले नहीं किए।

एमबीबीएस दाखिलों के लिए आरती राव ने जेपी नड्डा को लिखा पत्र

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर नारनौल व भिवानी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस के दाखिलों के लिए अनुमति पत्र (एलओपी) जारी करवाने का अनुरोध किया है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि उन्होंने राजकीय महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज कोरियावास (नारनौल) और राजकीय मेडिकल कॉलेज भिवानी में एमबीबीएस दाखिले शुरू करने के लिए अनुमति पत्र (एलओपी) जारी करवाने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य राज्य के प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करना है, ताकि चिकित्सकों की संख्या पूरी हो और सस्ती एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। उन्होंने कहा कि राज्य में निर्माणाधीन छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में से भिवानी और कोरियावास के संस्थान पहले ही बनकर तैयार हो चुके हैं। भिवानी कॉलेज को केंद्र प्रायोजित योजना के पहले चरण के तहत विकसित किया गया है जबकि कोरियावास कॉलेज राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित है। राज्य सरकार ने चालू शैक्षणिक सत्र 2025-26 से दोनों कॉलेजों में 150-150 एमबीबीएस छात्रों को प्रवेश देने की अनुमति के लिए जनवरी 2025 में ही राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) को आवेदन पत्र प्रस्तुत कर दिया है।

निर्माणाधीन पचगांव टोल को मानेसर की तरफ शिफ्ट करे एनएचएआई : राव इंद्रजीत सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने मानेसर नगर निगम कार्यालय में पंचगांव चौक पर निर्माणाधीन टोल प्लाजा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में जिला प्रशासन गुरुग्राम, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), आरआरटीएस, एचओआरसी, एचएसआईआईडीसी के वरिष्ठ अधिकारी तथा पंचगांव एवं आसपास के ग्रामीण मौजूद रहे।बैठक की शुरुआत में केंद्रीय मंत्री ने ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। ग्रामीणों ने अवगत कराया कि जिस स्थान पर टोल प्लाजा का निर्माण किया जा रहा है, उससे पंचगांव और आसपास के गांवों की हाइवे के दूसरी ओर तथा पंचगांव-जमालपुर मार्ग पर सीधी कनेक्टिविटी बाधित होगी। वहीं एनएचएआई द्वारा बनाई गई मौजूदा व्यवस्था भी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ाती है। ग्रामीणों ने मांग रखी कि उनके सुरक्षित व सुगम आवागमन के लिए फ्लाईओवर अथवा अंडरपास की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही यह भी सुझाव दिया कि यदि टोल प्लाजा को मौजूदा स्थान से गुरुग्राम की ओर शिफ्ट किया जाए तो स्थानीय आवश्यकता अनुसार उपयुक्त इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा सकता है।ग्रामीणों की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुनने के उपरान्त केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने एनएचएआई तथा जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि निर्माणाधीन टोल प्लाजा को शिफ्ट करने की संभावनाओं पर ठोस कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों से हरियाणा में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ धरातल क्रियान्वित किया जा रहा है। गुरुग्राम, मानेसर और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक और आधारभूत संरचना संबंधी परियोजनाएं उसी दृष्टि से क्रियान्वित की जा रही हैं, ताकि स्थानीय नागरिकों, औद्योगिक इकाइयों तथा निवेशकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि सडक़ और परिवहन तंत्र ही किसी भी क्षेत्र के विकास की रीढ़ है। इसलिए यहां पर ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जाए, जो आने वाले वर्षों की जरूरतों को भी पूरा कर सके।

कृषि विभाग की टीम ने फसलों में लगे रोगों का किया सर्वेक्षण

एजेंसी

नारनौल। नारनौल के खंड अटेली के गांव मिर्जापुर बाछौद में कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने कपास व बाजरा की फसल में कीट व अन्य रोगों का सर्वेक्षण किया। इस संयुक्त सर्वेक्षण टीम में राज्य कृषि विभाग से सहायक पौधा संरक्षण अधिकारी डॉ हरपाल सिंह, कृषि विकास अधिकारी डॉ सुधीर यादव, फरीदाबाद से रीजनल इंचार्ज एवं उपनिदेशक डॉ वंदना पांडेय, सहायक वनस्पति संरक्षक अधिकारी डा. लक्ष्मीकांत, सहायक वनस्पति संरक्षक अधिकारी डा. सूरज बरनवाल व सहायक वनस्पति संरक्षक अधिकारी डा केपी शर्मा मौजूद रहे। संयुक्त टीम ने सर्वेक्षण के दौरान पाया कि जिले में फसलों कपास, बाजरा में कीट और अन्य रोगों का प्रभाव आर्थिक हानि स्तर से कम है। उन्होंने किसानों को सलाह दी की लगातार फसल की निगरानी करें तथा फसल के 60 दिन के हो जाने पर 5 प्रतिशत एनएसकेई का छिड़काव करें। फूल अवस्था में 10 प्रतिशत नुकसान की स्थिति (रोजेट फ्लावर) तथा टिंडे विकास की अवस्था में 20 अवस्था में 20 टिंडों में कम से कम दो में गुलाबी सुंडी का बाहरी सुराख हो तो वह आर्थिक हानि स्तर का माना जाएगा।

हिसार में मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जाति वर्ग 450 के उद्यमियों को दी 45 लाख की सहायता सामग्री

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हिसार दौरे के दौरान सायना नेहवाल संस्थान के पूर्व प्रशिक्षणार्थियों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और 450 अनुसूचित जाति प्रतिभागियों को 45 लाख रुपये की सहायता सामग्री वितरित की।

संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने शुक्रवार को बताया कि कार्यक्रम में सायना नेहवाल संस्थान के अनुसूचित जाति वर्ग के 450 प्रतिभागियों को 45 लाख रुपए की सहायता सामग्री मुख्यमंत्री ने प्रदान की। संस्थान द्वारा वर्ष 2024-25 के दौरान 15 प्रशिक्षण अनुसूचित जाति/जनजाति के युवाओं के लिए आयोजित किए गए। यह प्रशिक्षण सरकार की विभिन्न योजनाओ के तहत आयोजित किए गए थे, जिसमें हरियाणा के कुल 450 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। यह प्रशिक्षण फल एवं सब्जी परीरक्षण, बेकरी, मशरूम उत्पादन, नर्सरी उत्पादन, दूध और दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने, कटाई एवं सिलाई इत्यादि पर आयोजित किए गए थे। संस्थान द्वारा इन प्रशिक्षणों में प्रतिभागियों को अलग अलग विषयों पर व्यावहारिक ज्ञान देकर उनका कौशल विकास किया गया। प्रशिक्षण से संबंधित इकाइयों का भी भ्रमण करवाकर व्यवहारिक ज्ञान दिया गया था। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने पांच प्रतिभागियों, जिनमे फल एवं सब्जी परीक्षण में भिवानी से ललिता, मशरूम उत्पादन में नांगला फ़तेहाबाद से पूनम, बेकरी में बास आज़म शाहपुरहिसार से वंदना और दूध संवर्धित मूल्य उत्पाद मे हिसार की सरला रानी को आयोजन स्थल पर ही सांकेतिक तौर पर सहायता सामग्री देकर उनका मनोबल बढ़ाया।कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने इस अवसर पर संस्थान की गतिविधियों बारे विस्तार से जानकारी दी। हरियाणा राज्य से ही नहीं बल्कि पूरे देश से युवा यहां प्रशिक्षण लेने आते हैं और विभिन्न विषयों पर 65-70 प्रशिक्षण प्रति वर्ष आयोजित किए जाते हैं जिनकी अवधि 3-7 दिन की होती है। यह संस्थान सभी प्रतिभागियों/उद्यमियों को हमेशा से जोडक़र उनका निरंतर विकास करने के लिए प्रेरित करता है। इस संस्थान की बदौलत कई युवक तथा युवतियां उद्यमिता में नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं।

भिवानी में अंडर-17 व अंडर-19 जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता संपन्न

ज्योति दर्पण

भिवानी। भारत सरकार की नई नेशनल शिक्षा नीति के तहत शिक्षा विभाग हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा शतरंज एसोसिएशन एचसीए की सहायता से आयोजित लड़कों की अंडर 17 व अंडर 19 आयुवर्ग की भिवानी जिला स्तरीय स्कूली शतरंज प्रतियोगिता का समापन राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल भिवानी में किया गया।

महाभारत के भीष्म पितामह शक्तिमान मुकेश खन्ना के नेतृत्व वाली तथा वित्त मंत्रालय भारत सरकार से एकमात्र आयकर छूट प्राप्त हरियाणा शतरंज एसोसिएशन एचसीए के प्रदेश महासचिव ब्रहमचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि 25 अगस्त 2025 को अंडर 17 तथा अंडर 19 आयुवर्ग की लड़कियों की जिला स्तरीय स्कूली शतरंज प्रतियोगिता के मुकाबले राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल भिवानी मे आयोजित कराये जायेगे। आयोजित की गई शिक्षा विभाग हरियाणा सरकार की इस प्रतियोगिता मे देवसर, तोशाम, लोहानी, बापोड़ा, उमरावत, धारेड़ू, आसलवास, तिगड़ाना, हालुवास इत्यादि कई गांव से खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आज कई मुकाबले आयोजित कराए गए।

10 लड़कियां व 10 लड़के विजेताओं का किया जायेगा चयन -

एचसीए के प्रदेश महासचिव ब्रहमचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि इस प्रतियोगिता में अंडर 17 व अंडर 19 आयुवर्ग मे पहले 5 स्थान प्राप्त करने वाले 10 लड़कियां व 10 लड़के विजेता खिलाडियों का चयन किया जायेगा। चयनित खिलाडी 7 से 10 सितम्बर 2025 तक चरखी दादरी मे आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय स्कूली शतरंज चैम्पियनशिप मे भिवानी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। हरियाणा शतरंज एसोसिएशन एचसीए के प्रदेश महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि अंडर 11, 14, 17, 19 प्रत्येक आयु वर्ग में शीर्ष 5 स्थान प्राप्त करने वाले कुल 20 लड़कों व 20 लड़कियों का चयन किया जायेगा जो प्रदेश स्तरीय स्कूली शतरंज प्रतियोगिता मे भिवानी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

बड़े बदलाव को लेकर 3-4 सितंबर को बैठक कर सकती हैं जीएसटी परिषद, चार की जगह सिर्फदो स्लैब पर बन सकती हैं सहमति

नई दिल्ली।

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक 3-4 सितंबर को हो सकती है। बैठक में मंत्री समूह (जीओएम) द्वारा दो स्लैब 5 और 18 प्रतिशत को बरकरार रखने के प्रस्ताव पर फैसला होगा। रिपोर्ट के अनुसार, परिषद की बैठक केंद्र द्वारा जीएसटी कराधान व्यवस्था के ढांचे को वर्तमान चार स्लैब से दो स्लैब में बदलने के बड़े पैमाने पर प्रयास के बीच हो रही है। छह सदस्यीय जीओएम का नेतृत्व करने वाले बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अनुसार, हमारे द्वारा दो स्लैब वाली जीएसटी स्ट्रक्चर की सिफारिश की है और अपनी सिफारिशें जीएसटी परिषद को सौंप दी हैं।

जीओएम ने सहमति व्यक्त की कि नई व्यवस्था के तहत मौजूदा 12 और 28 प्रतिशत स्लैब को समाप्त करने की बात कही है। इसका उद्देश्य एक सरल और अधिक पारदर्शी जीएसटी व्यवस्था की ओर बढ़ना है। देश में वर्तमान में चार स्लैब 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत वाला जीएसटी सिस्टम लागू है। साथ ही सिन और लग्जरी गुड्स पर अतिरिक्त उपकर भी लगाया जाता है।

नए स्ट्रक्चर के तहत, मैरिट वस्तुओं और सेवाओं पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, जबकि अधिकांश अन्य वस्तुएं (स्टैंडर्ड) 18 प्रतिशत के स्टैंडर्ड रेट के दायरे में आएगी। कुछ तथाकथित सिन गुड्स पर 40 प्रतिशत का उच्च कर लागू रहेगा। उदाहरणों में शराब, तंबाकू, ड्रग्स, जुआ, शीतल पेय, फास्ट फूड, कॉफी, चीनी और पोर्नोग्राफी भी शामिल हैं। सिन टैक्स एक विशेष कर है, जो सरकार द्वारा इस प्रकार की वस्तुओं पर लगाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को इनके उपयोग से हतोत्साहित करना और इनसे होने वाले नुकसान को कम करना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इससे पहले दो दिवसीय मंत्रिसमूह की बैठक को संबोधित कर कहा था कि एक सरलीकृत प्रणाली से आम आदमी, किसानों, मध्यम वर्ग और छोटे व्यवसायों को लाभ होगा, साथ ही जीएसटी को अधिक पारदर्शी और विकासोन्मुखी भी बनाया जा सकेगा। बदलावों के तहत, वर्तमान में 12 प्रतिशत कर श्रेणी में आने वाली लगभग सभी वस्तुएं 5 प्रतिशत के स्लैब में आ जाएंगी।

आईआरसीओएन इंटरनेशनन देगी एक रुपए फाइनल डिविडेंड

- रिकॉर्ड डेट 11 सितंबर तय

नई दिल्ली ।

रेलवे क्षेत्र की नवरत्न सरकारी कंपनी आईआरसीओएन इंटरनेशनल लिमिटेड ने अपने निवेशकों को 1 रुपए प्रति शेयर फाइनल डिविडेंड देने की घोषणा की है। यह डिविडेंड 2 रुपए फेस वैल्यू पर 50 फीसदी के रूप में दिया जाएगा। कंपनी ने बताया है कि डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 11 सितंबर तय की गई है। आईआरसीओएन ने मई 2025 में अपने चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजों के साथ डिविडेंड की घोषणा की थी। हालांकि, इसका भुगतान 18 सितंबर को होने वाली कंपनी की 66वीं वार्षिक आम बैठक में मंजूरी मिलने के बाद ही किया जाएगा। डिविडेंड का भुगतान 1 अक्टूबर को किया जाएगा। डिविडेंड का लाभ पाने के लिए निवेशकों को रिकॉर्ड डेट तक कंपनी के शेयर अपने डीमैट अकाउंट में रखने होंगे। पिछले कुछ वर्षों में आईआरसीओएन ने नियमित रूप से अच्छा डिविडेंड दिया है। फरवरी 2025 में कंपनी ने 1.65 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड दिया था। वर्ष 2024 में कंपनी ने दो बार 1.80 और 1.30 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड दिया। वहीं, 2023 में 3 रुपए और 2022 में 1.35 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड निवेशकों को मिला था।

नई जीएसटी दरों पर असमंजसः ऑटोमोबाइल कंपनियां को उपभोक्ता की प्रतिक्रिया का इंतजार

- मंत्रिसमूह के स्लैब के प्रस्ताव के बीच वाहन उद्योग में आशंका और उम्मीद का माहौल

नई दिल्ली । सरकार द्वारा प्रस्तावित नई जीएसटी व्यवस्था के तहत 12 और 28 फीसदी टैक्स स्लैब को हटाकर केवल 5 और 18 फीसदी दरें लागू करने की संभावना पर वाहन उद्योग में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई कंपनियों को डर है कि जब तक जीएसटी परिषद इस पर अंतिम फैसला नहीं लेती, तब तक ग्राहक वाहन खरीदने में देरी कर सकते हैं, जिससे बिक्री प्रभावित हो सकती है।

मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव का कहना है कि वर्तमान में बड़ी कारों पर कुल कर भार 40-45 फीसदी तक पहुंचता है। यदि नई व्यवस्था में उपकर हटा दिया जाता है और केवल 18 फीसदी टैक्स लागू होता है, तो यह बदलाव बड़ी राहत ला सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उपभोक्ता अभी भी वाहन खरीद रहे हैं, इसलिए फिलहाल बाजार में कोई ठहराव नहीं दिख रहा है। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि अगर बड़ी कारों पर उपकर हटता है, तो छोटी कारों की कीमतीय प्रतिस्पर्धा घट सकती है, जिससे उनकी मांग प्रभावित हो सकती है। इसके बावजूद यह बदलाव वाहन उद्योग की कुल बिक्री को बढ़ा सकता है। दोपहिया वाहन क्षेत्र में भी प्रतिक्रिया बंटी हुई है।

बजाज ऑटो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा जीएसटी में राहत की घोषणा के बावजूद ग्राहकों की खरीद में देरी का कोई संकेत नहीं मिला है। उद्योग जगत को अब जीएसटी परिषद के अंतिम फैसले का इंतजार है, जो बाजार की दिशा तय करेगा।

1 सितंबर से बजाज आलियांज पॉलिसीधारकों को अस्पतालों में कैशलेस सुविधा नहींः एएचपीआई

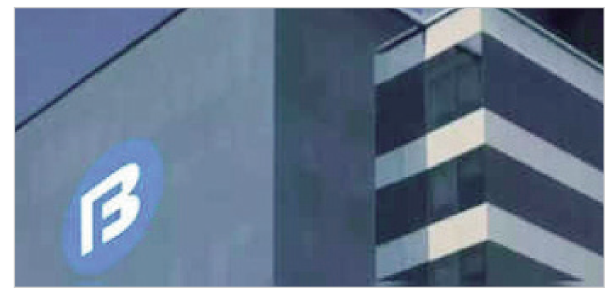

पुराने टैरिफ, पेमेंट कटौती और मेडिकल इन्फ्लेशन को लेकर असंतोष; अस्पतालों ने रिएम्बर्समेंट विकल्प रखा

नई दिल्ली ।

एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स-इंडिया (एएचपीआई) ने घोषणा की है कि उसके सदस्य अस्पताल में 1 सितंबर से बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के पॉलिसीधारकों को कैशलेस इलाज की सुविधा नहीं देंगे। संगठन के तहत 15,200 से अधिक निजी अस्पताल आते हैं, जिनमें मैक्स हेल्थकेयर और मेदांता जैसे प्रमुख नाम भी शामिल हैं। एएचपीआई का आरोप है कि बजाज आलियांज अस्पतालों को पुराने टैरिफ पर भुगतान कर रहा है, जबकि मेडिकल खर्चों में सालाना 7-8 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है। इसके अलावा कंपनी पर प्री-ऑथ और डिस्चार्ज अप्रूवल में देरी और पेमेंट में मनमानी कटौती के भी आरोप लगाए गए हैं। संगठन का कहना है कि इस स्थिति में अस्पतालों के लिए गुणवत्तापूर्ण इलाज जारी रखना कठिन हो गया है। हालांकि एएचपीआई ने स्पष्ट किया कि इलाज पूरी तरह बंद नहीं होगा। मरीजों को सेल्फ-पे आधार पर इलाज मिलेगा और वे बाद में कंपनी से रिएम्बर्समेंट क्लेम कर सकेंगे। संगठन ने इसी तरह की शिकायत के चलते केयर हेल्थ इंश्योरेंस को भी नोटिस भेजा है और चेतावनी दी है कि 31 अगस्त तक जवाब नहीं मिलने पर उनकी भी कैशलेस सुविधा बंद की जा सकती है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, बजाज आलियांज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनी पॉलिसीधारकों को बेहतर सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है और संवाद के जरिए समाधान निकालने की उम्मीद है।

रूस से सस्ते तेल का लाभ निजी कंपनियों तक सीमित

- रिलायंस और नायरा ने उठाया सबसे ज्यादा मुनाफा, सरकारी कंपनियां पीछे रहीं

नई दिल्ली।

रूस से सस्ते कच्चे तेल का आयात भारत के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद रहा, लेकिन इसका लाभ सभी को समान रूप से नहीं मिला। निजी क्षेत्र की दो बड़ी कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी ने इस अवसर का सबसे अधिक फायदा उठाया। उद्योग सूत्रों और शिपमेंट डेटा के अनुसार देश की सात प्रमुख रिफाइनिंग कंपनियों ने रोजाना करीब 18 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल खरीदा, जिसमें से करीब 8.81 लाख बैरल प्रतिदिन अकेले इन दो निजी कंपनियों के हिस्से में आया। नायरा एनर्जी को रूस की सरकारी कंपनी रोसनेफ्ट नियंत्रित करती है। सरकारी रिफाइनरियों को घरेलू बाजार में तय कीमतों पर ईंधन बेचने की बाध्यता के कारण अपेक्षाकृत कम मुनाफा हुआ। वहीं, निजी कंपनियों ने सस्ते रूसी तेल को रिफाइन कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊंचे दामों पर बेचा। अमेरिकी वित्त मंत्री के अनुसार भारतीय कंपनियों को ऐसे सौदों से अब तक करीब 16 अरब डॉलर का मुनाफा हुआ है। उन्होंने इसे जंग के समय मुनाफाखोरी करार दिया। फिनलैंड की एक संस्था की रिपोर्ट बताती है कि जी7 प्लस देशों ने भारत और तुर्की की 6 रिफाइनरियों से 21 अरब डॉलर के ईंधन उत्पाद खरीदे, जिनमें से लगभग 9 अरब डॉलर के उत्पाद रूसी कच्चे तेल से बने थे। रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी ने अकेले ही 12 अरब यूरो का ईंधन निर्यात किया, जिसमें

4 अरब यूरो रूसी तेल पर आधारित था। इससे सवाल उठता है कि क्या ऐसे रणनीतिक संसाधनों का लाभ सभी नागरिकों तक पहुंचना चाहिए या केवल कुछ निजी हाथों तक सीमित रहना चाहिए।

पेट्रोल-डीजल के दामों में हल्का उतार-चढ़ाव

- लखनऊ समेत यूपी के कई शहरों में बदलाव

नई दिल्ली । देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में शनिवार को हल्का उतार-चढ़ाव देखा गया है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, मेरठ, प्रयागराज और नोएडा जैसे प्रमुख शहरों में ईंधन की कीमतों में मामूली बदलाव दर्ज किया गया। कुछ शहरों में पेट्रोल-डीजल की दरें बढ़ी हैं तो कुछ जगहों पर मामूली राहत भी मिली। शे निवार को लखनऊ में पेट्रोल 94.69 रुपए प्रति लीटर और डीजल 87.81 रुपए प्रति लीटर की दर पर बिक रहा है। नोएडा में पेट्रोल 95.12 और डीजल 88.29 प्रति लीटर है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 94.77 और डीजल 87.67 प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। मुंबई, चेन्नई, कोलकाता जैसे मेट्रो शहरों में भी कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया।

तमिलनाडु में जूते-चप्पलों की फैक्ट्री लगाएगा कोरियाई ह्वासेंग ग्रुप

चेन्नई । क्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनी ह्वासेंग फुटवियर ग्रुप मिलनाडु के तूतीकोरिन जिले में 1,720 करोड़ का निवेश कर गैर-चमड़े के जूते-चप्पलों की फैक्ट्री लगाएगी। यह भारत में कंपनी की पहली यूनिट होगी। इस परियोजना से लगभग 20,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने बताया कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कंपनी के अधिकारियों से मुलाकात की और निवेश को लेकर सहमति बनी। उन्होंने कहा कि यह राज्य में फुटवियर क्षेत्र की सबसे बड़ी रोजगार देने वाली परियोजनाओं में से एक होगी। राज्य सरकार की उद्योग-प्रोत्साहन नीति के तहत यह निवेश तमिलनाडु को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। अन्य निवेश समझौतों से भी जल्द नई नौकरियों के अवसर सामने आएंगे।

टिकटाक की भारत में वापसी की अटकलें तेज, वेबसाइट हुई एक्टिव

- कहीं वेबसाइट की उपलब्धता, कहीं भारत-चीन रिश्तों में सुधार की उम्मीदें

जम्मू । टिकटॉक जो 2020 में भारत में बैन हुआ था, उसकी वेबसाइट हाल ही में कुछ उपयोगकर्ताओं के मोबाइल और लैपटॉप पर एक्टिव दिख रही है। हालांकि ऐप अभी भी गूगल प्ले स्टोर और एप्पल स्टोर पर उपलब्ध नहीं है, जिससे साफ नहीं हो पा रहा कि टिकटॉक पूरी तरह से भारत में वापस आ रहा है या नहीं। यह संकेत टेस्टिंग या सीमित रोलआउट के हो सकते हैं। भारत और चीन के बीच रिश्तों में हाल ही में सुधार के चलते टिकटाक की वापसी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, भारत सरकार ने अभी तक टिकटाक की वापसी के लिए कोई आधिकारिक मंजूरी नहीं दी है। कंपनी की तरफ से भी कोई घोषणा नहीं आई है। फिलहाल टिकटाक भारत में आधिकारिक रूप से बैन ही है और बिना अनुमति काम नहीं कर सकता।

अमेरिकी सरकार ने इंटेल में 10 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

- चिप उद्योग को मिलेगी मजबूती

वॉशिंगटन । अमेरिकी सरकार ने चिपमेकर कंपनी इंटेल में करीब 10 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐतिहासिक फैसला किया है। इस डील की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इंटेल के सीईओ ने की। पिछली बाइडन सरकार ने इंटेल को आर्थिक मदद देने का एलान किया था, लेकिन ट्रंप ने इस सहायता के बदले कंपनी में हिस्सेदारी लेने की मांग की थी। दोनों पक्षों के बीच सहमति बनने के बाद अब सरकार को इंटेल के सामान्य स्टॉक के 43.3 करोड़ शेयर मिले हैं, जो कंपनी का 9.9 प्रतिशत है। इस हिस्सेदारी की कीमत करीब 8.9 अरब डॉलर है, जिसमें से 5.7 अरब डॉलर चिप्स और विज्ञान कानून के तहत अनुदान के रूप में दिया जाएगा। बाकी 3.2 अरब डॉलर सिक्योर एन्क्लेव कार्यक्रम के तहत कंपनी को मिलेंगे। इससे पहले भी इंटेल को 2.2 अरब डॉलर के अनुदान मिल चुके हैं, जिससे कुल राशि 11.1 अरब डॉलर हो जाती है। इंटेल में सरकार का निवेश निष्क्रिय होगा, यानी बोर्ड या कंपनी के संचालन में सरकार की कोई भागीदारी नहीं होगी। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने कहा कि यह समझौता अमेरिका के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नेतृत्व को मजबूत करेगा। इंटेल ने एक समय सिलिकॉन वैली में अपनी मजबूत पकड़ बनाई थी, लेकिन एशियाई कंपनियों टीएसएमसी और सैमसंग के आने से उसकी स्थिति कमजोर हुई थी। चिप्स और विज्ञान कानून का उद्देश्य अमेरिकी सेमीकंडक्टर उद्योग को पुनर्जीवित करना है।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में मिला-जुला रुख रहा

- सेंसेक्स 693 अंक गिरकर 81,306.85 अंक पर बंद

- निफ्टी 213 अंक गिरकर 24,870.50 अंक पर बंद

मुंबई ।

शेयर बाजार में बीते सप्ताह मिला-जुला रुख देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में बाजार में जबरदस्त तेजी रही, जिसका श्रेय जीएसटी व्यवस्था में संभावित सुधारों और प्रमुख कंपनियों में निवेश बढ़ने को दिया जा सकता है। हालांकि सप्ताह के अंत में आईटी और बैंकिंग शेयरों में गिरावट के चलते बाजार फिसल गया। यह सप्ताह निवेशकों के लिए भावनात्मक रूप से उतार-चढ़ाव से भरा रहा। सप्ताह के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को सेंसेक्स 1,021 अंक की भारी बढ़त के साथ 81,619.59 पर खुला और 676 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी ने 322 अंकों की छलांग लगाई और 24,876.95 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी तेजी बरकरार रही। बाजार ने जीएसटी सुधारों की योजनाओं को सकारात्मक संकेत के रूप में लिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में मजबूती आई। बुधवार को एशियाई बाजारों के कमजोर संकेतों का असर घरेलू बाजार पर भी पड़ा। हालांकि शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन दिन के अंत में मामूली तेजी के साथ बाजार बंद हुआ। गुरुवार को रिलायंस और आईसीआईसीआई बैंक में खरीदारी से बाजार ने मजबूती दिखाई। सेंसेक्स 82,000 के पार बंद हुआ। आईटी और बैंक शेयरों की गिरावट की वजह से लगभग एक सप्ताह की तेजी के बाद शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 262.05 अंक गिरकर 81,738.66 पर खुला और 693.86 अंक गिरकर 81,306.85 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 81.55 अंक गिरकर 25,002.20 पर खुला और 213.25 अंक गिरकर 24,870.50 अंक पर बंद हुआ।

बैंक घोटाले में हिरेन भानु और पत्नी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस की तैयारी

- एस्प्लेनेड कोर्ट ने भगोड़ा घोषित किया

मुंबई । मुंबई की एस्प्लेनेड कोर्ट ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन हिरेन भानु और उनकी पत्नी गौरी भानु को 122 करोड़ रुपए के कथित घोटाले में भगोड़ा अपराधी घोषित किया है। कोर्ट ने पुलिस को दोनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इससे पहले मुंबई पुलिस ने दोनों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था क्योंकि वे विदेश फरार हो चुके हैं। कोर्ट ने मामले में शामिल पांच आरोपियों की 167.85 करोड़ रुपए कीमत वाली 21 संपत्तियों को कुर्क करने की अनुमति भी दी है। इस घोटाले की जांच मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कर रही है। अब तक बैंक के पूर्व महाप्रबंधक हितेश मेहता, पूर्व सीईओ अभिमन्यु भोन सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुंबई पुलिस अब इंटरपोल की मदद से हिरेन और उनकी पत्नी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की प्रक्रिया में है। यह प्रक्रिया लगभग एक महीने में पूरी हो सकती है। रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद दोनों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तलाशा जाएगा। घोटाले के खुलासे के बाद हिरेन भानु फरार हो गए थे। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए इस पूरे घोटाले की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिकारी हितेश मेहता पर डाली है। हिरेन ने बताया कि फरवरी में आरबीआई के अधिकारियों की पहली जांच के दौरान मेहता ने अपने अपराध को स्वीकार किया था।

कोच्चि में अदाणी लॉजिस्टिक्स पार्क के शिलान्यास की घोषणा, 70 एकड़ में फैली परियोजना

कोच्चि।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने कलामासेरी औद्योगिक क्षेत्र में अदाणी लॉजिस्टिक्स पार्क के शिलान्यास की घोषणा की, इसका उद्घाटन केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने किया। 70 एकड़ में फैली परियोजना 600 करोड़ से अधिक के निवेश वाले केरल में निवेश कार्यक्रम का हिस्सा है। अदाणी लॉजिस्टिक्स पार्क में सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन के मध्य नजर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन, स्मार्ट लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशन और डिजिटल इंटीग्रेशन जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

कंपनी के अनुसार, पार्क से 1,500 से अधिक नौकरियों के सृजन की उम्मीद है, जिससे स्थानीय रोजगार, कौशल और आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही सप्लाई चेन इकोसिस्टम में लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए विकास के अवसर पैदा होने है। एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ अश्विनी गुप्ता ने कहा, कलामासेरी लॉजिस्टिक्स पार्क, एपीएसईजेड के बंदरगाह-केंद्रित उद्यम से फुली इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स बिजनेस में परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस दिशा में हमारे सबसे बड़े प्रयासों में से एक के रूप में, यह पार्क दक्षिण भारत में हमारी लॉजिस्टिक्स उपस्थिति को बेहतर करने, स्थानीय विनिर्माण और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के काम आएगा। उन्होंने कहा, हम वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो सस्टेनेबिलिटी, कनेक्टिविटी और राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा दे। यह ऐतिहासिक परियोजना केरल को एक लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक महाशक्ति में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पार्क कोच्ची में स्थित है, जो कि औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स विकास के केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा शहर है। पार्क 70 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला है और इसे परिवहन लागत को कम करने, समय पर संचालन को सक्षम बनाने और ई-कॉमर्स, एफएमसीजी/एफएमसीडी, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोटिव और खुदरा सहित प्रमुख क्षेत्रों में निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस मौके पर केरल के उद्योग मंत्री पी.राजीव ने कहा, कलामासेरी लॉजिस्टिक्स पार्क, एपीएसईजेड के स्मार्ट, सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर के दृष्टिकोण को दिखाता है, जो व्यापार को बढ़ावा देता है, समुदायों को सशक्त बनाता है और बाजारों को जोड़ता है।

म्यूचुअल फंड उद्योग परिचालन जोखिमों और फर्जीवाड़े से रहे सतर्क- सेबी प्रमुख

एएमसी को त्वरित कार्रवाई और पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी

मुंबई ।

भारतीय बाजार नियामक सेबी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने म्यूचुअल फंड उद्योग को आगाह किया कि उन्हें केवल बाजार जोखिमों तक सीमित न रहकर परिचालन जोखिमों को भी गंभीरता से लेना होगा। उन्होंने कहा कि फर्जी निवेशकों द्वारा जालसाजी के मामलों में कोई व्यक्ति झूठे दस्तावेजों का सहारा लेकर असली निवेशकों की फंड यूनिट्स या राशि निकाल सकता है, जिससे निवेशकों का विश्वास गहराई से प्रभावित होता है। सेबी प्रमुख ने म्यूचुअल फंड एसोसिएशन के एक कार्यक्रम में कहा कि एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को ऐसे धोखाधड़ी के मामलों में त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए और अपराध के बदलते तरीकों पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि धोखाधड़ी के मामलों की जानकारी सभी एएमसी और रजिस्ट्रार एजेंटों के साथ साझा की जाए ताकि भविष्य में दोहराव से बचा जा सके। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य ने भी म्यूचुअल फंड उद्योग से जिम्मेदाराना और नैतिक वृद्धि पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा और नवाचार के दबाव में उद्योग को अल्पकालिक लाभ की बजाय निवेशकों के हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित हो सके।

विभाजक ताकतों को उलाहना देती बाबुश्किन की हिंदी

उमेश चतुर्वेदी

बाबुश्किन का हिंदी बोलना भारतीय राजनीति और समाज के उस तबके के लिए सीख हो सकता है, जो हिंदी का सवाल आते ही भड़क उठते हैं। जिन्हें विदेशी अंग्रेजी तो ग्राह्य और स्वीकार्य है, लेकिन हिंदी उनकी अपनी अस्मिता पर सवाल उठाती लगती है।

आज के रूस और उसके पूर्ववर्ती सोवियत संघ में हिंदी की पढ़ाई-लिखाई 1957 से ही शुरू हो गई थी, इस लिहाज से रूस के किसी नागरिक का हिंदी बोलना महत्वपूर्ण नहीं माना जा सकता। लेकिन आज के दौर में भारत स्थित रूसी दूतावास के दूसरे नंबर के अधिकारी रोमन बाबुश्किन अगर हिंदी के चंद लफ्जों का इस्तेमाल करें तो वह अहम हो जाता है। रूस से तेल खरीद के चलते अंकल सैम की आंखें इन दिनों भारत पर लाल हैं। इसी संदर्भ में 20 अगस्त को रूसी दूतावास ने एक प्रेस कांफ्रेंस रखी। उस प्रेस कांफ्रेंस में अपने संबोधन की शुरूआत बाबुश्किन ने हिंदी के दो वाक्यों से करके भारतीय भाषा प्रेमी पत्रकारों का दिल जीत लिया। बाबुश्किन का पहला वाक्य रहा, ह्यसभी का हार्दिक स्वागत है।ह्य पत्रकारिता जगत की हस्तियों की श्रवणेंद्रिय इस हिंदी प्रयोग का झटका झेल रही थीं, कि बाबुश्किन ने ठेठ भारतीय सांस्कृतिक अंदाज में दूसरा वाक्य छोड़ दिया, ₹हम शुरूआत करेंगे...भगवान गणेश के साथ। गणेश चतुर्थी आ रही है।₹

बाबुश्किन का हिंदी बोलना भारतीय राजनीति और समाज के उस तबके के लिए सीख हो सकता है, जो हिंदी का सवाल आते ही भड़क उठते हैं। जिन्हें विदेशी अंग्रेजी तो ग्राह्य और स्वीकार्य है, लेकिन हिंदी उनकी अपनी अस्मिता पर सवाल उठाती लगती है। आजाद भारत की राजनीति जाति, धर्म और भाषा के आधार पर किस कदर विभाजित हुई है, इसे समाज तो रोज ही झेलता-देखता है। इस विभाजक सोच का ही असर है कि हमारी अपनी भाषाओं के बीच भी झगड़े पैदा किए जा रहे हैं। भारतीय भाषाओं को एक-दूसरे के विरोध में राजनीति खूब खड़ा कर रही है और इसके जरिए वह अपना सियासी उल्लू ही सीधा करती है। नैरंतर्य और सकारात्मकता के लिहाज से देखें तो इसके सामाजिक विघटन की नींव ही मजबूत हो रही है। अस्मिताबोध को जगाने की आड़ में भाषायी वैमनस्य की राजनीति का एक मात्र मकसद सामाजिक विघटन को बढ़ाना और उस बंटे समाज के बीच से अपने खांचे में फिट बैठने वाला बड़ा समर्थक आधार वर्ग तैयार करना है।

इसीलिए जब नई शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं के जरिए प्राथमिक शिक्षा की बात होती है तो हिंदी को किनारे लगाने के लिए तमिल राजनीतिक अस्मिता उठ खड़ी होती है। कन्नड़ और बांग्ला भाषा बोध भी हिंदी के खिलाफ उठ खड़ा होता है। दिलचस्प यह है कि स्थानीय भाषाबोध के इन खिलाड़ियों के लिए वह अंग्रेजी अपनी हो जाती है, जिसकी कथित तौर पर वैश्विक व्यापकता है। हालांकि हकीकत यह है कि अंग्रेजी की व्यापकता गहराई से देखें तो अमेरिका, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, भारत और हांगकांग में ही है।

अंग्रेजी को तो बाबुश्किन ने भी अपना रखा है। भारतीय पत्रकारों के लिए आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बाद में वे अंग्रेजी में ही बोले। लेकिन हिंदी में बोलकर उन्होंने एक तरह से भारतीय लोगों का दिल जीतने की कोशिश की। ठीक उसी अंदाज में, जिस अंदाज में नरेंद्र मोदी स्थानीय समुदायों के दिल तक अपनी पैठ बनाने के लिए स्थानीय भाषाओं के कुछ शब्दों के साथ अपने भाषण की शुरूआत करते रहे हैं। पता नहीं, बाबुश्किन ने हिंदी बोलकर वहां उपस्थित कितने भारतीय पत्रकारों का दिल जीता, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों और सोशल मीडिया पर जब से उनकी मीठी प्रचारित हुई है,उन्होंने ठेठ भारतीयों का दिल जरूर जीत लिया है।

सोवियत संघ में हिंदी फिल्में काफी पसंद की जाती रही हैं। एक दौर में राजकपूर की फिल्में खासा लोकप्रिय रही हैं। राजकपूर अभिनीत फिल्म श्री 420 का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिस्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' एक दौर में सोवियत संघ के घर-घर का पसंदीदा गीत बन गया था। कम्युनिस्ट शासन के दौर में रूस की राजधानी मास्को में हिंदी में दो प्रकाशक भी सक्रिय रहे, प्रगति प्रकाशन और रादुगा प्रकाशन। इन प्रकाशनों के जरिए रूसी लेखकों के साथ ही लेनिन, स्टालिन आदि की रचनाएं हिंदी में अनूदित होकर सस्ते में उपलब्ध होती थीं। एक दौर में सोवियत संघ की दो पत्रिकाएं 'सोवियत देश' और 'स्पूतनिक' भारत में बहुत प्रचलित थे। हिंदी की वहां पढ़ाई भी खूब होती है। इसकी शुरूआत 1955 में हुई। उसके पहले तक रूस की भारत में दिलचस्पी संस्कृत भाषा और साहित्य के अध्ययन तक सीमित थी। साल 1955 में सोवियत संघ के तत्कालीन प्रधानमंत्री निकिता ख्रुश्चेव ने भारत का दौरा किया। इसी दौरे में उन्होंने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा, 'हम यह देखेंगे कि हमारे देश की शिक्षा प्रणाली ऐसी विकसित हो जिसमें सर्वश्रेष्ठ और सर्वगुण-सम्पन्न नई पीढ़ी हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं को सीखें।' इसी के बाद सोवियत संघ में हिंदी प्रकाशन और पढ़ाई-लिखाई की शुरूआत हुई।

आज रूस के मास्को राजकीय विश्वविद्यालय, रूसी राजकीय मानविकी विश्वविद्यालय, अंतरराष्ट्रीय संबंध विश्वविद्यालय, सांक्त पितेरबूर्ग विश्वविद्यालय, विद्यालय क्रमांक 19, मॉस्को, फार ईस्ट विश्वविद्यालय, ब्लादीवोस्तक आदि में हिंदी पढ़ाई जा रही है। इसके साथ ही मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के जवाहरलाल नेहरू साँस्कृतिक केंद्र में हिन्दी की कक्षाएँ चल रही हैं। जिनमें हर आयु वर्ग लोग हिंदी सीख रहे हैं।

साफ है कि विदेशी लोग हिंदी सीख रहे हैं, भारत आए विदेशी हिंदी बोल रहे हैं। इस्कॉन के मंदिरों में जाकर देखा जा सकता है, भगवान कान्हा के विदेशी भक्त भी मीठी हिंदी में बात करते मिल जाएंगे। लेकिन हमारी ही राजनीति के ही एक वर्ग को हमारी हिंदी से परहेज है। ऐसे लोगों के लिए बाबुश्किन की मीठी हिंदी एक तरह मीठा उलाहना है। बाबुश्किन जैसों की जुबान से निकली हिंदी भारतीय भाषा प्रेमियों के लिए नव उत्साह के संचार का जरिया है। ऐसे सुखद हादसों से हिंदी ही नहीं, भारतीय भाषा प्रेमी भी प्रेरित होते हैं। काश कि हमारी राजनीति भी इसे समझती, इससे प्रेरित होने की कोशिश करती और भाषा के नाम पर होने वाली विभाजनकारी राजनीतिक कर्म से बचती।

संपादकीय

विवाह की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा यदि कोई स्वतंत्र रहना चाहता है, तो उसे विवाह नहीं करना चाहिए। कोई भी पति या पत्नी यह नहीं कह सकता कि जब तक हमारा वैवाहिक संबंध है, मैं दूसरे जीवन साथी से स्वतंत्र रहना चाहता/चाहती हूं। मामले में अलग रह रहे दंपति को कहा, हर पति-पत्नी का आपस में कोई न कोई विवाद होता रहता है। दंपति के दो बच्चे भी हैं। पीठ ने कहा, हमें खुशी होगी अगर दंपति साथ आ जाता है क्योंकि बच्चे छोटे हैं। उन्हें टूटा हुआ घर देखने को न मिले। महिला का दावा है कि उसका पति सिंगापुर में रह रहा है, और मामले को सुलझाने के लिए तैयार नहीं है। पति की कुछ हरकतों के कारण उसका वहां रहना मुश्किल है। महिला की इस दलील पर कि वह पति पर निर्भर नहीं रहना चाहती, अदालत ने कहा कोई पत्नी पति से यह नहीं कह सकती क्योंकि भावनात्मक रूप से पति पर निर्भर होती है पत्नी। बेशक, पति-पत्नी के बीच विवाद की गुंजाइश से इंकार नहीं किया जा सकता परंतु दांपत्य में दोनों का बराबरी का संबंध होता है। जब महिलाएं साक्षर नहीं थीं, उनकी स्थिति बनिस्बत खराब थी। परिवार/समाज उनके साथ निराश्रितों की तरह बर्ताव करता था। तब उनकी मजबूरी थी कि पति पर निर्भर रहें। मगर अब व्यावहारिक तौर पर स्वीकरना होगा कि दोनों ही एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। विवाह में निजी स्वतंत्रता बमुश्किल मिलती है। यह सामंजस्य का बंधन है जिससे संपूर्ण कुनबा बंधा होता है। खासकर अपने समाज में आज भी शादी सामाजिक/पारिवारिक निर्णय है। उस पर जब दंपति के बच्चे भी हों तो जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। तमाम झगड़ों-झंझटों के बावजूद अभी भी अपने यहां बुरी से बुरी शादियां ताउम्र चल जाती हैं। सवाल सिर्फ दांपत्य तक सीमित नहीं है, हर रिश्ते में तारतम्यता की आवश्यकता होती है। सारी दुनिया में यूं भी अकेलेपन की समस्याएं विकराल होती जा रही हैं। बेहतर जीवन गुजारने और दांपत्य की दरारों को मिटाने के प्रयास दोनों तरफ से होने जरूरी हैं। खासकर बच्चेदार पालकों को उनके मुस्तकबिल का ख्याल कर बीच का रास्ता निकालने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। बात सिर्फ गुजारा भत्ता या बच्चों के भरण-पोषण तक सीमित नहीं है। यह वैश्विक समस्या है, जिसे शांतिपूर्ण ढ़ंग से विमर्श करके निपटाया जा सकता है। कदम दोनों को बढ़ाना होगा, छद्म अहंकार हमेशा परिवार तोड़ने वाला ही होता है।

चिंतन-मनन

सत्ता और नैतिकता

सत्ता के संचालन में शक्ति की अपेक्षा रहती है या नहीं, यह एक बड़ा प्रश्न है। शक्ति दो प्रकार की होती है- नैतिक शक्ति और उपकरण शक्ति। नैतिक शक्ति के बिना तो व्यक्ति सही ढंग से प्रशासन कर ही नहीं सकता। उपकरण शक्ति का जहां तक प्रश्न है, एक सीमा तक वह भी जरूरी है। किंतु वह शक्ति का एकमात्र तत्व नहीं है। उससे भी अधिक आवश्यक है- बुद्धि, विवेक, साहस और निर्णायक क्षमता। जिस शासक में ये चारो तत्व नहीं होते, वह सही रूप से सत्ता को संचालित नहीं कर सकता। एक शासक के पास बहुत बड़ी सेना हो, शस्त्रों का विशद भंडार हो; पर सही समझ न हो और समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता न हो तो शक्ति भी अहितकर बन जाती है। सामान्यतः राष्ट्रीय एवं सामाजिक सत्ता के संचालन में शक्ति तत्व अपेक्षित रहता है, पर वही सब कुछ नहीं है, परम तत्व नहीं है।

अधिकारी व्यक्ति की चरित्रनिष्ठा, जागरूकता और जनता की सहानुभूति का योग होने से ही सत्ता के गलियारों को पार किया जा सकता है। किसी एक तत्व की कमी होते ही प्रशासक विवादों के घेरे में खड़ा हो जाता है। उस समय वह सत्ता का संचालन करता है या सत्ता के द्वारा संचालित होता है, कुछ कहना कठिन है। मयार्दा पुरुषोत्तम राम और रावण का प्रसंग प्रसिद्ध है। रावण की सत्ता से संसार कांपता था, इधर राम वनवासी थे। उनके पास न वैसी सेना थी, न वैसा शास्त्रबल था। फिर भी उन्होंने रावण की सत्ता को चुनौती दे दी। रावण धराशायी हो गया, क्योंकि उसका चरित्रबल क्षीण हो गया, सूझबूझ समाप्त हो गई, सही निर्णय लेने की क्षमता चुक गई और उसने जनता की सहानुभूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

पहले जापान फिर चीन...कूटनीति में यात्रा का क्रम कई संदेश देता है, एशियाई राजनीति में संतुलन साधेंगे मोदी

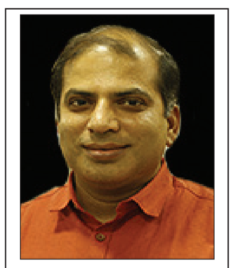

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अगस्त से 1 सितंबर तक जापान और चीन की यात्रा पर जा रहे हैं। यह दौरा केवल दो देशों की यात्रा भर नहीं है, बल्कि एशिया तथा वैश्विक राजनीति की दिशा और संतुलन को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इतना ही नहीं, इसके प्रभाव वॉशिंगटन तक भी पहुँचेंगे। सबसे पहले, 29झ्र30 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी जापान जाएंगे, जहाँ वह प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ 15वें भारतझ्रजापान वार्षिक सम्मेलन में शामिल होंगे। यह मोदी का जापान का आठवाँ दौरा और इशिबा के साथ उनकी पहली मुलाकात होगी। हम आपको बता दें कि भारत और जापान के बीच ह्लस्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिपह्व है, जिसमें रक्षा-सुरक्षा, व्यापार, तकनीकी सहयोग और जन-से-जन संपर्क प्रमुख आधार हैं। इस यात्रा के माध्यम से मोदी यह संदेश देंगे कि भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में लोकतांत्रिक, पारदर्शी और नियम-आधारित व्यवस्था का प्रबल समर्थक है। जापान के लिए यह संकेत भी स्पष्ट होगा कि भारत उसके साथ गहरी साझेदारी चाहता है और चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच वह अकेला नहीं है।

इसके बाद, 31 अगस्तझ्र1 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। SCO भारत की एशिया नीति का अहम हिस्सा है, जहाँ सुरक्षा, आतंकवाद और क्षेत्रीय सहयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होता है। इस मंच पर मोदी की मौजूदगी चीन के लिए यह संदेश है कि भारत टकराव नहीं बल्कि संवाद और बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर है। साथ ही यह भी स्पष्ट संकेत है कि भारत जापान जैसे देशों के साथ सामरिक सहयोग बढ़ाकर बीजिंग पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाए रखने की क्षमता रखता है।

कूटनीति में यात्रा का क्रम भी संदेश देता है। मोदी ने पहले जापान और फिर चीन का दौरा तय कर यह जताया है कि भारत एशिया में अपनी स्वतंत्र रणनीतिक प्राथमिकताओं पर चलता है। बीजिंग को संकेत दिया गया है कि भारत उसकी शर्तों पर नहीं झुकेगा और जापान को आश्वस्त किया गया है कि चीन के साथ संवाद उसकी कीमत पर नहीं होगा।

इसके अलावा, जापान के साथ रक्षा सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता का संतुलन साधने में मदद कर सकता है, वहीं जापान निवेश और तकनीकी सहयोग का भी बड़ा स्रोत है। दूसरी ओर, चीन के साथ सीधे संवाद बनाए रखने से भारत को सीमा विवाद और SCO जैसे मंचों पर अपनी स्थिति मजबूती से रखने का अवसर मिलता है। इस क्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का हालिया बयान उल्लेखनीय है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि परिस्थितियाँ मांगने पर चीनी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) पर लगी पाबंदियों की समीक्षा की जा सकती है। यह संकेत ऐसे समय आया है जब अमेरिका के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों में तनाव देखा जा रहा है और चीन के साथ तालमेल की संभावनाएँ खुल रही हैं।

अमेरिकी दृष्टि से यह यात्रा बेहद अहम है। वॉशिंगटन इसे गहराई से देखेगा, क्योंकि यह उसकी इंडो-पैसिफिक रणनीति, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और जापान की भूमिका– तीनों से जुड़ी है। भारत यहाँ अमेरिका को यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक खेमे का हिस्सा नहीं है। जापान में जाकर भारत अपने 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप' को मजबूत करता है, जो अमेरिका की इंडो-पैसिफिक दृष्टि से मेल खाता है। वहीं चीन जाकर मोदी यह दिखाएंगे कि भारत अपने पड़ोस और बहुपक्षीय मंचों की अनदेखी नहीं करेगा।

बहरहाल, मोदी की जापान और चीन यात्रा अमेरिका को यह याद दिलाती है कि भारत उसका 'नेचुरल पार्टनर' तो है, लेकिन 'जूनियर पार्टनर' नहीं। भारत सहयोग का पक्षधर है, पर अपनी स्वायत्तता से समझौता नहीं करता। यह दौरा साफ तौर पर दिखाता है कि भारत किसी एक ध्रुव का हिस्सा बनने के बजाय संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति को प्राथमिकता देता है।

बाल अपराध खोती मासूमियत, बढ़ती क्रूरता

सोनम लववंशी

अहमदाबाद के एक स्कूल में आठवीं कक्षा के छात्र द्वारा दसवीं के छात्र की हत्या और नरसिंहपुर में एक छात्र द्वारा अपनी शिक्षिका पर पेट्रोल डाल कर उन्हें आग के हवाले कर देना। दोनों घटनाएं अलग-थलग वारदात नहीं, बल्कि उस गहरे संकट की परछाई हैं, जो हमारी सामाजिक संरचना और परवरिश के तौर-तरीकों को चुनौती दे रहा है। बच्चे, जिनकी दुनिया खेलकूद, पढ़ाई और मासूमियत से भरी होनी चाहिए, आज हिंसा, हताशा और प्रतिशोध के घेरे में फंसते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह नहीं कि अपराधी कौन है, बल्कि यह है कि अपराध की जड़ें इतनी गहरा क्यों गई हैं।

यदि बीते आठ वर्षों के परिप्रेक्ष्य में देखें तो 2014-22 के बीच बाल अपराधों में 81 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि समाज की नींव कहीं न कहीं कमजोर हुई है। बाल अपराधों में सर्वाधिक हिस्सा यौन शोषण का है। बाल लैंगिक अपराध संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज मामलों का अनुपात लगातार 36 फीसद के आसपास बना हुआ है अर्थात हर तीसरे अपराध में कोई न कोई बच्चा यौन उत्पीड़न का शिकार होता है। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न नहीं लगाती, बल्कि समाज की सामूहिक संवेदनहीनता को भी उजागर करती है। ऐसे में अपराध ही नहीं, बच्चों का मानसिक संतुलन भी गहरे संकट में है।

एनसीआरबी की दुर्घटनावश मृत्यु और आत्महत्या संबंधी रिपोर्ट बताती है कि 2022 में लगभग तेरह हजार छात्रों ने आत्महत्या की। यह संख्या देश में हुई कुल आत्महत्याओं का लगभग सात फीसद है। सोचिए, केवल परीक्षा में असफल होने के कारण ग्यारह सौ से अधिक बच्चों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। कुल मिला कर अठारह वर्ष से कम आयु के दस हजार से अधिक बच्चों ने 2022 में आत्महत्या का रास्ता चुना और इनमें लड़कियों की संख्या अधिक रही। यह आंकड़ा सिद्ध करता है कि बच्चे अपने ही घर और विद्यालय के दबावों से हार मान रहे हैं। वहीं नाबालिगों द्वारा किए जा रहे अपराध भी भयावह दिशा में बढ़े हैं। 2016 में किशोरों द्वारा अपराधों में हिंसक घटनाओं का अनुपात 32 फीसद था, जबकि 2022 तक यह बढ़ कर लगभग 50 फीसद हो गया अर्थात संख्या स्थिर रही, किंतु स्वरूप अधिक क्रूर और हिंसक हो गया।

दिल्ली सहित अनेक महानगरों में पिछले दो वर्षों में नाबालिगों को हत्या, लूटपाट और रेप जैसे गंभीर अपराधों में गिरफ्तार किया गया। इन घटनाओं में प्रायः मोबाइल फोन, हथियार और इंटरनेट की आसान उपलब्धता बड़ी वजह के रूप में सामने आई। डिजिटल संसार भी बच्चों की सुरक्षा के लिए चुनौती बन चुका है। 2022 में साइबर अपराधों में चौबीस फीसद की वृद्धि दर्ज की गई और इनमें अनेक मामलों में पीड़ित सीधे तौर पर बच्चे ही थे। अनियंत्रित तकनीकी पहुंच और आभासी दुनिया का मोह बच्चों को वास्तविक जीवन से काट कर असुरक्षित बना रहा है। ये सारे तथ्य बताने के लिए पर्याप्त हैं कि यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है। मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक संवाद की विफलता का सम्मिलित परिणाम है। विद्यालयों में अब भी अनिवार्य परामर्शदाता व्यवस्था नहीं है। अध्यापक ज्ञान बांटने में सक्षम हैं परंतु बच्चों के भावनात्मक संघर्ष को समझने और संभालने के लिए प्रशिक्षित नहीं। परिवारों में संवाद का दायरा सीमित होता जा रहा है। अभिभावक बच्चों की चिंताओं और हताशाओं को सुनने की बजाय केवल अंक पत्र और करियर पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। समाज मानसिक स्वास्थ्य को विशेष वर्ग का विषय मानता है, जबकि यह हर बच्चे की मूलभूत आवश्यकता है।

अनेक देशों में विद्यालयों में अनिवार्य मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा लागू की जा चुकी है। कला, खेल और संवाद पर आधारित पुनर्वास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। किशोर अपराधों से निपटने के लिए 'पुनर्स्थापनात्मक न्याय' पद्धति अपनाई जा रही है, जिसमें अपराधी किशोर को कठोर दंड की बजाय पीड़ित और समाज के साथ संवाद की प्रक्रिया में शामिल कर सुधार की दिशा दी जाती है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष और विश्व स्वास्थ्य संगठन चेतावनी दे चुके हैं कि किशोर अपराध को केवल अपराध मान कर कठोर दंड देना समाधान नहीं है। समस्या बहुआयामी है, और इसका समाधान संवेदनशील परवरिश, संवाद और सामाजिक सहयोग से ही संभव है। कुल मिला कर देखें तो हमारे सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हम अपनी अगली पीढ़ी को हिंसा और निराशा से बचा पाएंगे? क्या हम उन्हें किताब, कला और संवाद की दुनिया में लौटा पाएंगे? क्या हम स्वीकार करेंगे कि शिक्षा अंकों और रोजगार का साधन ही नहीं है, बल्कि संवेदनशीलता और विवेक का संस्कार भी है? और क्या हम सच्चाई का सामना करेंगे कि बच्चों की हिंसा दरअसल, हमारी सामूहिक विफलता का आईना है? (लेख में विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

बस-एम्बुलेंस की टक्कर में छह लोगों की मौत, मुख्यमंत्री मरियम ने जताया शोक

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के रहीम यार खान जिले में एक यात्री बस और एम्बुलेंस की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार रेस्क्यू कर्मी शामिल हैं। गुरुवार को हादसा तब हुआ जब बस ने एक मोटरसाइकिल को बचाने की कोशिश में सामने से आ रही रेस्क्यू वाली गाड़ी 1122 एम्बुलेंस को टक्कर मार दी। चार रेस्क्यू कर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए। दो घायलों की हालत गंभीर है। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ ने हादसे पर दुख जताया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की।

डेल्टा और यूनाइटेड एयरलाइंस पर धोखा देने का केस

न्यूयॉर्क, एजेंसी। इस हफ्ते न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को में डेल्टा एयरलाइंस और यूनाइटेड एयरलाइंस के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इन कंपनियों पर आरोप है कि उन्होंने खिड़की वाली सीट बताकर यात्रियों से ज्यादा पैसे वसूले, जबकि कई सीटों के पास खिड़की थी ही नहीं सिर्फ दीवार थी। यह मुकदमे न्यूयॉर्क की एक कानून फर्म ने दर्ज किए हैं और ये सामूहिक मुकदमे हैं, यानी कोई भी यात्री जिसने ऐसी सीट बुक की हो, इस केस का हिस्सा बन सकता है। कानून फर्म ने कहा कि हमें बहुत सारे लोगों ने संपर्क किया है जो खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं और इस केस से जुड़ना चाहते हैं। जब लोग खिड़की के लिए पैसे देते हैं, तो उन्हें खिड़की मिलनी भी चाहिए। डेल्टा और यूनाइटेड दोनों एयरलाइंस ने मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है क्योंकि केस कोर्ट में चल रहा है।

शट्टा वेले अमेरिकी धोखाधड़ी केस की जांच में गिरफ्तार, बाद में मिली जमानत

अक्रा, एजेंसी। घाना के मशहूर सिंगर शट्टा वेले को अमेरिका में चल रहे एक धोखाधड़ी मामले से जुड़े जांच के सिलसिले में हिरासत में लिया गया। यह मामला उनकी 2019 मॉडल की लग्जरी कार लेम्बोर्गिनी उरुस से जुड़ा हुआ है। घाना की आर्थिक और संगठित अपराध कार्यालय ने बताया कि शट्टा वेले खुद बुधवार को पूछताछ के लिए पेश हुए थे। यह पूछताछ अमेरिका सरकार की ओर से आए अनुरोध पर हो रही है। उन्हें गुरुवार को जमानत पर छोड़ दिया गया। जांच एक 4 मिलियन डॉलर (करीब 33 करोड़ रुपये) की धोखाधड़ी से जुड़ी है, जो अमेरिका में कुछ घानावासियों द्वारा की गई थी। इस धोखाधड़ी में कमाई गई रकम से खरीदी गई चीजों का पता लगाया जा रहा है। इस केस का मुख्य आरोपी नाना क्वाबेना अमुआह है, जिसे 2023 में अमेरिका की अदालत ने 7 साल की सजा दी थी। उस पर आरोप था कि उसने लेक्सिंगटन, केंटकी शहर को गैर-लाभकारी संगठनों के नाम पर धोखा देकर पैसे ठग लिए।

फलस्तीनी गुटों ने हथियार सौंपने की प्रक्रिया शुरू की, लेबनानी सेना को सौंपी पहली खेप

बेरूत , एजेंसी। बेरूत के पास एक फलस्तीनी शरणार्थी कैंप में मौजूद कुछ फलस्तीनी गुटों ने गुरुवार को अपने पास रखे हथियार लेबनानी सेना को सौंपने की शुरुआत की। यह कदम उन योजनाओं का हिस्सा है जो तीन महीने पहले घोषित की गई थी, जिसके तहत इन कैंपों से हथियार हटाए जाने हैं। पहले दिन एक छोटी सी शुरुआत हुई, एक पिकअप ट्रक कैंप से निकला जिसमें बैगों में बंद हथियार रखे थे। कुछ बैगों से मशीन गनों के पिछले हिस्से और रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड्स झांकते हुए दिखाई दिए। इस योजना की घोषणा मई में उस समय हुई थी जब फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने लेबनान का दौरा किया था। उन्होंने और लेबनान के राष्ट्रपति जोसफ आउन ने मिलकर कहा था कि हथियारों का नियंत्रण अब लेबनानी सरकार के पास होगा। लेकिन अभी तक सभी फलस्तीनी गुट इस फैसले से सहमत नहीं हैं। हमास और उससे जुड़े गुट पैलेस्टीनियन इस्लामिक जिहाद ने इस पर कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी है। हमास की ओर से एक बयान आया जिसमें कहा गया कि गुरुवार को हथियार सौंपना फतह संगठन का आंतरिक मामला है और इसका फलस्तीनी कैंपों में मौजूद हथियारों से कोई लेना-देना नहीं है।

भारत पर टैरिफ लगाने और चीन को बचाने पर ट्रंप को विशेषज्ञों की चेतावनी

कहा- संबंधों पर पड़ेगा प्रभाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने पर विशेषज्ञों ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस से तेल खरीदने पर भारत पर टैरिफ लगाने और चीन को बचाने से अमेरिका को ही नुकसान हो सकता है। भारत पर टैरिफ लगाने से दोनों देशों के संबंधों पर प्रभाव पड़ेगा। भू-राजनीतिक और आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि भारत के खिलाफ इस हमले का भारत-अमेरिका संबंधों पर दूरगामी और दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है। ट्रंप की सहयोगी निक्की हेली ने एक लेख में कहा कि चीन को पछाड़ने के अमेरिकी विदेश नीति के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अमेरिका और भारत के बीच संबंधों को पटरी पर लाने से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ और नहीं है। भारत से मूल्यवान स्वतंत्र और लोकतांत्रिक साझेदार की तरह व्यवहार किया जाना चाहिए, न कि चीन जैसे प्रतिद्वंद्वी की तरह। एशिया में चीनी प्रभुत्व के प्रतिकार के रूप में काम करने वाले एकमात्र देश के साथ 25 वर्षों की गति को रोकना एक रणनीतिक आपदा होगी। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका को अपनी महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन से दूर ले जाने में मदद करने के लिए आवश्यक है और यह स्वतंत्र विश्व की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण परिसंपत्ति है। जबकि ट्रंप प्रशासन विनिर्माण को अमेरिका में वापस लाने के लिए काम कर रहा है। भारत उन उत्पादों के लिए चीन जैसे पैमाने पर विनिर्माण करने की क्षमता के मामले में अकेला है, जिनका उत्पादन यहां शीघ्रता से या कुशलता से नहीं किया जा सकता है, जैसे कि कपड़ा, सस्ते फोन और सौर पैनल। हेली ने कहा कि चीन के विपरीत लोकतांत्रिक भारत का उदय स्वतंत्र विश्व के लिए खतरा नहीं है और इसलिए भारत की शक्ति बढ़ने के साथ ही चीन की महत्वाकांक्षाएं कम होनी होंगी।

भू-राजनीतिक विशेषज्ञ फरीद जकारिया ने अमेरिका भारत संबंधों को खराब करने के लिए ट्रंप की आलोचना की। जकारिया ने कहा कि ट्रंप की ओर से भारत पर लगाए गए दंडात्मक टैरिफ अमेरिका की सबसे बड़ी विदेश नीति गलती थी। अगर ट्रंप अपना रुख बदल भी देते हैं, तो भी नुकसान हो चुका है। भारत का मानना है कि अमेरिका ने अपना असली रंग दिखा दिया है। वह अविश्वसनीय है और जिसे वह अपना दोस्त कहता है, उसके साथ क्रूरता करने को तैयार है। भारत को लगेगा कि उसे अपनी बाजी सुरक्षित रखनी होगी। रूस के साथ नजदीकी बनाए रखें और चीन के साथ सुलह करें।

अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स ने भी भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के ट्रंप के कदम की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ब्रिक्स के महान एकीकरणकर्ता हैं। उन्होंने टैरिफ को अमेरिकी विदेश नीति में सबसे मूर्खतापूर्ण रणनीतिक कदम कहा। वरिष्ठ अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने भी भारत पर टैरिफ लगाने के लिए ट्रंप की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि टैरिफ से वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच मजबूत साझेदारी बनाने के लिए दो दशकों से अधिक समय से किए जा रहे सावधानीपूर्वक कार्य को खतरा है। हमारे बीच गहरे रणनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच संबंध हैं। चिंताओं का समाधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप पारस्परिक सम्मान के साथ किया जाना चाहिए।

अफ्रीकी देश गिनी में भूस्खलन से 11 लोगों की मौत, 10 घायल

कोनाक्री , एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी की राजधानी कोनाक्री से 50 किलोमीटर दूर कोयाह प्रांत में भारी बारिश के कारण भूस्खलन में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक बयान के अनुसार भूस्खलन बुधवार रात कोयाह प्रांत के ग्रामीण क्षेत्र मानेह में हुआ। स्थानीय निवासी कोने पेपे ने बताया, ''कल शाम करीब सात बजे बारिश हो रही थी। मैंने देखा कि अचानक पहाड़ टूटकर तलहटी में बने घरों पर गिर गया। इसके मलबे में घर दफन हो गए। कोई भी जीवित नहीं बचा।'' खोज और बचाव अभियान बृहस्पतिवार देर रात तक जारी रहा। शहरी नियोजन एवं आवास मंत्री मोरी कोंडे ने घटनास्थल का दौरा किया और कहा, ''बारिश के कारण पहाड़ का एक हिस्सा ढह गया और इमारतों पर गिर गया।''

भारतीय की लापरवाही से हुई दुर्घटना, अमेरिका ने सभी विदेशी ट्रक ड्राइवरों का वीजा रोका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार ने विदेशी ट्रक ड्राइवरों को वीजा देने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने गुरुवार को इसका एलान कर दिया। दरअसल अमेरिका में एक भारतीय ट्रक ड्राइवर की लापरवाही से भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद अमेरिका में विदेशी ट्रक ड्राइवरों के खिलाफ माहौल बन गया है और इस घटना ने राजनीतिक रंग ले लिया है। मार्को रूबियो ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि तत्काल प्रभाव से कमर्शियल ट्रक ड्राइवरों को जारी होने वाले वीजा पर रोक लगाई जाती है। अमेरिका की सड़कों पर विदेशी ट्रक ड्राइवरों की संख्या बढ़ती जा रही है और ये ट्रक और ट्रेलर चालक अमेरिकी लोगों की जान खतरे में डाल रहे हैं और साथ ही अमेरिकी ट्रक चालकों की आजीविका में भी सेंध लगा रहे हैं।

भारतीय ट्रक ड्राइवर की लापरवाही से हुआ हादसा: दरअसल फ्लोरिडा के राजमार्ग पर एक भारतीय ट्रक ड्राइवर ने गलत तरीके से यू-टर्न लिया, जिससे एक कार ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। आरोपी ट्रक ड्राइवर की पहचान हरजिंदर सिंह के रूप में हुई है, जो मेक्सिको के जरिए अवैध तरीके से अमेरिका में दाखिल हुआ था। संघीय अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ट्रक ड्राइवर अंग्रेजी परीक्षण में भी असफल रहा। अमेरिका में इस मामले की काफी चर्चा हो रही है क्योंकि यह घटना फ्लोरिडा में हुई, जो सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ है। साथ ही रिपब्लिकन पार्टी का अवैध अप्रवासियों पर रुख सख्त रहा है।

मनी लॉड्रिंग मामले में घिरे ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति पुलिस ने लगाए 50 लाख डॉलर के लेनदेन के आरोप

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो मनी लॉड्रिंग मामले में घिर गए हैं। पुलिस ने उन पर मार्च 2023 और फरवरी 2024 के बीच 50 लाख डॉलर का लेनदेन करने के आरोप लगाए हैं। वहीं बोल्सोनारो ने कहा कि राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार उन्हें राजनीतिक रूप से प्रताड़ित कर रही है। बोल्सानारो एक जनवरी, 2019 से 31 दिसंबर, 2022 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रहे। उन पर तख्तापलट की साजिश करने का भी आरोप है। इस मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट के पांच न्यायाधीशों का एक पैनल सजा सुनाएगा। वे दो से 12 सितंबर के बीच अपना फैसला सुनाएंगे। अगर अटॉर्नी जनरल उन पर न्याय में बाधा डालने का आरोप लगाने का निर्णय लेते हैं तो पूर्व राष्ट्रपति को एक और मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है। बोल्सनारो पर आरोप है कि उनको 30 मिलियन से अधिक ब्राजीलियन रीसिस (5 मिलियन डॉलर) प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश बिना किसी स्पष्ट औचित्य के थे तथा उस अवधि के दौरान लगभग इतनी ही राशि के डेबिट भी प्राप्त हुए। दस्तावेजों के मुताबिक लगभग दो करोड़ रियाल (3.48 मिलियन डॉलर) कथित तौर पर पीआईएक्स नामक 12 लाख से अधिक लेनदेन से आए। बोल्सोनारो ने इस दौरान निवेश पर भी इतनी ही राशि खर्च की। दस्तावेजों से यह भी पता चला है कि पूर्व राष्ट्रपति ने वायर ट्रांसफर, जमा पर्चियों के भुगतान, निकासी और विनिमय कार्यों पर भी पैसा खर्च किया। ब्राजील पुलिस ने कहा है कि बोल्सोनारो और उनके बेटे एडुआर्डो ने वित्तीय संसाधनों के स्रोत और गंतव्य को छिपाने के लिए कई पैंतरेबाज़ी की। इसका उद्देश्य विदेश में रहने वाले सांसद (एडुआर्डो बोल्सोनारो) की अवैध प्रकृति की गतिविधियों को वित्तपोषित करना और उनका समर्थन करना था। पुलिस जांच यह भी खुलासा हुआ कि बोल्सोनारो ने पिछले साल अर्जेंटीना में राजनीतिक शरण लेने पर विचार किया था और एहतियाती उपायों के बावजूद हाल के हफ्तों में उन्होंने सहयोगियों के साथ संवाद जारी रखा, जिसके कारण अब उन्हें नजरबंद होना पड़ रहा है। मामले की देखरेख कर रहे न्यायमूर्ति एलेक्जेंडर डी मोरेस ने बुधवार देर रात बोल्सोनारो के वकीलों से कहा कि उनके पास यह बताने के लिए 48 घंटे का समय है कि पूर्व राष्ट्रपति अपने घर में नजरबंदी के आदेश के लिए निर्धारित उपायों का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं? बोल्सोनारो के वकीलों ने उस मामले में किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया। वकीलों ने कहा कि किसी भी एहतियाती उपाय का कभी भी उल्लंघन नहीं किया गया था। साथ ही वे संघीय पुलिस द्वारा उन पर औपचारिक रूप से न्याय में बाधा डालने का आरोप लगाने के निर्णय से आश्चर्यचकित हैं। बोल्सोनारो के एक वकील ने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने कभी भी अर्जेंटीना में राजनीतिक शरण लेने पर गंभीरता से विचार नहीं किया। पाउलो कुन्हा ब्यूनो ने बताया कि बोल्सोनारो को उनके खिलाफ जांच के दौरान हर तरह के सुझाव मिले। किसी ने उन्हें फरवरी 2024 में शरण का अनुरोध भेजा था। वह जा सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

सुप्रीम कोर्ट ने जब्त किया पासपोर्ट

ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने 8 फरवरी, 2024 को बोल्सोनारो का पासपोर्ट ज़ब्त कर लिया था। न्यायाधीश डी मोरेस ने सभी अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति के भाग जाने का खतरा माना जा रहा है। वहीं बोल्सोनारो ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति को दिए 33 पन्नों के एक दस्तावेज में दावा किया है कि ब्राजील में उनका राजनीतिक उत्पीड़न हो रहा है। दोनों ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक हैं। माइली के प्रवक्ता मैनुअल एडोर्नी ने कहा कि अर्जेंटीना सरकार को अभी तक कुछ भी प्राप्त नहीं हुआ है।

पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा को बड़ी राहत, शाही परिवार को बदनाम करने के मामले में किए गए बरी

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा को शाही मानहानि मामले में बड़ी राहत मिली है। पूर्व पीएम शिनावात्रा ने कहा कि शुक्रवार को एक अदालत ने उन्हें मानहानि के मामले में बरी कर दिया। उनके वकील ने भी फैसले की पुष्टि की। हालांकि बैंकॉक आपराधिक न्यायालय ने कोई बयान जारी नहीं किया है। पिछले साल पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा पर थाईलैंड की राजशाही को बदनाम करने के आरोप में औपचारिक रूप से केस दर्ज कराया गया था। जो देश की राजनीति को अस्थिर करने वाले कई अदालती मामलों में से एक है। थाकसिन पर मूल रूप से 2016 में लेसे मैजेस्टे कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था, क्योंकि उन्होंने एक साल पहले दक्षिण कोरिया के सियोल में पत्रकारों से बात करते हुए टिप्पणी की थी। हालांकि थाकसिन ने आरोपों से इनकार किया था और खुद का बचाव करते हुए एक बयान जारी किया था। थाईलैंड में राजतंत्र को बदनाम करने के लिए बनाए गए कानून के तहत किसी भी शख्स को तीन से 15 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। इस कानून को लेसे मैजेस्टे के नाम से जाना जाता है और ये दुनिया के इस तरह के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। इसी कानून के उल्लंघन के आरोप में थाकसिन पर केस दर्ज कराया गया था। 18 साल पहले थाईलैंड की राजनीति से बेदखल किए पूर्व प्रधानमंत्री थकसिन शिनावात्रा आज भी देश में एक प्रभावशाली राजनीतिक हस्ती है। दरअसल थकसिन शिनावात्रा को थाईलैंड का सबसे सफल चुना हुआ नेता माना जाता है। तख्तापलट के जरिए सत्ता से बाहर किए जाने के बाद उनपर प्रतिबंध भी लगाया गया था। वहीं थाकसिन ने पूरे मामले को राजनीति से प्रेरित बताया था।

साल 2008 में लगा था भ्रष्टाचार का आरोप

दो बार थाईलैंड के प्रधानमंत्री रह चुके थाकसिन एक अरबपति नेता हैं, जो अक्सर विवादों में घिरे रहते हैं। थाकसिन ने साल 2001 से 2006 तक थाईलैंड के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। हालांकि, साल 2006 के सैन्य तख्तापलट में उन्हें इस पद से हटा दिया गया था। साल 2008 में थाकसिन पर भ्रष्टाचार और सत्ता के पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया, जिसके बाद वह थाईलैंड छोड़कर भाग गए थे और करीब 15 साल के आत्म-निर्वासन बाद, पिछले साल अगस्त में वापस अपने देश आ गए, जिसके बाद उन्हें उनके आरोपों के लिए सजा सुनाई गई। उन्होंने अपनी सजा का पूरा समय पुलिस के अस्पताल में बिताया, जिसके बाद विरोधियों ने उन पर विशेषाधिकार होने का भी आरोप लगाया है। थाकसिन को अगस्त 2023 में भ्रष्टाचार के आरोप में आठ साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन कुछ दिनों बाद ही थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न ने शाही माफी दे दी, जिसके बाद उनकी सजा आठ साल से घटाकर एक साल कर दी गई थी।

पूर्व पीएम इमरान खान का भांजा लाहौर से अगवा

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में इन दिनों सियासी पारा अपने चरम पर है। कारण है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने उनके भांजे शाहरेज खान को अगवा किए जाने का आरोप लगाया है।शाहरेज, इमरान की बहन अलीमा खान के बेटे हैं। पार्टी के वकील राणा मुदस्सर उमर ने बताया कि अब तक किसी भी केस में शाहरेज का नाम नहीं आया है और न ही वे राजनीति से जुड़े हैं। गुरुवार को उन्होंने अपने आरोप में कहा कि शाहरेज खान को लाहौर स्थित उनके घर से सादे कपड़े पहनकर आए लोगों ने अगवा कर लिया। पार्टी के मुताबिक शाहरेज ऑस्ट्रेलिया की एक बड़ी लिनेन कंपनी के रीजनल हेड और ट्रायथलीट हैं। उन्हें घर से जबरन उठाया गया। घरेलू सहायकों के साथ मारपीट हुई और शाहरेज को उनके दो बच्चों के सामने प्रताड़ित भी किया गया। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि एक दिन पहले उन्हें अपनी पत्नी के साथ लाहौर एयरपोर्ट से यात्रा करने से रोका गया था। उन्हें जबरन फ्लाइट से उतार दिया गया था।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने की घटना की निंदा : इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने शाहरेज की तत्काल रिहाई की मांग की। इमरान की बहन अलीमा खान देश की सेना और अधिकारियों की आलोचना के लिए अक्सर सुर्खियों में रही हैं। बता दें कि इमरान खान बीते करीब दो साल से (अगस्त, 2023 से) जेल में बंद हैं। उन्होंने अपनी पार्टी से कहा था कि जेल में उनके साथ कुछ भी गलत होने पर सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को जवाबदेह ठहराया जाए। गौरतलब है कि गुरुवार को ही देश की सुप्रीम कोर्ट ने 9 मई को हुई हिंसा से जुड़े आठ मामलों में इमरान खान को जमानत देने का फैसला भी सुनाया।

एनआरआई उद्योगपति लॉर्ड स्वराज पॉल का लंदन में निधन

94 की उम्र में ली अंतिम सांस

लंदन, एजेंसी। प्रमुख एनआरआई उद्योगपति लॉर्ड स्वराज पॉल का बृहस्पतिवार शाम (स्थानीय समयानुसार) लंदन में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, वह 94 साल के थे। हाल ही में बीमार पड़ने के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में अंतिम सांस ली। ब्रिटेन स्थित कैपारो ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के संस्थापक पॉल का जन्म पंजाब के जालंधर में हुआ था। 1960 के दशक में वह अपनी छोटी बेटी अंबिका के कैंसर के इलाज के लिए ब्रिटेन गए थे। लेकिन बेटी की चार साल की उम्र में मृत्यु हो गई, जिसके बाद पॉल ने एक धर्मार्थ ट्रस्ट के रूप में अंबिका पॉल फाउंडेशन की स्थापना की। इस संस्था ने शिक्षा और स्वास्थ्य पहलों के माध्यम से दुनिया भर के बच्चों और युवाओं के कल्याण के लिए लाखों डॉलर का दान किया।

2015 में बेटा और 2022 में पत्नी को खोया

पिछले महीने लंदन के अंबिका पॉल चिल्ड्रन्स जू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान लॉर्ड पॉल ने कहा था कि यह वह जगह है, जहां अंबिका सबसे ज्यादा खुश रहती थीं। लॉर्ड पॉल ने अपने जीवन में बहुत दुख देखे। उन्होंने 2015 में अपने बेटे अंगद पॉल को खोया और 2022 में पत्नी अरुणा को। उनकी याद में वे लगातार परोपकारी काम करते रहते थे।

पत्नी की याद में लेडी अरुणा स्वराज पॉल हॉल का किया था उद्घाटन

फरवरी 2023 में, लंदन के ऐतिहासिक इंडियन जिमखाना क्लब में लेडी अरुणा स्वराज पॉल हॉल का उद्घाटन करते हुए लॉर्ड पॉल ने कहा, यह हॉल मेरी अद्भुत पत्नी को श्रद्धांजलि है। मुझे उनकी बहुत याद आती है। हमारे 65 साल के वैवाहिक जीवन में हमने कभी झगड़ा नहीं किया।

संडे टाइम्स रिच लिस्ट में नियमित शामिल होते रहे हैं लॉर्ड पॉल

लॉर्ड पॉल संडे टाइम्स रिच लिस्ट में नियमित रूप से शामिल होते रहे हैं। इस साल उनकी संपत्ति लगभग 2 बिलियन पाउंड आंकी गई और उन्हें 81वें स्थान पर रखा गया। उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा बहुराष्ट्रीय कंपनी कैपारो समूह से आता है, जो स्टील और इंजीनियरिंग का बड़ा बिजनेस है। कैपारो समूह का मुख्यालय लंदन में है और यह 40 से ज्यादा जगहों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करता है, जिसका संचालन यूके, उत्तरी अमेरिका, भारत और मध्य पूर्व में स्थित है। उनके बेटे आकाश पॉल कैपारो इंडिया के अध्यक्ष और कैपारो समूह के निदेशक हैं।

कराची में गोदाम में धमाके से दो की मौत, 33 घायल

पटाखों के कच्चे माल से हुआ बड़ा हादसा

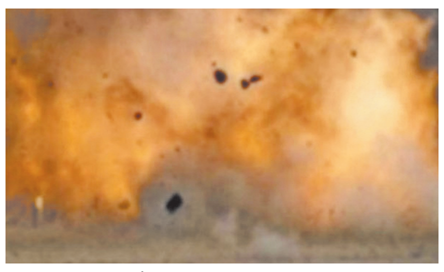

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां कराची के भीड़भाड़ वाले इलाके में स्थित ताज मेडिकल कॉम्प्लेक्स के पास गुरुवार को एक गोदाम में जोरदार धमाका हो गया। हादसे में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है और 33 लोग घायल हुए हैं। मामले में पाकिस्तान की आधिकारिक बहु-खतरा आपातकालीन सेवा रेस्क्यू 1122 के मुताबिक, धमाका एक तीन मंजिला इमारत के बेसमेंट में हुआ जहां पटाखे बनाने का कच्चा माल रखा गया था। ऊपर की मंजिलों पर परिवार रहते थे। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने और फिर ज्वलनशील पदार्थ की वजह से धमाका होने की बात सामने आई है। बता दें कि हादसे में 20 घायल जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर में भर्ती हैं, जिनमें 2 की हालत नाजुक है। 14 घायल सिविल अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में हैं। बाद में घटनास्थल से 16 साल के एक लड़के की लाश मिली और एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

सीटीडी ने बताया विस्फोटक

वहीं इस धमाका को लेकर काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के अधिकारी राजा उमर खताब ने बताया कि वहां केवल पटाखों का नहीं बल्कि भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी गई थी। उन्होंने कहा कि इस इलाके से पहले भी दो टन विस्फोटक बरामद हो चुका है। अधिकारियों के अनुसार, सिंध में पटाखों की कोई वैध फैक्ट्री नहीं है और यह गोदाम अवैध रूप से रिहायशी इलाके में चल रहा था। धमाके से इमारत को भारी नुकसान हुआ, आसपास की गाड़ियों पर कंक्रीट के टुकड़े गिर गए और आसपास की खिड़कियां भी टूट गईं। आग बुझाने के लिए 12 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लगाई गईं। वहीं मामले में मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने सभी घायलों को तुरंत इलाज दिलाने के निर्देश दिए और घटना की विस्तृत रिपोर्ट मांगी।

हेल्थ प्लस

नियम से ही भोजन करें

● प्रातः का नाश्ता भारी, दिन का खाना सही और रात को हल्का भोजन करना चाहिए।

● यदि दिन का भोजन रात्रि तक पचा हुआ महसूस न हो तो ऐसे में रात्रि में केवल खिचड़ी या फल और दूध लें।

● भोजन करने से पहले अच्छी तरह हाथ, मुंह धोकर भोजन करें।

● जब भूख जोर से लगी हो, उस समय खाली जल पीना भी नुक्सान पहुंचाता है। ऐसे में यदि खाना उपलब्ध होने में देर लगे तो एक बिस्कुट के साथ एक गिलास पानी पी लें।

● प्रयास करें कि भोजन नियमित समय पर ही खाएं।

● दोपहर के भोजन में दही, मट्ठा और लस्सी लेना उचित है। रात्रि के भोजन में इन चीजों से परहेज करना चाहिए।

● बासी और जला हुआ खाना स्वास्थ्य को लाभ के स्थान पर हानि पहुंचाता है। ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति उत्तम माना जाता है।

● भोजन शांत मन से बनाएं, खिलाएं और खाएं। भोजनोपरांत क्रोध करना स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालता है।

● अपने पेट को 'डस्टबिन' समझ कर उसमें सब कुछ मत ठूंसें। भूख से कम भोजन खाना चाहिए।

● रात्रि का भोजन कम से कम सोने से 2 घंटे पूर्व करें। दिल के मरीजों को भोजन के बाद टहलना नहीं चाहिए।

● भोजन के बीच में थोड़ा पानी पिएं। भोजनोपरांत पानी मत पिएं। कम से कम एक घंटे बाद पानी का सेवन करें।

● भोजन चबा कर खाना चाहिए। शीघ्र भोजन करना शरीर में अपच पैदा करता है।

● जहां भोजन खा रहे हैं, ध्यान रखें, वह स्थान स्वच्छ होना चाहिए।

● प्रयास करें कि टी.वी. देखते समय भोजन न खाएं क्योंकि भोजन की अधिक मात्रा शरीर में चली जाती है।

● भोजन के तुरंत पश्चात व्यायाम न करें।

मेथीदाना छोटा मत समझो

■ मेथीदाने में आयरन भरपूर मात्रा में होता है। इससे खून की कमी से लड़ा जा सकता है।

■ मेथीदाने को पानी में उबाल कर गरारे करें। खराब गला ठीक हो जाएगा।

■ दो चम्मच मेथीदाने को एक कप चावल के साथ पकाएं और हल्का नमक मिला कर 15 दिन तक खाएं। इससे शरीर में खून की कमी में सुधार होगा।

■ 2 चम्मच मेथीदाने के पाऊडर को रोज दूध के साथ 1 महीने तक खाएं। शूगर की बीमारी के शुरूआती दिनों में आराम मिलेगा।

■ लिवर खराब होने पर मेथीदाने को अंकुरित करें और रोज सुबह नाश्ते में खाएं।

■ 2 चम्मच मेथीदाने को नारियल पानी या छाछ में कुछ घंटे भिगो कर रखें। इसे पीने से पेचिश में आराम मिलता है।

■ अल्सर या छाला होने पर मेथीदाने को पीस कर पेस्ट बनाएं और छालों पर लगाएं।

■ स्तनपान कराने वाली माएं आधा चम्मच मेथीदाने के पाऊडर को दलिए में मिला कर खाएं। इससे बच्चे को दूध की मात्रा अधिक मिलेगी।

अमृतफल है आंवला

आंवला खूबसूरती में चार चांद लगाता है। इससे ढीली पड़ती त्वचा में कसाव आता है और झुर्रियां भी नहीं पड़ती।

■ कब्ज होने पर 1 चम्मच सूखा आंवला पानी में भिगोएं और सुबह छान कर उसमें शहद मिलाकर पिएं।

■ यूरीन की समस्या से ग्रस्त होने पर 2 चम्मच सूखा आंवला और किशमिश पानी में भिगोएं। अगले दिन उसको मसल कर छान लें, फिर उस पानी को पिएं। कुछ दिनों तक इसका सेवन करने से समस्या में आराम मिलता है।

■ सिर दर्द या सिर के भारी होने पर ताजे आंवले को पीस कर उसका पेस्ट सिर पर लगाएं। दर्द में आराम मिलेगा।

■ मुंह में छाले होने पर आंवले की छाल पीस कर पाऊडर बना लें। उसमें शहद मिलाकर छालों पर लगाएं।

■ त्वचा की समस्या होने पर आंवले का पाऊडर साबुन की जगह इस्तेमाल करें।

■ याददाश्त कम होने पर 1 छोटा चम्मच सफेद तिल और 1 चम्मच आंवले की जड़ का पाऊडर बराबर मात्रा में मिलाएं। इस मिश्रण को 1 चम्मच शहद के साथ कुछ समय तक खाएं। स्मरण शक्ति में लाभ मिलेगा।

स्वस्थ रहें

ब्लड प्रैशर, डायबिटीज, हृदयरोग, पेट संबंधी रोग आजकल आम होते जा रहे हैं। शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा मिलेगा जो किसी न किसी रोग से ग्रस्त न हो।

आजकल का रहन-सहन, उलटा-सीधा खाना, पदार्थों में मिलावट, समय से न खाना आदि अनेक कारणों से भी रोग हो रहे हैं।

रोग होने पर इलाज कराना जरूरी है। इलाज के लिए डाक्टर के पास जाएं। हम अगर कुछ बातों पर ध्यान दें तो काफी हद तक रोग को दूर रख सकते हैं :

■ रोज सुबह घूमने जाएं। योग या अन्य व्यायाम नियमित करना हितकर है।

■ खाना समय पर ही खाएं। बाजार की तेज मसाले वाली और बासी चीजें खाने से बचें। हर समय मुंह न चलाते रहें।

■ पैदल चलने की आदत डालें। कम दूरी के लिए स्कूटर या अन्य वाहन का सहारा लेना सही नहीं है।

■ खाने में हरी सब्जियों का प्रयोग ज्यादा करें। चिकनाई व कोलैस्ट्रॉल बढ़ाने वाली चीजें कम खाएं।

■ मौसम के अनुसार फलों का सेवन जरूर करें।

■ खाने के साथ सलाद लेने की आदत डालें।

■ संयम, संतुलित आहार, शारिरिक श्रम से हम काफी हद तक बीमारियों को अपने से दूर रख सकते हैं।

■ व्यायाम के साथ-साथ पौष्टिकता से भरपूर भोजन लेने से आपका शरीर स्वस्थ, सुन्दर एवं आकर्षक लगने लगेगा।

■ खाने-पीने की आदतों में सुधार लाएं।

सेहत के लिए वरदान हैं पत्तियां

प्राचीन काल से पेड़-पौधे मानव जीवन का महत्वपूर्ण अंग रहे हैं। पेड़ों के फल व फूल जहां मानव का पेट भरने व मानसिक शांति प्रदान करने में सहायक हैं, वहीं पत्तियों की भी हमारे जीवन में विशेष भूमिका है। ये मानव के स्वास्थ के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। अधिकांश लोग इस बात से अपरिचित हैं कि पत्तियों का प्रयोग औषधि के रूप में भी किया जाता है।

● नीम की पत्तियों से साबुन व टूथपेस्ट बनाए जाते हैं। इसकी पत्तियों को पानी में उबालकर उस पानी से नहाने से खुजली आदि में आराम मिलता है। नीम की पत्तियों को सुबह चबा कर खाने से खून साफ होता है व कील-मुंहासे नहीं निकलते हैं। झाइयां व दाग-धब्बे दूर करने में नीम की पत्तियों का लेप लाभप्रद है।

● मुंह के छाले होने पर मेहंदी के पत्ते को पानी में उबालकर उस पानी से गरारे करें। इसके पत्तों को पीस कर सिर पर मलने से सिरदर्द व आंखों की जलन में राहत मिलती है।

● पालक के पत्ते पेट को साफ रखने में सहायक हैं। इसके पानी से गरारे करने से गले के दर्द में आराम मिलता है। पालक के पत्तों में मौजूद कैल्शियम दांतों व मसूड़ों को मजबूत बनाता है। इसके नियमित प्रयोग से कब्ज की बीमारी से मुक्ति मिलती है। पालक में विटामिन-ए विशेष मात्रा में होता है। इससे आंखों की ज्योति बढ़ती है।

● पेचिश रोग होने पर अमरूद के पत्तों का रस उबाल कर पिएं।

● दांत के दर्द में अमरूद की पत्तियां चबाने से आराम मिलता है।

● नेत्र-ज्योति में वृद्धि करने हेतु बंदगोभी के पत्तों को सलाद के रूप में नियमित प्रयोग करें।

● मूली के पत्तों का रस पथरी रोग में लाभप्रद है।

● सिरदर्द होने पर हरे धनिये के पत्तों का रस नाक में टपकायें।

● नींबू के रस में मेथी के पत्तों को पीसकर बालों में लगाने से बाल घने, काले व मुलायम हो जाएंगे।

● तुलसी की 2-3 पत्तियों को प्रतिदिन खाली पेट खाने से स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है। शहद के साथ तुलसी के पत्ते खाने से खांसी दूर होती है।

● बुखार व बदन दर्द में इसके पत्तों का काढ़ा बना कर पिएं।

● पान के पत्ते पर घी लगाकर जख्म को सेकने से उसमें मवाद आसानी से निकल जाता है।

● आम की पत्तियों में फ्लोराइड होता है अतः इन्हें चबाने से दांत चमकदार व मजबूत रहते हैं।

● करेले के पत्तों का रस पेट के कीड़ों को नष्ट करता है।

● गुर्दे के दर्द में अंगूर के पत्तों का रस थोड़े से पानी में उबालकर काले नमक के साथ पिएं।

सुबह की सैर

सुबह की सैर एक उत्तम व्यायाम है। इससे शरीर की समस्त इंद्रियां चुस्त-दुरूस्त रहती हैं। सैर करने से शरीर की अनावश्यक चर्बी घटती जाती है और बदन सुडौल व स्वस्थ बना रहता है। सैर हमेशा शौचादि क्रिया से निवृत्त होकर करनी चाहिए। जहां तक संभव हो हरियाली वाले क्षेत्र यानी बाग-बगीचे में ही सैर करें। हरी घास पर नंगे पैर चलने से आंखों की ज्योति बढ़ती है। घुटनों में जकड़न या दर्द हो, आर्थराइटिस या गठिया रोग हो तो नियमित रूप से सैर करने से पीड़ित व्यक्ति को फायदा पहुंचता है। जो लोग हृदय रोग के शिकार हैं उनके लिए पैदल चलना सबसे अच्छा व्यायाम है। उन्हें साधारण गति से पैदल चलना चाहिए। इससे हृदय की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और हृदय सुचारू रूप से कार्य करता है। सुबह की सैर से पाचन तंत्र ठीक रहता है। पेट संबंधी रोग व स्वास्थ्य की दुश्मन कब्ज भी दूर होती है। नियमित सैर करने से शरीर की ही नहीं दिमाग की कार्यकुशलता भी बढ़ती है। सैर करते समय तंग कपड़े नहीं पहनने चाहिएं और न ही सैंडिल या तंग जूते। बीमार व्यक्ति को सैर नहीं करनी चाहिए। पैदल चलने से ऊर्जा नष्ट होती है जिससे बीमार व्यक्ति और सैर नहीं करनी चाहिए। पैदल चलने से ऊर्जा नष्ट होती है जिससे बीमार व्यक्ति और अधिक थक जाता है। इससे उसके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 2565

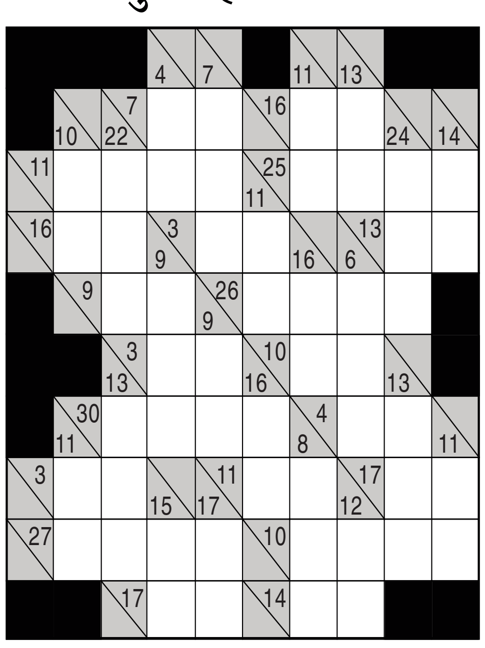

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

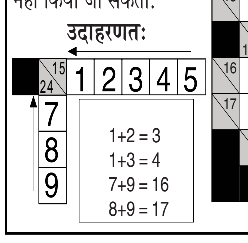

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2564 का हल

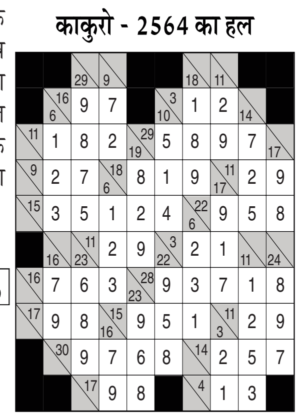

लॉफिंग ज़ोन

भिखारी - भगवान के लिए भिखारी को कुछ दे दो बाबा.

राहगीर - भीख तो दे दूं, पर कैसे मानूं कि तुम अंधे हो?

भिखारी - साहब, क्या सामने वाले लाल मकान के पीछे नीले मकान की छत पर बैठा सफेद कबूतर आपको दिख रहा है.

राहगीर - हां, मुझे तो दिख रहा है.

भिखारी - लेकिन वह कबूतर मुझे दिखाई नहीं दे रहा है.

☺ ☺ ☺

दो पड़ोसियों में किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया. मामले ने तूल पकड़ा और दोनों ओर से पथराव और मारपीट के पश्चात बंदूकें तन गयी. मोहल्ले वालों की तमाम कोशिशों के बावजूद कोई नहीं रुका.

तभी एक आदमी दोनों पक्षों के बीच में कूद पड़ा और बोला- अगर तुम लोगों को गोली ही चलानी है, तो मुझ पर चलाओ, मुझे मार डालो.

फौरन दोनों पक्षों की बंदूकें नीची हो गयी. बाद में पता चला-बीच में कूदने वाला व्यक्ति दोनों पक्षों का कर्जदार है.

☺ ☺ ☺

रमेश (मुकेश से) - 'इस महंगाई के जमाने में गरीब आदमी क्या सोचता है?'

मुकेश (रमेश से) - शादीशुदा नहीं है तो शादी के बारे में. शादीशुदा है तो मौत के बारे में.'

फिल्म वर्ग पहेली - 2565

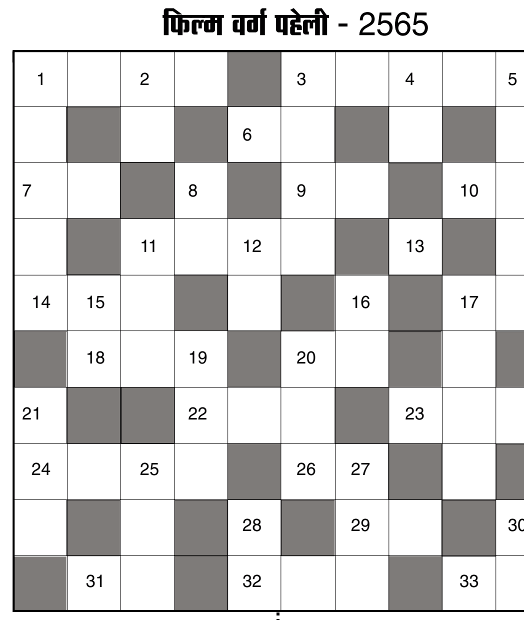

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2564

बं	दि	नी		पु		गैं	ब	ल	र
ध		ल	ल	का	र		हा		वी
न	सी	म		र		प	र	वा	ना
	मा		श		सु	र		सु	
आ		आ	शि	क		दे	वी		ह
ह	मे	शा		ह	व	स		स	त्या
	ला		आ	र	जू		खे	ल	
बे		ला	वा		द	स		मा	या
खु			रा	जू		फ	र्ज		रा
दी	वा	ने		ली	ड	र		टी	ना

सूडोकु - 2565

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2564 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 2565

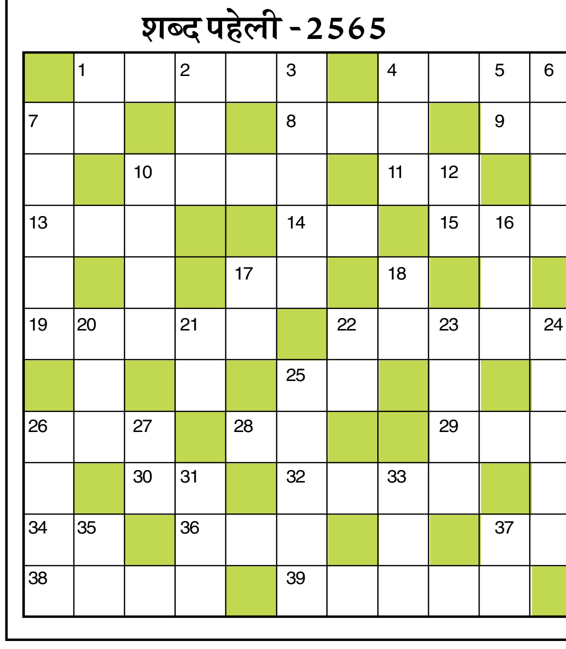

बाएँ से दाएँ

1. दयालु.उदार-5
4. गगन,आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा,गाऊन-3
9. छुट्टी,अवकाश-2
10. आबे हयात,काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना,भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत,बल-3
17. कारागार-2
19. रइसे आजम,सूरी-5
22. दुत्कारना,डांटना-5
25. सराबोर-2
26. भोर,सवेरा-3
28. मूल्य,कीमत-2
29. महीन,बहुत छोटा-3
30. फूंक,दम,सुट्टा -2
32. झंकार,प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता,ज्वर-2
36. ओट,चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर,सना हुआ-4
39. निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. कैदी,बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत,तैरता होटल-5
4. उर्दू में अभिवादन-3
5. पिटाई,चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली,रिक्त-2
16. लाईन,पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. उदर-2
20. दीनहीन,दरिद्र-3
21. लश्कर,फौज-2
22. नष्ट,अद्वैतभाव-2
23. व्यवसाय,धंधा-4
24. नाम रखना -2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा,अभिलाषा-3
35. राह,मार्ग-2
37. टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -2564 का हल

	खा	दि	म				र	ह	ना	
दा	द		हा	ति	म	ता	ई		क	प
न			न	ल		र	स			ना
व	च	न		स्म	र	ण		व	रा	ह
	क	ल	म		ण		नी	र	ज	
	ना		री	स		जा	ल		कु	
	चू	स	ना		प		म	हि	मा	
च	र	खा		ग	रि	मा		ना	र	द
र			त	म		य	म			ली
म	स्त		स	ला	ह	का	र		क	ल
	र	सी	ला				जी	तें	द्र	

अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस के प्रतिनिधियों को दिया गया विशेषाधिकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (आईबीसीए), इसके प्रतिनिधियों और अधिकारियों को विशेषाधिकार और उन्मुक्ति प्रदान की है। यह विशेषाधिकार एवं उन्मुक्ति संयुक्त राष्ट्र (विशेषाधिकार और उन्मुक्ति) अधिनियम, 1947 के तहत राजपत्र अधिसूचना जारी करके दी गई है।केंद्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कदम बिग कैट्स (जैसे शेर, बाघ, चीता आदि) के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह कदम बिग कैट्स के संरक्षण को बढ़ावा देगा, जो उनके पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा के लिए जरूरी है। आईबीसीए अब वैश्विक स्तर पर बिग कैट्स के संरक्षण के लिए सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने में सक्षम होगा। उल्लेखनीय है कि आईबीसीए जनवरी में एक पूर्ण संधि-आधारित अंतर-सरकारी संगठन और वैश्विक कानूनी इकाई के रूप में लागू हुआ था, जिसका मुख्यालय दिल्ली में है। अब तक 35 देशों ने आईबीसीए में शामिल होने के लिए सहमति व्यक्त की है, जिनमें से 12 ने संधि पर हस्ताक्षर किए हैं और तीन ने पर्यवेक्षक का दर्जा चुना है। इस गठबंधन की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 अप्रैल, 2023 को भारत में प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की थी।

भारत की सीमा सुरक्षा के लिए सशक्त नीति महत्वपूर्ण: किरेन रिजिजू

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तर परिषद स्थित शंकर लाल हॉल में सीमा जागरण मंच (दिल्ली), मोतीलाल नेहरू कॉलेज सांध्य तथा सीआईपीएस के संयुक्त तत्वावधान में सीमा-पार से घुसपैठ: सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिवेश पर प्रभाव' विषय पर आयोजित हो रहे दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। समापन समारोह के अवसर पर केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं सीमावर्ती क्षेत्र से आता हूं, देश में अधिकांश लोग सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्याएं नहीं समझते हैं। भारत को वर्षों तक विदेशी आक्रांताओं की गुलामी सहनी पड़ी, पुरानी गलतियों पर ध्यान देकर अपनी नीतियों को मजबूती से सुधारना होगा। उन्होंने बताया कि 2014 से पूर्व सीमावर्ती क्षेत्र में जाने पर यह लगता था कि दूसरे देशों के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुविधाएं तो थीं, लेकिन हमारे देश की ओर से नहीं थीं।उन्होंने कहा कि देश के सीमावर्ती गांवों में लोगों ने सड़क, बिजली, नेटवर्क के बारे में सोचना छोड़ दिया था, 2018 में कई सुदूरवर्ती गांवों में बुनियादी सुविधाएं पहुंची। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में सीमावर्ती क्षेत्रों में सुविधाओं तथा विकास की दृष्टि से सकारात्मक परिवर्तन आया है, पहले यह संभव नहीं था। हिंदुस्तान अब हिम्मत के साथ अपनी जमीन के आखिरी इंच तक पहुंच रहा है। रिजिजू ने कहा कि जो देश राष्ट्रीय हित से समझौता करते हैं, उनका भविष्य सुरक्षित नहीं रहता। सीमा जागरण मंच देश की सेवा में बढ़-चढ़कर कार्य करने वाला संगठन है। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू, हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय सहित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के 174 शोधार्थियों तथा श्याम मिश्रा जैसे छात्रों ने घुसपैठ की समस्या से जुड़े विभिन्न विषयों पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए। यह सम्मेलन बहु-विषयक, बहु-क्षेत्रीय संवाद के लिए विद्वानों, नीति-निर्माताओं और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक साथ लाने में सफल रहा। कार्यक्रम में कुल 600 लोगों ने प्रतिभाग किया। सीमा-विमर्श सम्मेलन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में सम्मिलित हुए केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा के क्षेत्र में सीमा जागरण मंच ने अनगिनत क्रांतिकारी और दूरगामी कार्य किए हैं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जापान के ऐतिहासिक असाकुसा मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जापान के दौरे पर पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री साय ने यहां पहुंचने के बाद सबसे पहले जापान की राजधानी टोक्यो में स्थित ऐतिहासिक असाकुसा मंदिर के दर्शन कर पूजा अर्चना की है। यह टोक्यो का सबसे प्राचीन और प्रतिष्ठित मंदिर शांति और सामर्थ्य का प्रतीक माना जाता है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री साय ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की खुशहाली, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। उन्होंने कहा कि यह मंदिर मानवता को शांति और शक्ति का संदेश देता है और यही भाव छत्तीसगढ़ की जनता की आकांक्षाओं में भी झलकता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईपीओ), भारत सरकार के आमंत्रण पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान और दक्षिण कोरिया के दौरे पर है। इस ग्लोबल आउटरीच मिशन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थापित करना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए अवसरों को तलाशना है।

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने की जेपी नड्डा से मुलाकात

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की। इससे पहले राधाकृष्णन ने केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी के आवास पर राजग के कई सांसदों के साथ बैठक की। इसमें भाजपा सांसद कंगना रनौत, रेखा शर्मा, किरण चौधरी और कमलजीत सहरावत शामिल थे।

अकाली नेता बिक्रमजीत मजीठिया के विरूद्ध 40 हजार पन्नों की चार्जशीट पेश

चंडीगढ़। आय से अधिक संपत्ति के मामले में जेल में बंद अकाली नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया के विरूद्ध पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने मोहाली की अदालत में चार्जशीट फाइल कर दी है। बिक्रम मजीठिया को 25 जून को अमृतसर से गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वे न्यू नाभा जेल में बंद हैं। पेश की गई चार्जशीट में विजिलेंस ब्यूरो ने इस केस में 200 से ज्यादा गवाह बनाए हैं और 400 से अधिक बैंक खातों की जांच की है। मजीठिया के विरूद्ध चार्जशीट 40 हजार से अधिक पन्नों की है, जिसे चार ट्रंकों में अदालत तक लाया गया। अकाली दल का कहना है कि चालान अदालत में पेश होने के बाद ही उसका अध्ययन किया जाएगा। विजिलेंस ने पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, यूपी और दिल्ली में 15 ठिकानों की जांच के बाद चार्जशीट तैयार की है। चार्जशीट में कई अकाली और बीजेपी नेताओं के भी बयान दर्ज हैं।

हरकी पैड़ी की गंगा आरती को ऑक्सफोर्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में मिला स्थान

हरिद्वार। हरकी पैड़ी पर 109 वर्षों से निरंतर आयोजित होने वाली गंगा आरती को ऑक्सफोर्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। हरकी पैड़ी स्थित गंगा सभा कार्यालय में ऑक्सफोर्ड बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स के भारत में प्रतिनिधि और संरक्षक सुरेश मिश्रा ने एक आयोजन में श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम और महामंत्री तन्मय वशिष्ठ तथा अन्य पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। सुरेश मिश्रा ने बताया कि जून 2026 में लंदन स्थित ऑक्सफोर्ड यूनियन कार्यालय में भव्य समारोह में श्री गंगा सभा के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर विधिवत् रूप से सम्मानित किया जाएगा और इस अलंकरण से नवाजा जाएगा। श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने बताया कि यह श्री गंगा सभा, हरिद्वार तथा उत्तराखंड के लोगों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। गंगा सभा इस सम्मान से गौरवान्वित महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि गंगा सभा भविष्य में भी इससे बड़े सम्मान अपने काम को लेकर प्राप्त करेगी ऐसी उन्हें उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि हर की पैड़ी की प्रबंधकारिणी तीर्थ पुरोहितों की संस्था श्री गंगा सभा 1916 से लगातार हरकी पैड़ी पर गंगा आरती का आयोजन कर रही है। कोरोना काल में भी प्रतिदिन गंगा आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उज्जवल पंडित, सिद्धार्थ चक्रपाणी, डॉ. राजेंद्र पराशर आदि मौजूद रहे।

ममता के बयान पर शुभेंदु का पलटवार, कहा- मेट्रो परियोजनाओं में आपका योगदान शून्य

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मेट्रो परियोजनाओं को लेकर करारा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी का योगदान एक बड़ा शून्य है और बंगाल को झूठे दावों से नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी की दृष्टि और कार्यशैली से वास्तविक विकास मिल रहा है। भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया एक्स पर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अब उन योजनाओं का श्रेय लेने की कोशिश कर रही हैं, जिन्हें उनके कार्यकाल में ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। रेल मंत्री रहते ममता बनर्जी ने कुछ परियोजनाओं के ब्लूप्रिंट जरूर तैयार कराए थे, लेकिन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) शासन के भ्रष्टाचार और देरी के कारण वे वर्षों तक रुकी रहीं। आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद भी राज्य सरकार की ओर से लगातार गैर-सहयोग और भूमि अधिग्रहण में विफलता ने इन परियोजनाओं को और अधिक लटका दिया। नेता प्रतिपक्ष ने विशेष तौर पर सियालदह-एस्प्लानेड खंड और न्यू गड़िया-एयरपोर्ट मेट्रो कॉरिडोर (ऑरेंज लाइन) का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार की वजह से बार-बार रुकावट आई। आरोप लगाया कि चिंगरिघाटा जंक्शन पर वायाडक्ट निर्माण के लिए सभी इंतजाम होने के बावजूद पश्चिम बंगाल सरकार से एनओसी महीनों से लंबित है, जबकि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के व्यक्तिगत पत्र के बावजूद मंजूरी नहीं मिली। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मेट्रो परियोजनाओं को गति मिली है। उनके अनुसार, यूपीए काल में पश्चिम बंगाल को औसतन 4,380 करोड़ की रेलवे फंडिंग मिलती थी, जो अब बढ़कर 13,955 करोड़ हो गई है। वर्तमान में राज्य में 83,765 करोड़ की परियोजनाओं पर काम चल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी कोलकाता को विश्व स्तरीय मेट्रो कनेक्टिविटी दे रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केवल बहानेबाजी और उद्घाटन कार्यक्रमों के बहिष्कार तक सीमित रह गई हैं।

मप्र श्रम विभाग और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के बीच हुआ अहम समझौता, स्वास्थ्य प्रणालियां बनेंगी सुदृढ़

एजेंसी

भोपाल। श्रमिकों के कल्याण, शिक्षा और सामाजिक सहभागिता को बढ़ाने की दिशा में मध्य प्रदेश श्रम विभाग और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर भोपाल स्थित मंत्रालय में हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर सचिव श्रम विभाग रघुराज राजेंद्रन, यूएनएफपीए भूटान प्रतिनिधि एंड्रिया एम. वोज्नार आदि उपस्थित थी। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य किशोरों और युवाओं के कल्याण को बढ़ावा देने और उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन कौशल में सुधार करने के लिए सहयोग करना है। समझौता ज्ञापन के अनुसार दोनों पक्ष किशोरों और युवाओं के कल्याण को सुदृढ़ करने के अवसरों की पहचान करने के लिए श्रम विभाग के अंतर्गत मौजूदा संचालित श्रमोदय विद्यालय और आईटीआई सहित अन्य कार्यक्रमों और योजनाओं का संयुक्त रूप से मानचित्रण और मूल्यांकन करने पर सहमत हैं। निष्कर्षों के आधार पर, यूएनएफपीए सबसे कमजोर आबादी तक पहुँचने के उद्देश्य से एक व्यापक, साक्ष्य-आधारित प्रस्ताव विकसित करने में विभाग का समर्थन करेगा। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष और मध्य प्रदेश सरकार का श्रम विभाग किशोरों और युवाओं के कल्याण को बढ़ावा देने और उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन कौशल में सुधार करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों पक्षों ने इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से किशोरों और युवाओं के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

समझौता ज्ञापन के प्रमुख बिंदु

- किशोरों और युवाओं के लिए स्वास्थ्य और कल्याण शिक्षा सत्र आयोजित करने के लिए क्षमता निर्माण करना।
- स्कूलों में सामाजिक स्वास्थ्य क्लब लागू करना और इसे सह-संस्थागत बनाना।
- किशोरों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों की मदद लेना।
- मानसिक स्वास्थ्य और मनो-सामाजिक सहायता प्रणालियों को बढ़ाने के लिए समर्थन।

चंद्रबाबू नायडू ने उपराष्ट्रपति के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का किया समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का समर्थन किया। उन्होंने टीडीपी सांसदों संग नई दिल्ली में सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार हैं। तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी) एनडीए में शामिल हैं तो कैसे इनके उम्मीदवारों का समर्थन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी तेलुगु समुदाय के लिए है। यह एक अलग मुद्दा है। हम गठबंधन में हैं। हमारी पार्टी की विश्वसनीयता है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने पांच दशकों से लोगों का भरोसा जीता है। सीपी राधाकृष्णन सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार हैं, जिनका सभी को समर्थन करना चाहिए। एनडीए के पास बहुमत है। उपराष्ट्रपति का बहुत सम्मानजनक पद है। विपक्ष को एनडीए के उम्मीदवार का समर्थन करना चाहिए था। उनके पास तो बहुमत भी नहीं है।

विपक्ष की यही राजनीति है, लेकिन हम यहां राजनीति नहीं कर रहे हैं। हमारे पास बहुमत है, हम आराम से जीतने जा रहे हैं। इससे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के वित्त मंत्री पय्यावुला केसव, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु रामोहन नायडू और सांसद लावु कृष्ण देवरायलु के साथ व्यापार भवन में 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया से मुलाकात की।

मिजोरम में 75 करोड़ की मेथ बरामद, आठ तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

आइजोल (मिजोरम)। मिजोरम में नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्पाद एवं आबकारी विभाग ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और सीमा सुरक्षा बल की 191 बटालियन की मदद से 75 करोड़ की मेथामफेटामाइन और हेरोइन बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्रवाई नेशनल हाईवे-06 पर की गई। अधिकारियों के अनुसार, केइफांग और सेलिंग के बीच तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें दो ट्रकों के विशेष रूप से बने गुप्त खांचों से 49.101 किलो मेथामफेटामाइन और 36 ग्राम हेरोइन मिली। यह खेप म्यांमार से लाई गई थी और आगे तस्करी की योजना थी। इस दौरान 8 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें जोरमसियामा (25), लालरुआटकिमा (42), नांगलामथांगा (20), डेविड लालह्माच्हुआना (28), टी. चाटुआनवनलालंघाका (29), लालरामथारा (27), ह्मांगाइहजाउआ (38) और लालराम्मुआना (29) शामिल हैं। साथ ही दो ट्रक, एक रेनॉल्ट डस्टर और एक महिंद्रा बोलेरो वाहन जब्त किए गए। अधिकारियों ने इसे राज्य के इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी मेथ बरामदगी बताया। उन्होंने चिंता जताई कि मिजोरम तेजी से नशा तस्करी का ट्रांजिट हब बनता जा रहा है। सभी आरोपितों पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांसेस एक्ट, 1985 के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसके तहत दोषी पाए जाने पर 10 से 20 साल तक की सज़ा और दो लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है।

कर्नाटक विधानसभा में डीके शिवकुमार ने गाई संघ की प्रार्थना, भाजपा ने ली चुटकी

एजेंसी

बेंगलुरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने विधानसभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रार्थना गाकर एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने न सिर्फ चुटकी ली, बल्कि कांग्रेस पर हमला भी बोला है। हालांकि, डीके शिवकुमार ने अपने आप को जन्मजात कांग्रेसी बताते हुए भाजपा में जाने से साफ इनकार किया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल 73 सेकंड के एक वीडियो में देखा जा रहा है कि शिवकुमार विधानसभा में संघ की प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे गा रहे हैं। इस वीडियों के वायरल होने के बाद से वे भाजपा के निशाने पर हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे- डीके शिवकुमार ने गुरुवार को विधानसभा में संघ की प्रार्थना गायी। राहुल गांधी और गांधी-वाड्रा परिवार के करीबी अब आईसीयू/कोमा मोड में हैं।

भंडारी ने अपने पोस्ट में कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस के भाषण में संघ का ज़िक्र करने की आलोचना पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कांग्रेस में अंदरूनी मतभेदों की ओर इशारा करते हुए कहा कि कांग्रेस में कोई भी सांसद राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेता। जब प्रधानमंत्री ने लाल किले से संघ के योगदान की बात की, तो अब कांग्रेस के अधिकतर नेता संघ की प्रशंसा कर रहे हैं। कांग्रेस में शशि थरूर से लेकर शिवकुमार तक कोई राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेता।

इस बीच वायरल वीडियो पर सफाई देते हुए शिवकुमार ने कहा, मैं जन्मजात कांग्रेसी हूं। एक नेता के तौर पर मुझे अपने विरोधियों और मित्रों को जानना चाहिए। मैंने उनके बारे में अध्ययन किया है। भाजपा से हाथ मिलाने का सवाल ही नहीं उठता। मैं कांग्रेस का नेतृत्व करूंगा। मैं जीवनभर कांग्रेस में ही रहूंगा। दरअसल, यह सब उस समय हुआ जब विधानसभा में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर 4 जून को हुई भगदड़ पर चर्चा हो रही थी। सदन में विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि वह भाजपा शासित राज्यों की कई खामियों को उजागर कर सकते हैं। उन्होंने कहा, कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन का सचिव मेरा बचपन का दोस्त है और अन्य लोग भी मेरे करीबी हैं। मैं बेंगलुरु का प्रभारी मंत्री हूं। मैं एयरपोर्ट गया, मैंने कर्नाटक का झंडा थामा, खिलाड़ियों को बधाई दी और ट्रॉफी को चूमा, मैंने अपना कर्तव्य निभाया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की आईपीएल में पहली जीत पर जश्न का ज़िक्र करते हुए शिवकुमार ने भगदड़ की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। इस मौके पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक की ओर से यह कहे जाने पर कि शिवकुमार ने कभी संघ की 'हाफ पैंट' पहनी थी, शिवकुमार ने हंसी-ठिठोली के अंदाज़ में संघ की प्रार्थना गाई। हालांकि, भाजपा विधायक वी सुनील कुमार ने चुटकी लेते हुए कहा, उम्मीद है कि ये पंक्तियां रिकॉर्ड से नहीं हटाई जाएंगी।

कुशीनगर से लखनऊ ,वाराणसी व प्रयागराज के लिए भर सकेंगे उड़ान

कुशीनगर। कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से यात्री लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी के लिए उड़ान भर सकेंगे। असम की विमानन कंपनी जेटविंग्स को (रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम) आरसीएस के तहत उड़ान का लाइसेंस मिला है। उड़ान की समयसारणी की घोषणा विंटर शिड्यूल में घोषित होगी। उड़ान सेवा के लिए कंपनी ने 80 सीटर बॉम्बार्डियर विमान की खरीद की है। आरसीएस स्कीम के तहत एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इस नवसृजित रूट पर निविदा आमंत्रित की थी। विमानन कंपनी इंडिगो ने भी निविदा में प्रतिभाग किया था। 11 जुलाई को सम्पन्न निविदा में स्पाइस जेट को निविदा प्राप्त करने में सफलता मिली। अब दो साल से बंद एयरपोर्ट पर विंटर सीजन में फिर से चहल-पहल की उम्मीद बढ़ी है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे देश के बड़े शहरों के लिए उड़ान सेवा शुरू करने के लिए इंडिगो, आकासा जैसी बड़ी कंपनियों से संपर्क साधा है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने मप्र के शिवपुरी के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का लिया जायजा, कहा-हर संकट में सदैव आपके साथ हूं

एजेंसी

शिवपुरी। केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री और क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने संसदीय क्षेत्र मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में चार दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच कोलारस के विभिन्न बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का जायजा लिया। यहाँ उन्होंने स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे राहत और पुनर्वास कार्यों सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने आज शिवपुरी जिले की कोलारस विधानसभा के आपदा प्रभावित संगेश्वर, लगदा, लालपुर और बाँसखेड़ा गांवों का दौरा कर बाढ़ प्रभावित लोगों से सीधा संवाद किया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और सरकार द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन करते हुए प्रभावित परिवारों को शीघ्र और उचित मुआवज़ा दिलाने का भरोसा दिलाया। साथ ही उन्होंने आपदा में हुए नुकसान की आर्थिक सहायता राशि भी प्रभावित परिवारों को वितरित की। उन्होंने भरोसा देते हुए कहा कि मैं संकट के समय में हमेशा आपके साथ खड़ा रहूँगा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने लालपुर गांव में जाकर बाढ़ दुर्घटना में जान गंवाने वाली महिला दुर्गेश दांगी के घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा भी दिया।सिंधिया ने कहा कि यह मोदी सरकार, मोहन यादव सरकार और स्थानीय प्रशासन की तत्परता का परिणाम है कि हर प्रभावित परिवार तक सहायता पहुँच पाई। मकान क्षति हो, खाद्यान्न का नुकसान या फसल की बर्बादी हर परिस्थिति में मुआवजा और राहत तुरंत दी गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में ट्रिपल इंजन की सरकार ने संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ जनता की सेवा की है। इस मौके पर जिले के प्रभारी एवं ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि यह सरकार हर समय, हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़ी है। केन्?द्रीय मंत्री सिंधिया के संवेदनशीलता के कारण ही हर प्रभावित परिवार तक सहायता पहुँच पाई है। सरकार ने जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया है, जिससे हर ज़रूरतमंद तक मदद शीघ्रता से पहुँची है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज बाढ़ प्रभावित लिलवारा गाँव के साहसी और निस्वार्थ युवक गिरिराज को नया ट्रैक्टर भेंट कर अपना वचन निभाया। गिरिराज ने बाढ़ में अपनी ट्रैक्टर की मदद से कई ग्रामीणों की जान बचाई थी और लगातार सेवा करते हुए उसका ट्रैक्टर गहराई में फँसकर बंद हो गया एवं इंजन भी नष्ट हो गया था। इस साहसिक कार्य से प्रभावित होकर सिंधिया ने गिरिराज को नया ट्रैक्टर देने का आश्वासन दिया और महज 12 घंटे के भीतर गिरिराज को ट्रैक्टर-ट्रॉली प्रदान उन्होंने अपना वादा पूरा किया। गिरिराज ने अपनी जान और साधन की चिंता न करते हुए ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया। इस बहादुरी और त्याग ने पूरे क्षेत्र के लिए उसे प्रेरणा का स्रोत बना दिया।

अलका उपाध्याय अल्पसंख्यक आयोग की सचिव और राजित पुन्हानी एफएसएसएआई के सीईओ नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश कैडर की 1990 बैच की आईएएस अधिकारी अलका उपाध्याय को अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का सचिव बनाया गया है। वहीं, बिहार कैडर के 1991 बैच के आईएएस राजित पुन्हानी को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया। उनके स्थान पर देबाश्री मुखर्जी को कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय का सचिव बनाया गया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने कई अधिकारियों की नियुक्ति एवं तबादलों को मंजूरी दी। कार्मिक मंत्रालय की ओर से इस संबंध में आज एक आदेश जारी किया गया है। विजय कुमार को बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय में विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार वीएल कंठा राव को जल शक्ति मंत्रालय के जलसंसाधन विभाग का सचिव और सुकृति लिखी को पूर्व सैनिक कल्याण विभाग, रक्षा मंत्रालय में ओएसडी नियुक्त किया गया है। ओडिशा कैडर की 1994 बैच की आईएएस रंजना चोपड़ा को जनजातीय कार्य मंत्रालय में ओएसडी बनाया गया है। राजस्थान कैडर के नरेश पाल गंगवार को पशुपालन एवं डेयरी विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में नीरज वर्मा को न्याय विभाग में ओएसडी, आतिश चंद्र को प्रधानमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव और पीयूष गोयल को खनन मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया है। इसके अलावा संजय गर्ग को उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय मानक ब्यूरो का महानिदेशक, रोली सिंह को राष्ट्रीय प्राधिकरण रासायनिक हथियार अभिसमय की अध्यक्ष तथा त्रिशालजीत सेठी को केंद्रीय सतर्कता आयोग का सचिव नियुक्त किया गया है।

विजय कुमार को बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय में विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) नियुक्त किया गया है।

भारतीय महिला टीम विश्वकप 2025 की प्रबल दावेदार : रीमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करने जा रहे हैं और इसी बीच पूर्व ऑलराउंडर रीमा मल्होत्रा ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अब तक की सबसे मजबूत टीम करार दिया है। टूर्नामेंट का आयोजन 30 सितंबर से दो नवंबर तक होगा और हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपना अभियान गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ मैच से शुरू करेगी। रीमा का मानना है कि इस टीम में अनुभव और युवाओं का ऐसा संतुलन है, जो घरेलू परिस्थितियों में चैंपियन बनने का दमखम रखता है। उन्होंने कहा कि इस बार हरमनप्रीत, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा जैसी अनुभवी खिलाड़ियों के साथ अमनजोत कौर, क्रांति गौड़, श्री चरणी और ऋचा घोष जैसे युवा चेहरे भी टीम को मजबूती दे रहे हैं।

चर्चा का बड़ा विषय शेफाली वर्मा का टीम से बाहर होना रहा, लेकिन रीमा ने दिल्ली की बल्लेबाज प्रतिका रावल को शामिल किए जाने को सही बताया। प्रतिका ने 14 वनडे में 754 रन बनाए हैं और उनके प्रदर्शन में निरंतरता साफ दिखाई देती है। इसके उलट शेफाली के आंकड़े इस फॉर्मेट में औसत ही रहे हैं। रीमा ने कहा कि चयनकर्ताओं ने इस बार बड़े नाम के बजाय भरोसेमंद प्रदर्शन को तरजीह दी है, जो टीम के हित में है।

बल्लेबाजी को हमेशा से भारत की ताकत माना गया है, लेकिन इस बार गेंदबाजी भी टीम की असली पहचान बन सकती है। रेणुका ठाकुर, अमनजोत और अरुंधति रेड्डी तेज गेंदबाजी विभाग को संतुलित कर रही हैं, जबकि स्पिन में दीप्ति शर्मा, राधा यादव और स्नेह राणा का अनुभव और हुनर बड़ा हथियार साबित हो सकता है। रीमा ने कहा कि खासकर स्नेह राणा सफेद गेंद क्रिकेट में परिपक्व हो चुकी हैं और वनडे फॉर्मेट में उनकी उपयोगिता बहुत बढ़ गई है।

भारत महिला टीम विश्व कप के इतिहास में दो बार फाइनल में पहुंची है लेकिन खिताब जीतने का गौरव प्राप्त नहीं हुआ है। 2005 में ऑस्ट्रेलिया और 2017 में इंग्लैंड ने भारत को फाइनल में मात दी थी। रीमा का कहना है कि यह टीम उन पिछली असफलताओं से अलग है और इस बार आत्मविश्वास से भरी हुई है। हाल ही में श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन टीम की तैयारी का सबूत है। उन्होंने माना कि हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन निर्णायक होगा क्योंकि वह दबाव में बेहतर खेलती हैं और टीम को बड़ी जीत दिला सकती हैं। जेमिमा रोड्रिग्स के पांचवें नंबर पर खेलने से बल्लेबाजी में गहराई आई है, जबकि अमनजोत और अरुंधति ने पूजा वस्त्राकर की चोट से बनी कमी को पूरा किया है। रीमा का मानना है कि कागजों पर यह टीम सबसे मजबूत है और घरेलू समर्थन के साथ इस बार भारत खिताब जीतने का प्रबल दावेदार है।

रोहित-विराट 2027 वनडे विश्व कप तक खेलें तो भारतीय क्रिकेट को होगा फायदा : रॉस टेलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं में अब न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज रॉस टेलर की भी एंट्री हो गई है रॉस टेलर ने रोहित और विराट को लेकर बड़ा बयान दिया है। टेलर का मानना है कि ये दोनों खिलाड़ियों को वनडे प्रारूप में खेलते रहना चाहिए और अगर वे 2027 विश्व कप तक टीम का हिस्सा बने रहते हैं, तो यह भारतीय क्रिकेट और विश्व क्रिकेट दोनों के लिए बेहद अहम होगा।

गौरतलब है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। हालांकि, दोनों ने वनडे प्रारूप में खेलना जारी रखने की इच्छा जाहिर की है। अक्टूबर में वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में भी मैदान पर खेलते नजर आ सकते हैं। इसके लिए दोनों ने अपनी फिटनेस और लय वापस पाने की तैयारी भी शुरू कर दी है। नोएडा में आयोजित चैम्पियंस लीग टी-10 ट्रॉफी के दौरान रॉस टेलर ने कहा, 'अच्छा, आप विराट और रोहित को ही देख लीजिए, वे अब भी फिट हैं और रन बना रहे हैं। इतना क्रिकेट खेलना उनके शरीर के लिए थकाऊ जरूर है, क्योंकि वे दोनों पैरेंट्स भी हैं और लंबे समय तक घर और बच्चों से दूर रहते हैं। लेकिन दुनिया उन्हें मैदान पर देखना चाहती है। विश्व क्रिकेट और भारतीय क्रिकेट के नजरिए से उम्मीद है कि वे दोनों 2027 तक खेलते रहेंगे।'

टेलर ने विराट कोहली के करियर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कोहली को शुरुआती दिनों से ही बढ़ते हुए देखा है। टेलर ने कहा, 'जब विराट 18-19 साल का था तो थोड़ा मोटा था। उस समय कैमरन व्हाइट ने कहा था कि यह लड़का वर्ल्ड क्लास बनेगा। आज वह शानदार खिलाड़ी बन चुका है। वह न केवल आरसीबी के लिए वफादार रहा है, बल्कि भारतीय क्रिकेट और विश्व क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है। आरसीबी का आईपीएल खिताब जीतना और आखिरकार ट्रॉफी उठाना उनके करियर का अहम पल है।' टेलर का यह बयान उस समय आया है जब भारतीय क्रिकेट में लगातार यह बहस छिड़ी हुई है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को अब धीरे-धीरे युवा खिलाड़ियों को जगह देनी चाहिए या 2027 विश्व कप तक टीम का हिस्सा बने रहना चाहिए। टेलर की राय से यह साफ है कि वह अनुभव और क्लास को लंबे समय तक भारतीय टीम में देखने के पक्षधर हैं।

रोहित-विराट के फेयरवेल मैच की बातें करना निरर्थक है : राजीव शुक्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के रिटायरमेंट को लेकर चल रही अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि दोनों खिलाड़ी अभी वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं, इसलिए, फेयरवेल मैच की बातें करना निरर्थक है। गौरतलब है कि रोहित और विराट पहले ही टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं। ऐसे में 38 वर्षीय रोहित और 36 वर्षीय विराट के भविष्य पर लगातार चर्चाएं हो रही थीं। कुछ रिपोर्ट्स में यहां तक कहा गया कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप टीम प्रबंधन की योजनाओं में दोनों का नाम शामिल नहीं है और ऑस्ट्रेलिया दौरा दोनों के लिए विदाई सीरीज साबित हो सकता है।

यूपी टी20 लीग द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में जब शुक्ला से सवाल पूछा गया कि क्या रोहित और विराट को सचिन तेंदुलकर जैसा फेयरवेल मिलेगा, तो उन्होंने जवाब दिया, 'वे रिटायर कहां हुए हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे खेल रहे हैं। जब रिटायर नहीं हुए तो फेयरवेल की बात क्यों हो रही है। उन्होंने केवल दो फॉर्मेट से संन्यास लिया है। लेकिन वे अभी भी वनडे खेल रहे हैं, इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है।'

शुक्ला ने बीसीसीआई की नीति स्पष्ट करते हुए कहा कि बोर्ड कभी किसी खिलाड़ी को रिटायर होने के लिए बाध्य नहीं करता, यह पूरी तरह व्यक्तिगत निर्णय होता है। इंटरव्यू के दौरान फैंस की ओर से यह मांग भी रखी गई कि जब भी दोनों दिग्गज वनडे क्रिकेट से संन्यास लें तो उन्हें शानदार फेयरवेल दिया जाए। इस पर शुक्ला ने कहा, 'जब वो समय आएगा तो देखेंगे। अभी से विदाई की बातें करने की जरूरत नहीं है। विराट कोहली बेहतरीन फॉर्म में हैं और काफी फिट हैं। रोहित शर्मा भी अच्छा खेल रहे हैं। ऐसे में विदाई को लेकर अभी चिंता करना जल्दबाजी है।'

रोहित और विराट ने आखिरी वनडे मैच मार्च 2025 में खेला था, जब भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेला था। अब भारतीय टीम अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी, जहां तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। ऐसे में यह दोनों सीनियर खिलाड़ी एक बार फिर से मैदान पर नजर आएंगे और टीम प्रबंधन उनके अनुभव का पूरा फायदा उठाना चाहेगा।

एशिया कप से पहले बीमार हुए शुभमन गिल, दलीप ट्रॉफी से बाहर

मैके (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इंडिया टेस्ट टीम के कप्तान और युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल एशिया कप 2025 से पहले बीमार पड़ गए हैं। उनकी तबीयत ठीक न होने के कारण वे दलीप ट्रॉफी से हट गए हैं। बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 28 अगस्त से 15 सितंबर तक होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में गिल नॉर्थ जोन की कप्तानी करने वाले थे। लेकिन अब उनकी गैरमौजूदगी में उपकप्तान अंकित कुमार टीम की बागडोर संभालेंगे। गिल को टी20 फॉर्मेट में खेले जाने वाले एशिया कप के लिए भारतीय टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है और बोर्ड के लिए उनकी फिटनेस सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम के फिजियो ने हाल ही में गिल की जांच की और बीसीसीआई को हेल्थ रिपोर्ट सौंप दी। वर्तमान में वह चंडीगढ़ स्थित अपने घर पर आराम कर रहे हैं। चयन समिति और बोर्ड के अधिकारियों ने गिल की उपलब्धता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की हैं कि गिल दलीप ट्रॉफी में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। वैसे भी वह पूरी प्रतियोगिता के लिए उपलब्ध नहीं रहते क्योंकि एशिया कप की तैयारियों के चलते उन्हें टीम इंडिया से जुड़ना था। ऐसे में गिल केवल शुरुआती मैच के लिए ही उतर पाते।

गिल का हालिया फॉर्म की बात करें तो भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी राहत रहा है। इंग्लैंड दौरे पर खेले गए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांच टेस्ट मैचों में उन्होंने 754 रन बनाए और सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। यह उनके कप्तानी करियर की पहली टेस्ट सीरीज थी जिसमें उन्होंने भारत को 2-2 की बराबरी दिलाई और अपने नेतृत्व कौशल से सबको प्रभावित किया। उनकी अनुपस्थिति दलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन के लिए जरूर झटका है, हालांकि चयनकर्ताओं ने पहले ही शुभम रोहिल्ला को बैकअप के रूप में शामिल किया था।

नॉर्थ जोन का पहला मुकाबला 28 अगस्त को ईस्ट जोन से होगा। वहीं, एशिया कप टीम का हिस्सा अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा भी केवल शुरुआती मैच के बाद टीम से अलग हो जाएंगे। दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में गिल जैसे बड़े खिलाड़ी का न खेलना निश्चित रूप से निराशाजनक है, लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए उनका पूरी तरह फिट होना कहीं ज्यादा जरूरी है। एशिया कप 9 सितंबर से यूएई में शुरू हो रहा है और भारतीय टीम को गिल की बल्लेबाजी और उनकी नेतृत्व क्षमता दोनों की सख्त जरूरत होगी। फिलहाल सभी की निगाहें उनके स्वास्थ्य और एशिया कप से पहले उनकी फिटनेस पर टिकी हैं।

रिंकू सिंह ने बैट विवाद पर तोड़ी चुप्पी, एशिया कप में चमकने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स और भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह ने आईपीएल 2024 के दौरान वायरल हुए उस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें वह विराट कोहली से बैट मांगते नजर आए थे। कोहली ने उन्हें जो बल्ला दिया था, वह टूट गया और इसके बाद रिंकू दोबारा नया बैट मांगते दिखे थे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था और रिंकू काफी सुर्खियों में आ गए थे। अब मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने इस पूरे मामले को लेकर खुलासा किया है।

27 वर्षीय रिंकू इन दिनों यूपी टी20 लीग में खेल रहे हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में मुस्कुराते हुए कहा कि बैट वाले मामले में वह थोड़ा ज्यादा बदनाम हो गए थे। उन्होंने बताया कि वह सामान्य तौर पर विराट कोहली से मिलने जाते थे और बैट भी मांग लेते थे, लेकिन कैमरे में कैद होने से मामला ज्यादा फैल गया। उन्होंने कहा कि यह चीज उनके लिए और कोहली दोनों के लिए ठीक नहीं रही। रिंकू ने आगे बताया कि इस बार यानी आईपीएल 2025 में उन्होंने कोहली से बैट नहीं लिया बल्कि एमएस धोनी और रोहित शर्मा से बल्ला लिया, जो उनके लिए बड़ी बात है।

रिंकू ने कहा कि बड़े खिलाड़ियों का बैट पाना उनके करियर के लिए बेहद खास है। वह इसे एक यादगार पल मानते हैं। वहीं, उन्होंने एशिया कप 2025 में जगह मिलने पर खुशी जताई और कहा कि यह उनके लिए बड़ा मौका है। पिछले साल वह वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने से चूक गए थे और सिर्फ स्टैंडबाय खिलाड़ी थे।

इस बार एशिया कप की प्रबल दावेदार है श्रीलंका : थिसारा परेरा

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर थिसारा परेरा ने कहा है कि इस बार उनकी टीम एशिया कप में जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। यूएई में 9 सितंबर से होने वाले एशिया कप में श्रीलंकाई टीम को ग्रुप-बी में रखा गया है। परेरा ने कहा, मुझे लगता है कि इस समय श्रीलंकाई टीम काफी संतुलित है उसके पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है। इससे उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन करेगी। मैं उनको शुभकामनाएं देता हूं कि वह अपने देश के लिए अपना सौ फीसदी योगदान दें। मुझे लगता है कि हमारे पास आज जो टीम है वह किसी भी विरोधी टीम को टक्कर दे सकती है। एशिया कप में श्रीलंका को ग्रुप-बी में रखा गया है। इस ग्रुप में श्रीलंका के साथ बांग्लादेश, हांगकांग और अफगानिस्तान जैसी टीमें भी हैं।

एशिया कप टीम के लिए श्रेयस अय्यर का टीम से बाहर होना अनुचित : दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यूएई में 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान किया। हालांकि, इस टीम में श्रेयस अय्यर का नाम शामिल न होने पर कई दिग्गज खिलाड़ियों ने हैरानी जताई है। इसी तारतम्य में पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने इसे अनुचित बताते हुए चयनकर्ताओं से सवाल किया है। कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा, 'श्रेयस अय्यर कहां हैं? ये बड़ा सवाल है। वह कैसे बाहर हो सकता है? टीम ने पिछले 20 में से 17 मैच जीते हैं, ठीक है, लेकिन उन्हें 15 खिलाड़ियों में जगह न देना, यहां तक कि स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में भी शामिल न करना सही नहीं है। क्या इसका मतलब है कि टी20 विश्व कप को देखते हुए उनके लिए दरवाजे बंद हो चुके हैं? यह अनुचित होगा।'

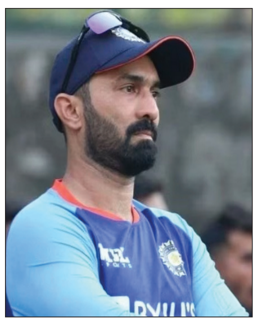

इससे पहले भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर सहित कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी अय्यर को टीम से बाहर करने के फैसले की आलोचना की थी। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह संकेत है कि भविष्य में टी20 प्रारूप में अय्यर के लिए जगह सीमित हो सकती है। श्रेयस अय्यर ने हाल ही में पंजाब किंग्स के कप्तान के तौर पर शानदार प्रदर्शन किया और टीम को 2014 के बाद पहली बार फाइनल तक पहुंचाया। हालांकि, निर्णायक मुकाबले में पंजाब को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। दिनेश कार्तिक ने अय्यर की कप्तानी और दबाव में बेहतर बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि चयनकर्ताओं को उन्हें पूरी तरह नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए था। उन्होंने उम्मीद जताई कि अय्यर के लिए दरवाजे अभी भी खुले रहेंगे।

सीपीएल 2025 : टी20 में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बने ताहिर

गुयाना (एजेंसी)। सीपीएल 2025 में शनिवार को गुयाना अमेजन वॉरियर्स और एंटीगुआ एंड बरबुडा फॉल्कंस के बीच खेले गए एक मुकाबले में अनुभवी स्पिनर और कप्तान इमरान ताहिर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए नया इतिहास रच दिया। ताहिर की घातक स्पेल की बदौलत गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने मुकाबले में जीत दर्ज की, वहीं ताहिर टी20 क्रिकेट में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बन गए। मैच में इमरान ताहिर ने अपने चार ओवर के स्पेल में एक मेडन डालते हुए मात्र 22 रन देकर पांच विकेट झटके। इससे पहले यह रिकॉर्ड मलावी के मोअज्जम अली बेग के नाम था, जिन्होंने सितंबर 2004 में कैमरून के खिलाफ 22 रन देकर पांच विकेट लिए थे। ताहिर ने इस उपलब्धि को हासिल कर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया।

इतना ही नहीं, ताहिर अब टी20 क्रिकेट के इतिहास में पांच विकेट लेने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज गेंदबाज भी बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 46 साल 149 दिन की उम्र में हासिल की। उनसे आगे केवल कुक आइलैंड के तोमाकानुटे रीतावा हैं, जिन्होंने 2022 में फीजी के खिलाफ 46 साल 299 दिन की उम्र में पांच विकेट लिए थे। इमरान ताहिर का टी20 करियर बेहद शानदार रहा है। 2006 से अब तक वे अंतरराष्ट्रीय और लीग क्रिकेट मिलाकर 436 टी20 मैच खेल चुके हैं। इनमें उन्होंने 419 पारियों में गेंदबाजी करते हुए कुल 554 विकेट हासिल किए हैं। इस आंकड़े के साथ वे टी20 इतिहास के चौथे सबसे सफल गेंदबाज हैं। उनसे आगे राशिद खान, ड्वेन ब्रावो और सुनील नरेन का नाम आता है।

ताहिर के नाम टी20 में एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा अब तक पांच बार दर्ज है। इस मामले में वे शाहीन अफरीदी, लसिथ मलिंगा, भुवनेश्वर कुमार और शाकिब अल हसन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। इस सूची में सबसे ऊपर डेविड वीजा हैं, जिन्होंने सात बार यह कारनाम कर दिखाया है। पाकिस्तान मूल के इमरान ताहिर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से खेलते हुए उन्होंने 20 टेस्ट में 57, 107 वनडे में 173 और 38 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 63 विकेट लिए। अंतरराष्ट्रीय

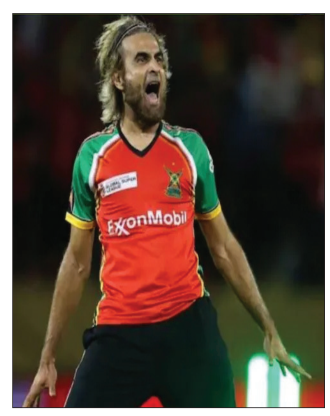

क्रिकेट से संन्यास के बाद भी ताहिर का जादू लीग क्रिकेट में बरकरार है और उनका अनुभव आज भी टीमों के लिए जीत की कुंजी साबित हो रहा है।

इंडिया-ए की राघवी और जोशीथा ने खेली धुंआधर पारी, गेंदबाजों ने किया कमाल

-टेस्ट के दूसरे दिन मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट खोकर 158 रन बनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज राघवी बिष्ट ने 93 रन की पारी खेली, जबकि निचले क्रम की बल्लेबाज वीजे जोशीथा (51) ने अंत में शानदार अर्धशतक लगाया, जिससे इंडिया-ए ने शुक्रवार को एकमात्र महिला अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ पहली पारी में 299 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। इसके बाद इंडिया-ए ने दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया-ए के 158 रन तक पांच विकेट गिरा दिए थे। इंडिया-ए की टीम बारिश के कारण पहले दिन पांच विकेट पर 93 रन बनाकर मुश्किल में पड़ गई थी, लेकिन बिष्ट ने 26 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए राधा यादव के 33 रन के साथ छठे विकेट के लिए 64 रन की भागीदारी की। इसके बाद उन्होंने मीनू मणि के साथ 28 रन के साथ 75 रन की साझेदारी कर भारत को उबारा। निचले बल्लेबाजों के साथ शानदार बल्लेबाजी करने वाली बिष्ट ने 153 गेंद की अपनी पारी में 16 चौके लगाए, लेकिन शतक बनाने से महज सात रन से चूक गईं।

मध्यम गति की गेंदबाज मैटलन ब्राउन ने 63वें ओवर में उन्हें बोल्ड कर दिया। मणि को भी जल्द ही ब्राउन ने पवेलियन भेज दिया, लेकिन जोशीथा और टिटास साधु (23) ने हार नहीं मानी और नौवें विकेट के लिए 75 रन की अहम साझेदारी करके इंडिया-ए को 300 रन के करीब पहुंचाया। ऑफ स्पिनर लिली मिल्स ने जोशीथा को बोल्ड किया। इस भारतीय बल्लेबाज ने 72 गेंद की पारी में सात चौके लगाए। ऑस्ट्रेलिया-ए के लिए मध्यम गति की गेंदबाज जॉर्जिया प्रेस्टविज ने 37 रन देकर और ब्राउन ने 65 रन देकर तीन तीन विकेट झटके।

जवाब में ऑस्ट्रेलिया-ए टीम 43 ओवर में 158 रन पर पांच विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी। भारत-ए के लिए मध्यम गति की गेंदबाज साइमा ठाकोर ने 21 रन देकर दो विकेट और बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव ने 40 रन देकर दो विकेट लिए जबकि साधु ने 27 रन देकर एक विकेट झटका। कप्तान तहलिला विल्सन ने 49 रन बनाए और रशेल ट्रेनमैन (21) के साथ पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। स्टंप उखड़ने तक विकेटकीपर निकोल फाल्टम 30 और सियाना जिंजर 24 रन बनाकर क्रीज पर जमी हुई थीं।

भारत में पहली बार मेसी की कप्तानी में खेलेगी अर्जेंटीना टीम

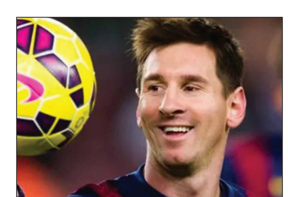

तिरुवनंतपुरम। भारत में अब फुटबॉल का बुखार चढ़ने वाला है, क्योंकि दुनिया के सर्वकालिक महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार लियोनेल मेसी की अगुआई में अर्जेंटीना फुटबॉल टीम इस साल नवंबर में भारत का दौरा करेगी। यह टीम केरल में एक दोस्ताना मैच खेलने आ रही है। इस ऐतिहासिक पल की आधिकारिक जानकारी राज्य के खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से साझा की। उन्होंने बताया कि अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने ईमेल के जरिए इस दौरे की पुष्टि कर दी है। मेसी के भारत आने की खबर के बाद फुटबॉल प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर केरल में, जहां दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल और अर्जेंटीना टीम के लिए गहरी दीवानगी है। यहां मेसी की लोकप्रियता बेहद ज्यादा है और अब राज्य उस ऐतिहासिक क्षण की तैयारियों में जुट गया है, जिसे प्रशंसक अपने 'सपनों के सच होने' जैसा मान रहे हैं। 2022 में फीफा विश्व कप जीतने के बाद अर्जेंटीना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खासतौर पर केरल के फुटबॉल फैंस को धन्यवाद भी दिया था। अब इस दोस्ताना मुकाबले की तैयारियां भी तेज हो चुकी हैं। केरल फुटबॉल संघ (केएफए) और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) मिलकर आयोजन स्थल और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। संभावना जताई जा रही है कि यह मुकाबला तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच अर्जेंटीना के लिए 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर से पहले की तैयारी का हिस्सा होगा। उम्मीद है कि मेसी टीम की कप्तानी करेंगे, हालांकि टीम की अंतिम सूची की घोषणा मुकाबले की तारीख नजदीक आने पर ही की जाएगी। राज्य सरकार सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और आतिथ्य सत्कार को लेकर विशेष इंतजाम करने की योजना बना रही है। पर्यटन विभाग का मानना है कि मेसी के भारत दौरे से केरल की अंतरराष्ट्रीय पहचान को नई ऊंचाई मिलेगी और देश-दुनिया से प्रशंसक व पर्यटक यहां आकर्षित होंगे। केरल सरकार ने इस दोस्ताना मैच के लिए विशेष रूप से अर्जेंटीना टीम को आमंत्रण भेजा था और अब यह आयोजन राज्य के लिए गौरव और ऐतिहासिक अवसर बन गया है।

दबंग दिल्ली के कप्तान बने रहेंगे आशु मलिक

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग का 12 सत्र इस माह 29 अगस्त से शुरु होने जा रहा है। इस सत्र के लिए दबंग दिल्ली केसी ने आशु मलिक को अपनी टीम का कप्तान बनाये रखा है। दबंग दिल्ली के अनुसार मलिक का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है और हर सत्र के साथ ही उनकी कप्तानी में भी निखार आया है। उनके जुझारु रवैये से प्रभावित होकर ही उन्हें एक बार फिर कप्तानी सौंपी गयी है। ही मलिक ने पिछले साल काफी अच्छा शानदार प्रदर्शन किया था। बतौर खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर इस खिलाड़ी ने टीम की ओर से महत्तपूर्ण भूमिका निभाई थी। दिल्ली केसी के मुख्य कार्यकारी ने कहा कि से सत्र सीजन हमारे लिए काफी विशेष है। हम लगातार 6 प्लेऑफ प्रदर्शनों से आगे बढ़ते हुए एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल करना चाहते हैं। इसके लिए हमारे खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इसके साथ ही मजबूत नेतृत्व की भी आवश्यकता है जिसमें मलिक पूरी तरह से फिट हैं। उन्होंने लचीलापन, परिपक्वता और टीम को प्रेरित करने की क्षमता दिखाई है। उनके नेतृत्व में हमें ट्रॉफी जीतने का पूरा भरोसा है। वहीं कोच जोगिंदर नरवाल ने कहा कि कप्तान लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और एक मजबूत नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरे हैं। मुझे भरोसा है कि इस साल फिर से टीम का मार्गदर्शन करेंगे। हमारा लक्ष्य प्लेऑफ से आगे बढ़ते हुए खिताब के लिए बढ़ना है।

पूर्व ओपनर सदागोपन रमेश का गौतम गंभीर पर निशाना, लगाए पक्षपात के आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में गौतम गंभीर की नियुक्ति के बाद से ही लगातार टीम इंडिया में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज स्तंभ रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने के बाद गंभीर की नीतियों को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। जहां कुछ लोग उनके फैसलों का समर्थन करते हैं, वहीं कई पूर्व खिलाड़ी उनके कामकाज पर सवाल खड़े कर रहे हैं। अब इस लिस्ट में टीम इंडिया के पूर्व ओपनर सदागोपन रमेश का नाम भी जुड़ गया है।

रमेश ने अपने यूट्यूब चैनल पर गौतम पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह सिर्फ उन्हीं खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं जो उन्हें पसंद हैं। उन्होंने कहा, 'गौतम गंभीर जिन खिलाड़ियों को पसंद करते हैं, उनका समर्थन करते हैं और जिन्हें पसंद नहीं करते, उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं।'' रमेश ने यह भी जोड़ा कि इस तरह का रवैया टीम संतुलन और खिलाड़ियों के आत्मविश्वास के लिए सही नहीं है।

हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ समाप्त हुई पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर रही थी। इस परिणाम को लेकर रमेश की अलग राय है। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड में ड्रॉ सीरीज को बड़ी उपलब्धि की तरह दिखाया जा रहा है, लेकिन असल में यह इसलिए खास लग रही है क्योंकि पिछले साल टेस्ट क्रिकेट में हमारा प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। विदेशी धरती पर जीत की शुरुआत पहले ही विराट कोहली और रवि शास्त्री के समय हो चुकी थी। ऐसे में ड्रॉ सीरीज को गंभीर के ट्रैक रिकॉर्ड में उपलब्धि के रूप में गिनना सही नहीं है।'

रमेश ने टीम चयन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एशिया कप 2025 के लिए श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया जाना चाहिए था। रमेश के अनुसार, 'श्रेयस अय्यर चैंपियंस ट्रॉफी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन गंभीर उनका समर्थन नहीं कर रहे हैं। वहीं यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी, जो टीम के लिए एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं, उन्हें सभी फॉर्मेट में मौका मिलना चाहिए। उन्हें सिर्फ स्टैंडबाय में रखना एक गलत कदम है।'

गंभीर की कोचिंग पर उठे ये सवाल टीम इंडिया के मौजूदा माहौल और चयन नीतियों पर

गहरी बहस छेड़ सकते हैं। जहां एक ओर गंभीर के समर्थक उन्हें टीम में नए प्रयोग और आक्रामक सोच लाने वाला मानते हैं, वहीं आलोचकों का कहना है कि उनके फैसले कई बार पक्षपात से प्रभावित नजर आते हैं।

कांतारा चैप्टर 1 में अहम भूमिका निभाएंगे गुलशन देवैया

ऋषभ शेट्टी की साल 2022 में आई फिल्म कांतारा ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर प्रदर्शन किया। दर्शकों को फिल्म खूब पसंद आई। अब इस फिल्म का प्रीक्वल आ रहा है। फिल्म कांतारा चैप्टर 1 को लेकर दर्शक उत्साहित हैं। इस फिल्म में एक्टर गुलशन देवैया की एंट्री हो गई है। आज मंगलवार को मेकर्स ने एक्टर का लुक रिवील किया है। होम्बले फिल्म्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें गुलशन देवैया का लुक रिवील किया गया है। गुलशन देवेया कुलशेखर की भूमिका अदा करेंगे। जारी किए गए पोस्टर में वे दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। उनके सिर पर मुकुट सजा है और किसी राजा की वेशभूषा में वे सिंहासन पर विराजमान हैं। पोस्टर हिंदी, अंग्रेजी के अलावा अन्य साउथ भाषाओं में भी रिलीज किया गया है।

नेटिजन्स ने जताई खुशी

गुलशन दैवेया के लुक पर नेटिजन्स की जबर्दस्त प्रतिक्रिया आ रही है। गुलशन को देख फिल्म के प्रति दर्शकों का एक्साइटमेंट बढ़ गया है। एक यूजर ने लिखा, अपना गुल्लू, कुलशेखर बनकर छा गया। एक अन्य यूजर ने लिखा है, जबर्दस्त कास्टिंग। एक यूजर ने लिखा, आपको फिल्म का हिस्सा बनते देख खुशी हो रही है।

कब रिलीज होगी कांतारा

गुलशन देवैया चर्चित एक्टर हैं। उन्हें शैतान, हेट स्टोरी , गोलियों की रासलीला राम-लीला, कमांडो 3 और बधाई दो जैसी फिल्मों में देखा गया है। अब कांतारा के जरिए वे कन्नड़ फिल्मों में डेब्यू कर रहे हैं। बात करें फिल्म कांतारा चैप्टर 1 की तो यह 02 अक्तूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। कांतारा (2022) बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही है। ऋषभ शेट्टी ने इस फिल्म को लिखा था और डायरेक्ट भी उन्होंने किया था। 2022 में इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

अल्लू अर्जुन और एटली की फिल्म पर आया अपडेट

100 दिन तक शूटिंग करेंगी दीपिका

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली की अपकमिंग फिल्म में बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं। फिल्म एक पैरेलल यूनिवर्स पर आधारित कहानी होगी, जो भारतीय सिनेमा के लिए एक बिल्कुल नया अनुभव साबित हो सकती है।

नवंबर से दीपिका करेंगी शूटिंग

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक दीपिका पादुकोण इस प्रोजेक्ट की शूटिंग नवंबर 2025 से शुरू करेंगी। खास बात यह है कि वो लगभग 100 दिनों तक लगातार शूटिंग में व्यस्त रहेंगी। दीपिका इस फिल्म में एक योद्धा का किरदार निभाने वाली हैं, जिसके लिए उनका लुक और हथियार विशेष रूप से डिजाइन किए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, दर्शक ऐसे अवतार में दीपिका दिखेंगी जो पहले कभी पर्दे पर नहीं देखा गया। इस किरदार में भरपूर एक्शन, इमोशनल और ड्रामेटिक सीन शामिल होंगे।

फिल्म की स्टारकास्ट

इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन के अलावा इसमें रश्मिका मंदाना, जाह्नवी कपूर और मृणाल ठाकुर जैसी लोकप्रिय अभिनेत्रियां भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी।

दीपिका का वर्कफ्रंट

दीपिका पादुकोण फिलहाल इंडस्ट्री की सबसे बिजी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वो अक्टूबर 2025 में शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग की शूटिंग शुरू करने वाली हैं। हाल ही में उन्होंने द इंटरन के हिंदी रीमेक से अलग होकर सुर्खियां बटोरी थीं और अब वह प्रोडक्शन की ओर भी अपना ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

अल्लू अर्जुन का ट्रिपल रोल

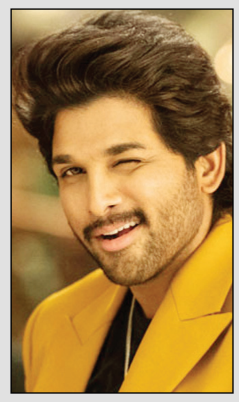

फिल्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि अल्लू अर्जुन इसमें तीन अलग-अलग किरदार निभाने जा रहे हैं। हर किरदार की अपनी एक पहचान और लुक होगा। बताया जा रहा है कि यह फिल्म दो अलग-अलग दुनियाओं में सेट है, जिनमें से एक पैरेलल यूनिवर्स है। इसका स्केल हॉलीवुड की अवतार जैसी फिल्मों की याद दिलाएगा। अल्लू अर्जुन इस प्रोजेक्ट को लेकर इतने गंभीर हैं कि उन्होंने अपने बाकी सभी कमिटमेंट्स किनारे रख दिए हैं और पूरी तरह से फिल्म पर फोकस कर रहे हैं।

नितेश तिवारी की 'रामायण' में अमित सियाल निभाएंगे सुग्रीव की भूमिका

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायण के एक-एक अपडेट का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। सबसे ज्यादा फिल्म के किरदारों को लेकर दर्शक उत्साहित हैं। मिली जानकारी के मुताबिक रामायाण फिल्म में अमित सियाल सुग्रीव का किरदार निभा रहे हैं।

महाकाव्य रामायण में वानर राज सुग्रीव एक बहुत ही महत्वपूर्ण पात्र हैं, जो बाली के छोटे भाई हैं। रणबीर कपूर अभिनीत रामायण फिल्म में सुग्रीव की भूमिका टैलेंटेड एक्टर अमित सियाल निभाएंगे। ये जानकारी अमर उजाला को मिली है। अब दर्शकों को मेकर्स द्वारा इसके आधिकारिक एलान का इंतजार है। आपको बताते चलें कि इससे पहले कहा जा रहा था कि अमित सियाल बाली की भूमिका निभाते दिखेंगे। हालांकि, अब यह साफ हो गया है कि अभिनेता सुग्रीव का ही किरदार निभा रहे हैं। अमित ने रामायण फिल्म में कुछ हिस्सों की शूटिंग भी कर ली है। अभिनेता को वानर राज सुग्रीव की भूमिका में देखना दर्शकों के लिए रोमांचक अनुभव होने वाला है।

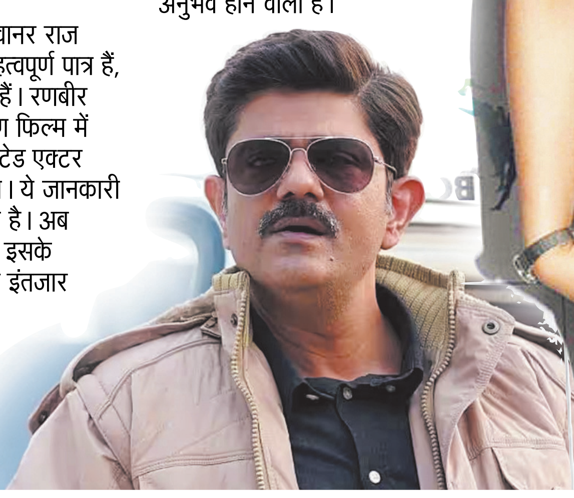

मौके का इंतजार करने के बजाय खुद मौके बनाने का फैसला किया

हुमा कुरैशी और उनके भाई साकिब सलीम जल्द ही अपनी पहली प्रोडक्शन फिल्म बेबी डू डाई डू रिलीज करने वाली हैं। अभिनय के अलावा, दोनों ने अब निर्माता बनने का फैसला किया है ताकि वे अच्छी कहानियों को खुद चुन सकें और उन्हें दर्शकों तक पहुंचा सकें।

एक खबर के मुताबिक, हुमा का कहना है कि अभिनेत्री के तौर पर उन्हें हमेशा दूसरों के चुने हुए रोल पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे उनमें निराशा थी, क्योंकि वे और भी बहुत कुछ कर सकती थीं। इसीलिए उन्होंने और साकिब ने खुद कहानियां बनाने का फैसला किया। उनकी पहली प्रोडक्शन फिल्म जल्द रिलीज होगी और इसके बाद हुमा एक इन्वेस्टिगेटिव फिल्म बयान में नजर आएंगी।

क्या नया करना चाहती हैं हुमा

39 साल की हुमा ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। इस लिस्ट में गैंग्स ऑफ वासेपुर, डेढ़ इश्किया और जॉली एलएलबी 2 जैसी फिल्में शामिल हैं। अब वह नई और अच्छी कहानियां लाना चाहती हैं। वे कहती हैं कि उन्होंने और साकिब ने दूसरों के मौके का इंतजार करने के बजाय खुद मौके बनाने का फैसला किया। वे अपने प्रोडक्शन हाउस को ऐसा बनाना चाहती हैं, जहां नए चेहरों को मौका मिले और काम का माहौल बेहतर हो। हुमा का कहना है कि वे दूसरों की गलतियों को नहीं दोहराएंगी। भविष्य में वे बड़ी फिल्में बनाना चाहेंगी, लेकिन नए टैलेंट को मौका देने की कीमत पर नहीं।

सोनाक्षी के टैलेंट का पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ

बॉलीवुड की दमदार अदाकारा सोनाक्षी सिन्हा की कुछ समय पहले रिलीज हुई फिल्म निकिता रॉय बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई। हाल ही में उनके भाई और डायरेक्टर कुश सिन्हा ने बहन के करियर और उनकी क्षमता को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सोनाक्षी में अपार टैलेंट है, लेकिन इंडस्ट्री में कई बार उनकी असली क्षमता को सही तरीके से सामने नहीं लाया गया। कुश सिन्हा ने हालिया इंटरव्यू में कहा है कि उन्होंने हमेशा सोनाक्षी को एक अदाकारा के रूप में अलग नजरिए से देखा है। भाई होने के साथ-साथ एक दर्शक के तौर पर भी उन्होंने महसूस किया कि सोनाक्षी को वो मौके नहीं मिले जिनसे उनकी पूरी रेंज सामने आती। उन्होंने याद दिलाया कि लुटेरा और अकीरा जैसी फिल्मों में सोनाक्षी ने यह साबित किया कि वो सिर्फ कमर्शियल फिल्मों की हीरोइन नहीं बल्कि एक गंभीर और परिपक्व अभिनेत्री भी हैं। कुश ने इस बातचीत में यह भी कहा कि फिल्मकार कई बार सितारों को उनकी सीमाओं से आगे धकेलने से हिचकिचाते हैं। इसका नुकसान कलाकारों को होता है क्योंकि उनकी असली प्रतिभा पर्दे पर पूरी तरह से सामने नहीं आ पाती। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि कलाकारों की अपनी पसंद भी बहुत मायने रखती है। कई बार कागज पर शानदार लगने वाला किरदार शूटिंग के दौरान उतना असरदार साबित नहीं होता।

सही चुनाव से बनता है करियर

कुश का मानना है कि इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए फिल्मों का चुनाव बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई बार अभिनेता कुछ प्रोजेक्ट्स चुन लेते हैं जो बाद में उतने प्रभावी साबित नहीं होते। वहीं, कभी-कभी उम्मीद से कहीं ज्यादा शानदार नतीजे भी मिल जाते हैं। यही इस इंडस्ट्री की अनिश्चितता है।

46 साल बाद साथ काम करेंगे रजनीकांत-कमल हासन

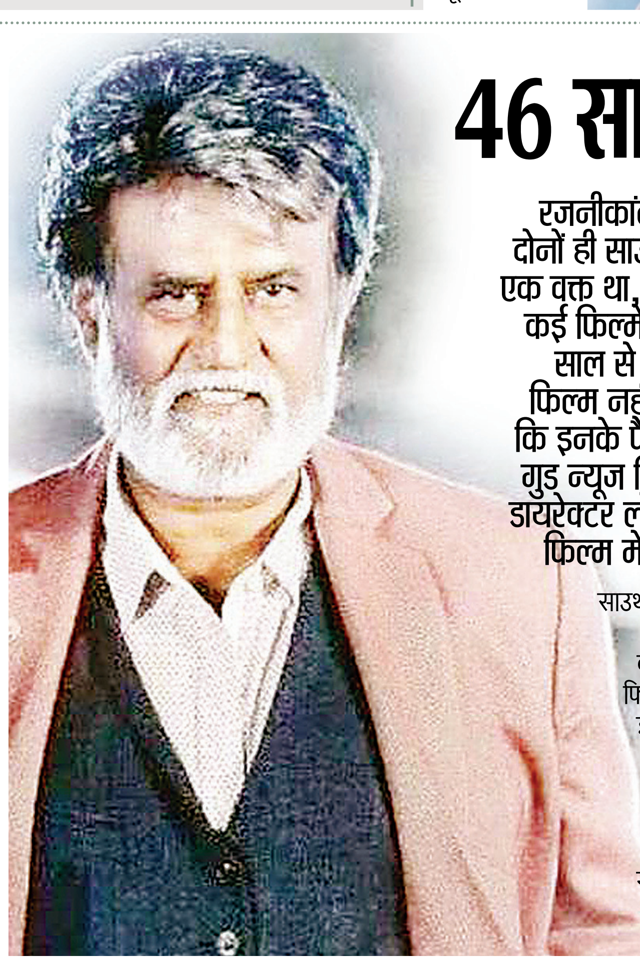

रजनीकांत और कमल हासन दोनों ही साउथ के सुपरस्टार्स हैं। एक वक्त था, जब इन्होंने साथ में कई फिल्में की थीं, लेकिन 46 साल से इनकी साथ में कोई फिल्म नहीं आई। अब खबर है कि इनके फैंस को जल्द ही एक गुड न्यूज मिल सकती है। दोनों डायरेक्टर लोकेश कनगराज की फिल्म में नजर आ सकते हैं।

गैंगस्टर ड्रामा में एक होगा हीरो तो दूसरा विलेन

साउथ इंडियन सिनेमा के दो बड़े सुपरस्टार रजनीकांत और कमल हासन की जोड़ी कई फिल्मों में दिखाई दे चुकी है। इन दोनों स्टार्स को साथ में देखने के लिए फैंस एक्साइटेड रहते हैं। इस जोड़ी को पिछली बार हिंदी फिल्म गिरफ्तार में देखा गया था। ये साल 1985 में रिलीज हुई थी। अब खबर आई है कि करीब 46 साल बाद ये दोनों साथ में एक फिल्म करने जा रहे हैं। इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे साउथ के बेस्ट डायरेक्टर्स में से एक लोकेश कनगराज। इंडस्ट्री इंसाइडर श्रीधर पिल्लई ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर दोनों की एक तस्वीर शेयर करते हुए ये जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दोनों लगभग 46 साल बाद साथ काम करने जा रहे हैं।

लोकेश ने दोनों सुपरस्टार्स से की थी मुलाकात

इससे पहले खबर आई थी कि कुछ दिनों पहले ही लोकेश कनगराज ने दोनों सुपरस्टार्स से मुलाकात कर फिल्म की स्टोरी बताई थी। इस फिल्म को राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल प्रोड्यूस कर सकता है।

14 अगस्त को रिलीज हुई थी कुली

कुली को फिल्म को लोकेश कनगराज ने ही डायरेक्ट किया है। इसमें आमिर खान और नागार्जुन जैसे सितारे भी हैं। यह 14 अगस्त को रिलीज हुई थी। दर्शक इस मूवी को काफी पसंद कर रहे हैं।

कमल हासन की पिछली फिल्म

वहीं कमल हासन की लास्ट मूवी ठग लाइफ थी। इस फिल्म को मणिरत्नम ने डायरेक्ट किया था। ये एक गैंगस्टर ड्रामा थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं किया था। कमल हासन लोकेश कनकराज के साथ पहले भी काम कर चुके हैं। उनकी मूवी विक्रम उन्होंने ही डायरेक्ट की थी।

कमल और रजनीकांत की साथ में फिल्में

कमल और रजनीकांत ने अपूर्व रागंगल, अवल अप्पादिथन, 16 वैयाथिनिले, इलामै ऊंजल आदुकिराथु, थिल्लू मुल्लू और निनैथले इनिक्कूम जैसी फिल्मों में साथ काम किया है।

कमल हीरो तो रजनीकांत होंगे विलेन!

कहा जा रहा है कि इस फिल्म में कमल हासन हीरो और रजनीकांत विलेन की भूमिका में दिखाई दे सकते हैं। रजनीकांत हाल ही में कमल हासन की बेटी श्रुति हासन के साथ फिल्म कुली में दिखाई दिए थे।

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्कर्णी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यव्था की गई है। यह शहर सुप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलतः पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहा से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे** :

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

  अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।
- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।